@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 24 नवम्बर 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 20 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संसद के शीतकालीन सत्र में चंडीगढ़ प्रशासन पर नहीं लाया जाएगा विधेयक, गृह मंत्रालय ने किया साफ

डेया रिपोर्टों में कहा गया कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश डीगढ़ की वैधानिक स्थिति दलने की दिशा में काम कर रही है। इससे चंडीगढ़ के शासक के रूप में पंजाब के ज्यपाल के अधिकार कम हो जाएंगे।

एजेंसी

जोधपुर। । केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की वैधानिक स्थिति बदलने के बारे में आ रही रिपोर्टों के बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बयान जारी किया है। इसमें कहा गया कि अभी चंडीगढ़ के लिए केंद्र की ओर से कानून बनाने की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास विचाराधीन है। इस संबंध में संसद के शीतकालीन सत्र में विधेयक लाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। इन रिपोर्टों के कारण सियासी हलकों में गरगर्मी बढ़ी हुई थी। इसे देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि चंडीगढ़ के साथ पंजाब या हरियाणा के परंपरागत संबंधों को बदलने के बारे में कोई बातचीत नहीं चल रही है। पोस्ट में कहा गया, चंडीगढ़ के लिए सिर्फ केंद्र सरकार की ओर से कानून बनाने की

प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव अभी केंद्र सरकार के स्तर पर विचाराधीन है। इस प्रस्ताव पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। इस प्रस्ताव में किसी भी तरह से चंडीगढ़ की शासन-प्रशासन की व्यवस्था या चंडीगढ़ के साथ पंजाब या हरियाणा के परंपरागत संबंधों को बदलने की कोई बात नहीं है। चंडीगढ़ के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी हितधारकों से पर्याप्त विचार विमर्श के बाद ही उचित निर्णय लिया जाएगा। इस विषय पर चिंता की आवश्यकता नहीं है। आने वाले संसद के शीतकालीन सत्र में इस आशय का कोई विधेयक प्रस्तुत करने की केंद्र सरकार की कोई मंशा नहीं है।

पंजाब के सीएम मान की तीखी प्रतिक्रिया

इससे पहले, मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि सरकार केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की वैधानिक स्थिति बदलने की दिशा में काम कर रही है। इससे चंडीगढ़ के प्रशासक के रूप में पंजाब के राज्यपाल के अधिकार कम हो जाएंगे। यह कहा जा रहा है कि केंद्र सरकार चंडीगढ़ में दिल्ली की तरह उपराज्यपाल का पद सृजित कर सकती है। इस पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि यह एक बड़ा अन्याय है। भाजपा सरकार पंजाब की राजधानी छीनने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा, 'चंडीगढ़ पहले भी पंजाब का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा।

CJI बीआर गवई को किस बात का रह गया मलाल, महिला जजों की मौजूदगी में कही मन की बात

एजेंसी

नई दिल्ली। निवर्तमान चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (CJI) बीआर गवई अपने पद से रिटायर हो रहे हैं। इससे पहले उन्होंने अपने मन की बात करते हुए कहा कि उन्हें इस बात का मलाल रहेगा कि वह सुप्रीम कोर्ट में किसी महिला जज को नियुक्त नहीं कर सके। आपको बता दें कि गवई के कार्यकाल के दौरान सुप्रीम कोर्ट में पांच न्यायाधीशों को नियुक्त किया गया और वे सभी पुरुष थे।

सीजेआई गवई ने कहा, ÷मुझे इस बात का खेद है कि मैं सुप्रीम कोर्ट में किसी महिला जज को नहीं ला पाया, लेकिन हमने महिला जजों की सिफारिश की जिसमें सुप्रीम कोर्ट की वकील भी शामिल थीं।÷ उन्होंने जब इस बात का उल्लेख किया तो समारोह में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना भी मौजूद थीं। वह भारत की पहली महिला चीफ जस्टिस बनेंगी।

आपको बता दें कि यह विदाई समारोह 18 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट के लेडीज बार रूम में आयोजित किया गया था। समारोह में 17 न्यायाधीशों ने भाग लिया। वरिष्ठ अधिवक्ता महालक्ष्मी पावनी ने समारोह का आयोजन किया। उन्होंने सीजेआई गवई के नेतृत्व की विनम्रता, सुलभता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए सराहना की।

अपने विदाई भाषण में सीजेआई गवई ने सभी को धन्यवाद दिया और कहा कि यह दिल्ली में उनका पहला विदाई समारोह था। उन्होंने अदालत में अनजाने में किसी को ठेस पहुंचाने के लिए माफी भी मांगी। इस अवसर पर उनकी विरासत संभालने वाले देश के अगले मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत भी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि सीजेआई गवई ने संस्था का नेतृत्व एक गतिशील तरीके से किया।

सीजेआई बीआर गवई के कार्यकाल में सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किए गए पांच पुरुष न्यायाधीशों में न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया, न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई, न्यायमूर्ति ए.एस. चंदुरकर, न्यायमूर्ति आलोक अराधे और न्यायमूर्ति विपुल मनभाई पंचोली शामिल हैं।

आतंकवाद के खिलाफ होना होगा एकजुट, IBSA मीटिंग में बोले पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका में इस वक्त G20 शिखर सम्मेलन का आयोजन चल रहा है. आज सम्मेलन के दूसरे दिन कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और जर्मनी के चांसलर फ़्रीडरिख मर्ज ने यूक्रेन युद्ध और गाजा की स्थिति पर गहन चर्चा की. दोनों नेताओं ने संयुक्त बयान में कहा कि यूक्रेन से जुड़े किसी भी समझौते में कीव की भागीदारी और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित होना आवश्यक है. गाजा पर उन्होंने कॉम्प्रीहेंसिव पीस प्लान का समर्थन किया और बड़े पैमाने पर मानवीय सहायता को गाजा में एंट्री देने पर जोर दिया. इसके अलावा कनाडा और जर्मनी ने महत्वपूर्ण खनिजों, साफ ऊर्जा, एआई, एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र में गहरी साझेदारी पर भी बात की.

जोहनसबर्ग में आयोजित त्र20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हिस्सा

ले रहे हैं. वे इस दौरान कई द्विपत्रक्षीय मुलाकातें कर रहे हैं. उन्होंने ङ्ग पर लिखा कि त्र20 नेताओं के साथ वैश्विक प्रगति और समृद्धि के प्रति हमारी प्रतिबद्धता मजबूत है. वहीं विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि क्क्रमोदी ने यहां वन अर्थ, वन फैमिल, वन विजन पर आधारित पहले सत्र में चार महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे. यह उनका 12वां त्र20 समिट है.

ऑस्ट्रेलिया-कनाडा के साथ त्रिपक्षीय टेक्नोलॉजी समझौता

पीएम मोदी ने यहां ऑस्ट्रेलिया और कनाडा के साथ मिलकर भारत के त्रिपक्षीय समझौते की नींव रखी. शनिवार को हुई एक मुलाकात के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये बताया कि हमें ये बताते हुए खुशी हो रही है कि तीनों देश तकनीक, आविष्कार और पार्टनरशिप के मोर्चे पर साथ हैं. इस तरह से हम तीन महाद्वीपों के तीन डेमोक्रैटिक पार्टनर्स सप्लाई चेन, क्लीन एनर्जी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में एक साथ आए हैं.

नशे और आतंकवाद से लड़ने पर जोर

खुले सत्र को संबोधित करते हुए क्क्र मोदी ने वैश्विक विकास लक्ष्यों की पुनर्समीक्षा की जरूरत बताई. उन्होंने ड्रग-टेरर नेक्सस से निपटने के लिए G20 के भीतर एक नई पहल की भी मांग की, ताकि दुनिया भर में नशीली दवाओं के नेटवर्क और आतंकवाद की आर्थिक सहायता पर कड़ा प्रहार किया जा सके. PM मोदी ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा को इस महत्वपूर्ण समिट की मेजबानी के लिए धन्यवाद दिया.

आगे गलती की तो ऑपरेशन सिंदूर से भी बुरे होगा परिणाम, लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कटियार की दुश्मन को चेतावनी

भारतीय सेना 'राम प्रहार' अभ्यास से दुश्मन को कड़ा जवाब देने की तैयारी में है. पश्चिमी कमान के लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने साफ किया है कि यदि दुश्मन ने कोई गलत हरकत की, तो इस बार पहले से भी सख्त प्रतिक्रिया मिलेगी.

एजेंसी

भोपाल। पाकिस्तान को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बड़ा सबक मिला था. साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ किया था कि पाकिस्तान अगर आगे कोई ऐसी हरकत करता है, तो उसे और खतरनाक परिणाम भुगतने होंगे. एक बार फिर भारतीय सेना ने साफ कर दिया है कि अगर दुश्मन किसी भी गलत हरकत की हिम्मत करता है, तो इस बार जवाब पहले से कहीं ज़्यादा सख्त होगा.

वेस्टर्न कमांड के चीफ लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कहा कि मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर से दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचा है और अब 'एक्सरसाइज राम प्रहार' इसी कड़े जवाब की तैयारी है. जिससे जाहिर हो रहा है कि भारत पाकिस्तान की अगली हरकत का खतरनाक जवाब देने वाला है.

अगला जवाब और सख्त होगा

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में लेफ्टिनेंट जनरल कटियार ने कहा, ÷हम जानते हैं कि दुश्मन कुछ भी कर सकता है, जिसके लिए हमें दूसरा ऑपरेशन शुरू करना पड़े. लेकिन हमारी लीडरशिप ने जो कहा है, मैं उसे दोहराता हूं, अगर दुश्मन ने गलत किया, तो हमारा जवाब पहले से कहीं ज़्यादा सख्त होगा. राम प्रहार अभ्यास इसी जवाब की तैयारी है. उन्होंने हरिद्वार के पास हुए इस बड़े सैन्य अभ्यास की सफलता के लिए मां गंगा का आशीर्वाद भी मांगा.

स्वदेशीकरण अभियान से बढ़ रही सेना की ताकत

सेना ने शुक्रवार को एक और बड़ी उपलब्धि का ऐलान किया है. ईयर ऑफ टेक्नोलॉजी अब्जॉर्प्शन के तहत, सेना विदेशी हथियारों पर अपनी निर्भरता कम करने में बड़ी सफलता पा रही है.

अब तक 60 से ज्यादा बड़े हथियारों के हिस्सों और 1050 से ज्यादा स्पेयर पार्ट्स का देश में ही निर्माण किया जा चुका है. इसके अलावा 1035 नए हिस्से और 3517 स्पेयर पार्ट्स भी देश में बनाए गए हैं. यह कदम भारत को रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगा, जिसकी मदद से भारत अपने रक्षा निर्माण के लिए पश्चिमी और रूस जैसे देशों पर निर्भर नहीं रहेगा.

क्या पता कल सिंध भारत में फिर वापस आ जाए, पाकिस्तान को राजनाथ सिंह का सख्त संदेश, बॉर्डर कभी भी बदल सकता है

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली. रक्षा मंत्र राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को सख्त संदेश देते हुए कहा कि बॉर्डर कभी भी बदल सकता है और संभव है कि सिंध भारत में फिर वापस आ जाए. वह रविवार को सिंधी समुदाय के एक कार्यक्रम में बोल रहे थे. उन्होंने कहा, ÷भारत के विभाजन के कारण सिंधु नदी का एक बड़ा हिस्सा आज पाकिस्तान में चला गया है. पूरा सिंध प्रांत ही आज पाकिस्तान में है. मगर इसका अर्थ यह नहीं है कि सिंधु, सिंध और सिंधी समाज का महत्व हमारे लिए आज कम हो गया है. हमारे लिए उनका महत्व आज भी उतना है जितना हज़ारों साल से रहा है.

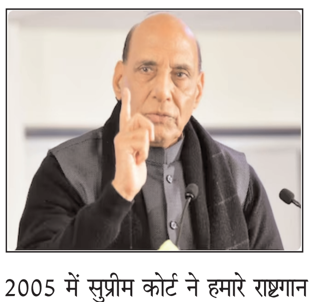

राजनाथ सिंह ने आगे कहा, यही कारण है कि साल 2005 में सुप्रीम कोर्ट ने हमारे राष्ट्रगान से सिंध शब्द निकालने की याचिका को ख़ारिज करते हुए कहा था कि सिंध शब्द केवल एक भौगोलिक स्थान से जोड़ कर नहीं देखा जाना चाहिये क्योंकि यह शब्द भारत और सिंधी समाज की सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा हुआ है. रक्षा मंत्री ने सिंधी समाज को भारत की सांस्कृतिक पहचान और अस्मिता का प्रतीक बताया और कहा, आज हम जब सिंधी समाज की बात करते हैं, तो हम केवल एक समुदाय की बात नहीं करते, बल्कि एक ऐसी विरासत की बात करते हैं, जो सनातन का अटूट हिस्सा है.

अब 11 की जगह होंगे 13 जिले, सब-डिविजन की भी बढ़ेगी संख्या... दिल्ली में बड़े प्रशासनिक बदलाव की तैयारी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की प्रशासनिक संरचना को अधिक सुचारू, संवेदनशील और आधुनिक बनाने के लिए दिल्ली सरकार एक व्यापक बदलाव की तैयारी में है. आने वाले समय में दिल्ली का राजस्व ढांचा पूरी तरह बदल जाएगा. मौजूदा 11 राजस्व जिलों की जगह 13 जिले बनाए जाएंगे, जबकि सब-डिवीज़नों की संख्या 33 से बढ़ाकर 39 की जाएगी. सरकार का दावा है कि इस पुनर्गठन से आम लोगों को प्रशासनिक सेवाओं तक बेहतर और त्वरित पहुंच मिलेगी.

यह प्रस्ताव दिल्ली कैबिनेट से सिद्धांत रूप में मंजूर हो चुका है और अब अंतिम स्वीकृति के लिए उपराज्यपाल के पास भेजा जाएगा. मंजूरी मिलते ही दिल्ली का प्रशासनिक नक्शा आधिकारिक रूप से बदल जाएगा.

क्यों जरूरी पड़ा दिल्ली का प्रशासनिक पुनर्गठन?

पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली की जनसंख्या, शहरी विस्तार और सरकारी सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ी है. मौजूदा जिलों में जनसंख्या का दबाव असमान है, कुछ जिलों में काम का बोझ इतना अधिक है कि नियुक्तियां और प्रमाणपत्रों जैसे साधारण कार्यों में भी लोगों को लंबा समय लग जाता है.

सरकार का कहना है कि नए जिलों और सब-डिवीज़नों से:

- लोगों के सरकारी दफ्तरों तक पहुंचने का समय कम होगा
- भीड़ कम होने से सेवाएं तेज़ी से मिलेंगी
- विभागीय कामकाज लोक-केंद्रित और प्रभावी होगा
- प्रशासनिक जवाबदेही बढ़ेगी

इसके साथ ही सरकार योजना बना रही है कि हर जिले में ÷मिनी सचिवालय÷ विकसित किया जाए, जहां पुलिस को छोड़कर लगभग सभी विभागों का काम एक ही इमारत में हो. इससे नागरिकों को कई स्थानों पर बार-बार जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी.

कैसे बदलेगा दिल्ली का नक्शा?

नए जिलों का ढांचा दिल्ली नगर निगम के 11 जोन पर आधारित होगा. कई जिलों का नाम बदलेगा और कुछ का स्वरूप पूरी तरह नया होगा. यमुना पार स्थित पूर्वी और उत्तर-पूर्वी जिलों को भंग करके दो नए जिले बनाए जाएंगे- शाहदरा उत्तर और शाहदरा दक्षिण.

पुराने उत्तरी जिले को भी दो हिस्सों में बांटा जाएगा-सिविल लाइंस और पुरानी दिल्ली. दक्षिण-पश्चिम जिले का बड़ा हिस्सा नए नजफगढ़ जिले में शामिल किया जाएगा.

कर्नाटक: सिद्धारमैया की खरगे से मुलाकात... राज्य में सत्ता परिवर्तन पर क्या बोले सीएम?

एजेंसी

नई दिल्ली. कर्नाटक में सिद्धारमैया सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद से ही सत्ता की कमान के बदलाव पर चर्चाएं शुरू हुईं. हालांकि, कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष रणदीप सुरजेवाला ने इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया था. लेकिन, इसी बीच मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से उनके घर पर मुलाकात की है. इनकी मुलाकात के बाद फिर से खींचातानी शुरू हो गई है. हालांकि, सिद्धरमैया ने खरगे के साथ अपनी मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया. उन्होंने राज्य में चल रही नेतृत्व बदलाव की बात को भी खारिज कर दिया.

दरअसल, सिद्धरमैया और उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर खींचतान चल रही है. मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वह अपने पद पर बने रहेंगे और भविष्य में राज्य का बजट भी पेश करेंगे. उनकी इस बात पर शिवकुमार ने उन्हें ऑल द बेस्ट कहकर जवाब दिया. सिद्धरमैया ने खरगे से मुलाकात के बाद मीडिया से कहा कि यह शिष्टाचार भेंट थी. हालांकि, इस दौरान हमने संगठन और बेंगलुरु महानगरपालिका सहित अगामी स्थानीय निकाय चुनावों पर भी चर्चा की.

लोगों को लगा कि जंगल राज वापस आ जाएगा; प्रशांत किशोर ने गिनाए जन सुराज की हार के कारण

एजेंसी

बिहार । जन सुराज के संस्थापक और पूर्व चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी नवगठित पार्टी की करारी हार के बाद पहली बार चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों को लालू यादव और आरजेडी के 'जंगलराज' की वापसी का डर सताने लगा, इसलिए उनकी पार्टी हार गई। इसके साथ ही उन्होंने चुनाव में धांधली का भी आरोप लगाया, हालांकि उन्होंने यह स्वीकार किया कि उनके

रहा। अधिकांश उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई।

इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू के दौरान प्रशांत किशोर ने दावा किया कि उनके द्वारा महीनों लंबी 'जन सुराज यात्रा के दौरान जुटाए गए फीडबैक से मतदान के रुझान मेल नहीं खाते हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ गलत हुआ है। पीके ने कहा, कुछ अजेय शक्तियां काम कर रही थीं। जिन पार्टियों को लोग बमुश्किल जानते थे, उन्हें भी लाखों वोट मिले।

उन्होंने स्वीकार किया, ÷कुछ लोग मुझसे कह रहे हैं कि मैं अपनी आवाज

क्या हिलने वाली है भारत की ऑयल सप्लाई, रूसी तेल पर अमेरिकी बैन ने टेंशन बढ़ाई

पश्चिमी प्रतिबंध और यूरोपीय मांग में कमी के कारण रूस से तेल भारी छूट पर उपलब्ध हुआ. परिणामस्वरूप, भारत का रूसी कच्चा तेल आयात कुल आयात का एक प्रतिशत से बढ़कर लगभग 40

एजेंसी

अमेरिका. रूसी कच्चे तेल के प्रमुख इंपोर्टर्स पर अमेरिका के नए बैन पूरी तरह लागू होने के बाद एनर्जी मार्केट से जुड़े विश्लेषकों का मानना है कि भारत में रूसी तेल का इंपोर्ट निकट भविष्य में तेजी से घटेगा, हालांकि यह पूरी तरह बंद नहीं होगा. रॉसनेफ्ट और लुकोइल तथा उनकी बहुलांश स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों पर अमेरिकी बैन 21 नवंबर से लागू हो गए. इससे अब इन कंपनियों

क्योंकि रिफाइनरी सस्ते तेल की खरीद को अधिकतम कर रहे हैं. आगे चलकर दिसंबर और

फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद रूस से अपने तेल आयात में काफी वृद्धि की.

पश्चिमी प्रतिबंध और यूरोपीय मांग में कमी के कारण रूस से तेल भारी छूट पर उपलब्ध हुआ. परिणामस्वरूप, भारत का रूसी कच्चा तेल आयात कुल आयात का एक प्रतिशत से बढ़कर लगभग 40 प्रतिशत तक पहुंच गया. नवंबर में भी रूस भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बना रहा, जो कुल आयात का लगभग एक तिहाई है.

सीएम स्टालिन कल कोयम्बटूर में सम्मोझी पूंगा पार्क का करेंगे उद्घाटन

कोयम्बटूर (एजेंसी)। साल 2010 में विश्व शास्त्रीय तमिल सम्मेलन के दौरान दिवंगत द्रमुक नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने इस पार्क के स्थापना की घोषणा की थी। इसके बाद दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस पार्क के शिलान्यास समारोह में भाग लिया था। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में रविवार को कहा गया कि मुख्यमंत्री स्टालिन अब 25 नवंबर को पार्क का उद्घाटन करेंगे। इसी दिन से पार्क को आम जनता के लिए भी खोल दिया जाएगा। इसके बाद सीएम स्टालिन कोयंबटूर में आयोजित टीएन राइजिंग कॉन्क्लेव में भी हिस्सा लेंगे। इसमें विभिन्न कंपनियों के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद जताई गई है। इसी के साथ ही जारी विज्ञप्ति में बताया गया है, कि मुख्यमंत्री स्टालिन 26 नवंबर को इरोड में एक सरकारी समारोह में भाग लेंगे। इस दौरान सीएम स्टालिन पूरी हो चुकी अनेक परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे।

आरजीआई एयपोर्ट पर बम की धमकी निकली अफवाह

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम रखे होने धमकी जांच के बाद अफवाह निकली। दरअसल एयरपोर्ट पर बम रखे होने संबंधी एक ईमेल मिला था, जिसके बाद जांच की गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि हवाई अड्डे के ग्राहक सेवा विभाग को शुक्रवार को एक बम वाला ईमेल मिला था। इस ईमेल में कहा गया था, कि हवाई अड्डे के आगमन इलाके में बम फटेगा। इस ईमेल के माध्यम से संबंधित जगह की जांच करने और यात्रियों को हवाई अड्डा खाली करने का सुझाव देने को भी कहा गया था। पुलिस के अनुसार जांच करने के बाद बम की धमकी अफवाह साबित हुई।

एयरपोर्ट परिसर में दो बार लेपर्ड देखा गया, निगरानी बढ़ाई

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे हवाई अड्डा परिसर में एक ही दिन में दो बार तेंदुआ देखे जाने की बात सामने आई है, जिसके बाद अधिकारियों ने परिसर इलाके की निगरानी बढ़ा दी है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने उक्त जानकारी शनिवार को देते हुए बताया कि सप्ताह के प्रारंभ में एक ही दिन में दो बार लेपर्ड देखे जाने की सूचना मिली थी। इसी के साथ ही आधिकारिक बयान में बताया गया, कि हवाई अड्डा के अधिकारियों ने वन विभाग को इसकी जानकारी दी, कि जानवर को सबसे पहले 19 नवंबर को सुबह करीब 5.30 बजे और बाद में शाम करीब 7.40 बजे देखा गया था। इस पर वन विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि तेंदुआ पकड़ने के लिए संबंधित जगह पर एक पिंजरा लगाया गया है। इसके साथ ही जंगली जानवर की गतिविधि पर नजर रखने के लिए कैमरे भी लगाए गए हैं। फिलहाल इससे ज्यादा कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है, देखे जाने या पकड़े जाने के बाद ही अन्य जानकारी दी जा सकेगी।

सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को पकड़ा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबंधित पीपल्स लिबरेशन आर्मी के एक सक्रिय सदस्य को शनिवार को काकचिंग जिले में एक जांच चौकी पर पकड़ा, जबकि उसी दिन बिष्णुपुर जिले के मोइरंग कोंजेंगबाम से संगठन के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को टेंग्नौपाल जिले के मोरेह गेट से प्रतिबंधित पीआरईपीएके के एक सक्रिय सदस्य को भी गिरफ्तार किया था। केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक और सदस्य को इंफाल पश्चिम जिले के युमनाम हुइड्रोम में उसके घर से पकड़ा था। उन्होंने कहा कि इन उग्रवादियों के पास से राइफल और पिस्तौल समेत हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये गिरफ्तारियां राज्य में जबरन वसूली और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर संचालित खुफिया जानकारी पर आधारित छानबीन, घेराबंदी और तलाशी अभियान के तहत की गईं।

मेट्रो स्टेशन के पास लगी आग से मचा हड़कंप, जाम लगने से लोगों को हुई भारी परेशानी

नोएडा (एजेंसी)। शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के पास शनिवार शाम अचानक आग लगने की घटना से हड़कंप मच गया। आग लगने के कारण सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते कुछ ही मिनटों में भीषण ट्रैफिक जाम लग गया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार शनिवार शाम लगभग 7 बजे सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के पास से गुजर रही एक स्कॉर्पियो कार के बोनट से अचानक धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग भड़क गई। सड़क पर चल रहे वाहन पर अचानक लगी आग को देखकर आसपास मौजूद लोग घबरा गए और वाहन चालकों ने अपनी गाड़ियां बीच सड़क पर ही रोक दीं, जिससे ट्रैफिक रुक गया और लंबा जाम लग गया।

अग्निशमन विभाग ने मौके पर पहुंचकर बुझाई आग

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। सीएफओ प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि टीम ने एक फायर टेंडर की मदद से आग पर तुरंत काबू पा लिया। उन्होंने कहा, कार के बोनट में आग लगी थी। हमारी टीम मौके पर पहुंची और तुरंत उसे बुझा दिया। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई। आग बुझाने के बाद सड़क से कार हटाई गई और यातायात फिर से सामान्य किया गया। लगभग आधे घंटे तक जाम से जूझने के बाद राहगीरों ने राहत महसूस की।

महाराष्ट्र में लूट करने वाले तीन आरोपी कर्नाटक से गिरफ्तार, लाखों का माल बरामद

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक मकान में घुसकर लूटपाट करने के आरोप में पुलिस ने कर्नाटक से तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 10 लाख रुपए मूल्य के आभूषण और अन्य सामान बरामद किए हैं। अधिकारियों ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना 18 नवंबर को वसई इलाके के सातीवली स्थित एक मकान में घटी थी।

अगर आपके पास वोट हैं, तो मेरे पास फंड, हमें रिजेक्ट करोगे तो हम भी...

-डिप्टी सीएम अजित पवार के पंचायत चुनाव में दिए बयान पर सियासत गरमाई

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के मालेगांव में पंचायत चुनाव प्रचार के दौरान दिए बयान पर सियासत गरमा गई है। दरअसल अजित पवार ने एक रैली में वोटर्स से कहा था कि अगर आपके पास वोट है, तो मेरे पास फंड है। विपक्ष ने इसे लेकर चुनाव आयोग से सवाल पूछा है।

बता दें अजित पवार ने कहा था कि अगर जनता उनकी पार्टी के उम्मीदवार को चुनेंगे तो वे शहर में फंड की कोई कमी नहीं होने देंगे, लेकिन यदि वे उन्हें रिजेक्ट करते हैं, तो वे भी रिजेक्ट कर देंगे। आपके पास वोट हैं, मेरे पास फंड है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख अजित पवार शुक्रवार को बारामती तहसील में मालेगांव नगर पंचायत चुनाव के लिए प्रचार कर रहे थे। पवार महाराष्ट्र सरकार में वित्त मंत्री भी हैं।

शिवसेना (यूबीटी) नेता अंबादास दानवे ने अजित पवार पर मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि फंड आम लोगों के टैक्स से आता हैं, न कि अजित पवार के घर से। अगर पवार जैसे नेता वोटर्स को धमका रहे हैं, तो चुनाव आयोग क्या कर रहा है?÷ नगर पंचायत चुनाव 2 दिसंबर को होना हैं। अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी और बीजेपी समर्थित पैनल ने मालेगांव में गठबंधन किया है। मालेगांव बारामती का वह इलाका है, जहां अजित पवार परिवार का राजनीतिक प्रभाव है।

बता दें इससे पहले भी 26 सितंबर को अजित पवार मराठवाड़ा के धाराशिव में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने पहुंचे थे। यहां पर उनका किसानों से बातचीत का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे कर्ज माफी की मांग पर गुस्सा करते नजर आ रहे हैं। जब एक किसान ने कर्ज माफी की मांग की तो डिप्टी सीएम अजित पवार ने गुस्से में कहा था- इसे मुख्यमंत्री बना दो ! क्या तुम्हें लगता है कि हम कंचे खेलने आए हैं?

ईडी ने झारखंड-पश्चिम बंगाल में मारे छापे, 14 करोड़ नकदी व सोना जब्त

-कोयला घोटाले को लेकर एजेंसी ने दोनों राज्यों में 44 ठिकानों की ली तलाशी

रांची (एजेंसी)। ईडी ने झारखंड और पश्चिम बंगाल में एक कथित कोयला माफिया नेटवर्क के खिलाफ तलाशी में 14 करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी और सोना जब्त किया है। इस मामले में ईडी ने बयान में कहा कि कोयले के बड़े पैमाने पर अवैध खनन, चोरी, परिवहन, भंडारण और बिक्री के मामले में दोनों राज्यों में 44 ठिकानों पर छापे मारे गए थे। ईडी से मिली जानकारी के मुताबिक छापे में करीब 14 करोड़ रुपए से जयादा की नकदी, आभूषण और सोना, कोयला गिरोह से जुड़े अलग-अलग प्रॉपर्टी के दस्तावेज और जमीन की खरीद-बिक्री से संबंधित समझौते, कई डिजिटल उपकरण, नेटवर्क द्वारा नियंत्रित संस्थाओं के खाता बही आदि जब्त किए हैं। एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने के लिए दोनों राज्यों में पुलिस द्वारा दर्ज की गई कई एफआईआर का संज्ञान लिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी ने बताया कि एफआईआर से संकेत मिलता है कि झारखंड और पश्चिम बंगाल में एक विशाल अवैध कोयला आपूर्ति नेटवर्क चल रहा है। ईडी ने कहा कि तलाशी में जब्त किए गए दस्तावेज और दूसरे रिकॉर्ड से एफआईआर में लगाए गए आरोपों की पुष्टि हुई है। इन दस्तावेजों से स्थानीय अधिकारियों की मदद से चल रहे एक ऑर्गनाइज़्ड रैकेट का भी पता चला है। ईडी की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि यह सिंडिकेट पश्चिम बंगाल और झारखंड के बॉर्डर इलाकों में सक्रिय है और इसने क्राइम से बहुत कमाई की है।

क्या जानलेवा बन रहा एसआईआर? अब तक कई राज्यों के करीब 15 बीएलओ की मौत

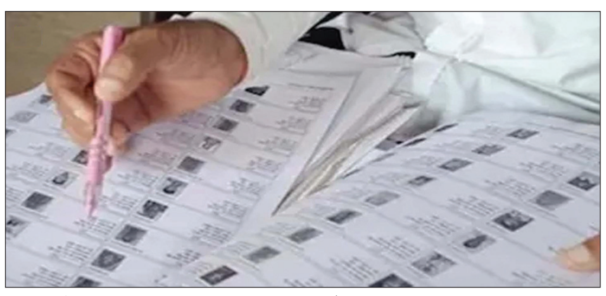

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) अभियान के बीच बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) की मौतें चिंता का कारण बन रहीं हैं। सवाल ये है कि अब 6 राज्यों में 15 बीएलओ की मौत हो गई है। कारण जो भी रहे हों लेकिन मौत तो हुई है। इन काम का दबाव और कर्मचारियों का टोटा जैसे दिक्कतों से इनकार नहीं किया जा सकता है। बता दें कि निर्वाचन आयोग की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार बड़े राज्यों में राजस्थान में सर्वाधिक 60.54 प्रतिशत फॉर्म डिजिटलाइज हुए हैं। वहीं, केरल में सबसे कम 10.58 प्रतिशत फॉर्म डिजिटल हो पाए हैं। कुल 98.98 प्रतिशत फॉर्म बंट चुके हैं।

विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल के नदिया में बीएलओ रिंकू का शव घर की छत से लटका मिला। सुसाइड नोट भी मिला। राज्य में एसआईआर से जुड़ा दूसरा सुसाइड, तीसरी मौत है। राजस्थान के जयपुर में रविवार को बीएलओ मुकेश जांगिड़ (48) ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी। करौली में बीएलओ की मौत। सवाई माधोपुर में एक बीएलओ को हार्ट अटैक। गुजरात में 4 दिन 4 बीएलओ की मौत अहमदाबाद में फारूक और दाहोद में बचूभाई बीमार, भर्ती होकर उपचार करा रहे हैं। भोपाल में दो बीएलओ को हार्ट अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। पश्चिम बंगाल में एक महिला बीएलओ ने भी आत्महत्या कर ली। मृतकों के परिजनों ने ज्यादा काम और लक्ष्य पूरा करने के दबाव को मौत का कारण बताया है। मप्र के रायसेन में शनिवार को बीएलओ रमाकांत पांडे की मौत हुई। परिजनों ने बताया कि योगेश चार रातों से नहीं सोया था। ऑनलाइन मीटिंग के बाद बेहोश होकर गिरा था। फिर बचाया नहीं जा सका। दमोह के सीताराम गोंड (50) भी फॉर्म भरते समय बीमार। इलाज के दौरान मौत। रायसेन के बीएलओ नारायण सोनी छह दिन से लापता हैं। परिजनों ने कहा, टारगेट, देर रात मीटिंग और निलंबन की चेतावनी से परेशान थे। भोपाल में शनिवार को काम कर रहीं बीएलओ कीर्ति कौशल और मोहम्मद लईक को ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक आया। दोनों भर्ती हैं। 6 नवंबर को दमोह में सड़क हादसे में श्याम शर्मा (45) की मौत। दतिया के उदयभान सिहारे (50) ने 11 नवंबर को खुदकुशी की।

बिहार हार को लेकर पीके बोले- ईवीएम हेरफेर के प्रमाण नहीं पर कुछ तो गड़बड़ हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद जन सुराज के संस्थापक और चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) ने पहली बार खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जनता में जंगल राज की वापसी को लेकर फैली आशंका और कुछ छिपे हुए कारक उनकी पार्टी की हार की बड़ी वजह बने। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि उनके आरोपों के समर्थन में ठोस सबूत नहीं हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान पीके ने कहा, कि चुनाव के अंतिम चरण में बड़ी संख्या में मतदाताओं ने मान लिया कि जन सुराज जीतने की स्थिति में नहीं है, और उन्हें डर था कि वोट बंटने से लालू यादव के पुराने जंगल राज की वापसी हो सकती है। पीके ने कहा, अगर लोग सोचते हैं कि हमारा वोट किसी तरह आरजेडी की वापसी का मार्ग खोल देगा, तो वे जोखिम नहीं लेना चाहते। यह डर हमारे खिलाफ गया।

238 सीटों पर उतारे थे प्रत्याशी, जीता एक भी नहीं

बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 238 पर उम्मीदवार उतारने के बावजूद जन सुराज एक भी सीट नहीं जीत सकी। अनुमानित वोट शेयर 2-3 प्रतिशत के बीच रहा और अधिकांश उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। ऐसे में पीके ने कहा, उनकी 18 महीने लंबी 'जन सुराज यात्रा' के दौरान मिला जनमत परिणामों से बिल्कुल मेल नहीं खाता।

उन्होंने कहा, कुछ ऐसा हुआ है जो समझ से परे है। जिन पार्टियों को लोग मुश्किल से जानते थे, उन्हें भी लाखों वोट मिले। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि यह संदेह मात्र है, सबूत नहीं।

कुछ तो गलत हुआ

प्रशांत किशोर ने कहा, कि कुछ लोग उन्हें ईवीएम में हेरफेर का आरोप लगाने को कह रहे, लेकिन वे ऐसा दावा बिना सबूत के तो नहीं कर सकते हैं। इसके मेरे पास कोई प्रमाण नहीं है। लेकिन प्रथम दृष्टया कुछ तो गड़बड़ लगता है, पर क्या- यह नहीं पता।

दिल्ली बम विस्फोट: जैश मॉड्यूल में गहरे वैचारिक और वित्तीय मतभेद हुए उजागर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लाल किला के पास 10 नवंबर 2025 को हुए कार बम विस्फोट की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि जैश-ए-मोहम्मद के इस आतंकी मॉड्यूल के भीतर विचारधारा, हमले की रणनीति और धन के उपयोग को लेकर गहरी फूट थी। आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी और बाकी सदस्यों के बीच मतभेद इतने गहरे थे कि उमर ने अक्टूबर में अपने साथी अदील राथर की शादी में भी शामिल होने से इनकार कर दिया था। जांच एजेंसियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मुजम्मिल गनई, अदील राथर और मुफ्ती इरफान वागे अल-कायदा की विचारधारा से प्रभावित थे, जो पश्चिमी देशों और दूर के दुश्मनों पर हमले को प्राथमिकता देती है। वहीं डॉ. उमर उन नबी आईएसआईएस की कट्टर विचारधारा की ओर झुके हुए थे। उनका मानना था कि पहले करीबी दुश्मन (भारत) को निशाना बनाना चाहिए और खिलाफत स्थापित करना ही सर्वोच्च लक्ष्य है।

उमर खुद को कश्मीर के कुख्यात आतंकियों बुरहान वानी और जाकिर मूसा की विरासत का उत्तराधिकारी मानता था। यही वैचारिक टकराव मॉड्यूल की एकता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया था। समूह के अधिकांश सदस्य (वागे को छोड़कर) पहले अफगानिस्तान जाकर प्रशिक्षण लेना चाहते थे, लेकिन असफल रहे। इसके बाद उन्होंने भारत में ही बड़ा हमला करने का फैसला किया। डॉ. उमर 2023 से ही इंटरनेट पर आईईडी बनाने की तकनीक पर गहन रिसर्च कर रहा था और फरीदाबाद में किराए के मकान में रसायनों के साथ प्रयोग करता था। मॉड्यूल को मिले फंड को लेकर भी तीखी नोंक-झोंक थी। उमर पर धन के दुरुपयोग का आरोप था। जांच में पता चला है कि मुख्य वित्तीय सहायता अल फलाह विश्वविद्यालय की छात्रा शाहीन शाहिद अंसारी ने की थी, जो मुजम्मिल गनई की सहपाठी थी। शाहीन ने कथित तौर पर संगठित क्राउडफंडिंग से करीब 20 लाख रुपये जुटाए थे। वह जैश की महिला भर्ती शाखा 'जमात-उल-मोमिनात' से जुड़ी थी और फरीदाबाद ऑपरेशन के लिए धन व संसाधन जुटाने में अहम भूमिका निभा रही थी।

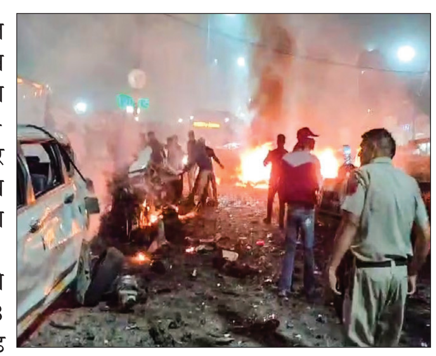

अक्टूबर में मुफ्ती इरफान वागे की गिरफ्तारी के बाद उमर ने 18 अक्टूबर को कश्मीर के काजीगुंड में बाकी सदस्यों से मुलाकात की। इस बैठक में उसने अपने साथियों को अपनी आईएसआईएस-प्रेरित रणनीति पर सहमत करने की कोशिश की और कथित तौर पर सफल भी रहा। ठीक तीन सप्ताह बाद दिल्ली में विस्फोट हो गया। वागे की गिरफ्तारी से पुलिस को पूरे मॉड्यूल तक पहुंच मिली। फरीदाबाद से 2900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद हुई, जिसमें उच्च क्षमता वाले विस्फोटक, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, रिमोट कंट्रोल और प्रज्वलन उपकरण शामिल थे। उमर और गनई दोनों के पास उस कमरे की चाबियां थीं जहां यह सामग्री छिपाई गई थी। यह मामला दर्शाता है कि आतंकी संगठन कितने भी संगठित दिखें, उनके अंदर वैचारिक और व्यक्तिगत मतभेद उन्हें कमजोर करते हैं। फिर भी, ये मतभेद आम नागरिकों की जान लेने से उन्हें नहीं रोक पाते।

मौर्य बोले- अगला नंबर पश्चिम बंगाल में ममता दीदी और फिर यूपी में अखिलेश का

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत से खासे खुश उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ऐसा कुछ कह दिया है, जिसकी चर्चा चारों ओर हो रही है। दरअसल मौर्य का कहना है, कि बिहार के बाद अब अगला नंबर ममता दीदी जी और फिर सपा बहादुर अखिलेश यादव का है।

दरअसल समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक दिन पहले ही भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग पर साजिश रचने का आरोप लगाया था, जिसके बाद रविवार को डिप्टी सीएम मौर्य ने संकेत दिया, कि अगले चुनावों में पश्चिम बंगाल और फिर उत्तर प्रदेश में महागठबंधन को पराजय का सामना करना पड़ेगा। मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेट्फार्म 'एक्स' में एक पोस्ट करते हुए कहा, कि बिहार चुनाव के दरम्यान खुद गोता लगाने के साथ राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को लपेटे में लेकर महागठबंधन का भविष्य भी लिख दिया। अब अगला नंबर ममता दीदी जी (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) और फिर सपा बहादुर अखिलेश यादव का है।

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के सह प्रभारी रहे डिप्टी सीएम मौर्य की इस पोस्ट को लेकर अब राजनीतिक गलियारे में जोर-शोर से चर्चा शुरु हो गई है। इसके बहाने एक बार फिर केंद्र और चुनाव आयोग निशाने पर आ गए हैं। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने दो तिहाई बहुमत से जीत हासिल कर सभी को चौंका दिया। ऐसे में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा, कि भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग मिलकर साजिश के तहत उन विधानसभा क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बहाने 50 हजार से अधिक वोट काटने की तैयारी कर रहे हैं, जहां 2024 में लोकसभा चुनाव में सपा और इंडिया गठबंधन ने जीत हासिल की थी। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने दावा किया कि उन्हें जानकारी हासिल हुई है कि उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में जीत पक्की करने भाजपा ने निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर बड़ी तैयारी की हुई है।

जबलपुर में छात्र के जय श्रीराम बोलने पर पिटाई, हिंदू संगठनों ने किया हंगामा

-स्कूल पर मिशनरी संस्कृति को बढ़ावा देने के आरोप

जबलपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक छात्र के जय श्रीराम बोलने पर छात्र को पीटने के आरोप स्कूल पर लगे हैं। घटना को लेकर हिंदू संगठन और परिजनों ने स्कूल पहुंचकर हंगामा किया और नारेबाजी की। छात्र का आरोप है कि पहले भी उसको कलावा पहनने पर टीचर ने पीटा था। पुलिस ने जांच कर उचित कार्यवाही की बात कही है। वहीं हिंदू संगठनों ने स्कूल पर मिशनरी संस्कृति को बढ़ावा देने के आरोप लगाया है।

घटना जबलपुर जिले के पाटन तहसील के एक मिशन स्कूल की बताई जा रही है। छात्र प्रबल सिंह राठौर का आरोप है कि उसने स्कूल के गार्ड को जय श्रीराम बोलते हुए गेट के अंदर जैसे ही कदम रखा एक शिक्षक ने उससे पूछा कि यह क्या तरीका है। इसके साथ ही टीचर ने छात्र की पिटाई कर दी और उसे आगे से गुड मॉर्निंग कहने को कहा। यह जानकारी लगते ही हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ बच्चे के परिजन ने स्कूल घेर लिया और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। करीब आधे घंटे तक थाने में हंगामा होता रहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले को लेकर स्कूल के प्राचार्या का कहना है कि छात्र को समझाइश देने के रूप में पीटा गया है। इसका उद्देश्य गलत नहीं था। विवाद बढ़ता देख पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और संचालक के खिलाफ शिकायत मिलने पर जांच की बात कही। इसके बाद हिंदू संगठन के कार्यकर्ता और बच्चे के परिजन पाटन थाने पहुंचे और संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। पाटन थाना प्रभारी ने कहा कि 8वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र प्रबल सिंह के साथ हिंदू संगठन के कुछ कार्यकर्ता आए थे। पूछताछ में बच्चे ने बताया कि स्कूल संचालक ने जय श्रीराम कहने पर उसकी पिटाई कर दी। मिली शिकायत पर जांच शुरू कर दी गई है। मामले में स्कूल के प्राचार्य ने कहा कि छात्र को मारने का उद्देश्य नहीं था। प्रबल का बोलने का तरीका ठीक नहीं था। इस वजह से स्कूल संचालक ने उसे डांटा जिस तरह से जय श्रीराम नाम को लेकर मुद्दा बनाया जा रहा है यह ठीक नहीं है।

उत्तराखंड-हिमाचल में नवंबर की पहली बर्फबारी: बर्फ से ढका बद्रीनाथ धाम, जमी झील

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम ने करवट ली है। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम में इस सीजन की पहली बर्फबारी हुई। पूरी ऊंचाई वाला मंदिर परिसर बर्फ की मोटी सफेद चादर से ढक गया। तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। चमोली की ही ऊंचाई वाली शेषनेत्र झील पूरी तरह जम गई है। वहीं पिथौरागढ़ जिले के 14,500 फीट पर स्थित आदि कैलाश क्षेत्र में भी भारी बर्फबारी दर्ज की गई, जिससे ओम पर्वत सहित सभी पवित्र झीलें जम गईं। बर्फ से ढके मनोरम दृश्य देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक पहुंच रहे हैं।

इधर, राजस्थान में लगातार सता रही कड़ाके की ठंड को एक सप्ताह बाद ब्रेक लगा है। शुक्रवार को अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, जिससे कई जगहों पर पारा सिंगल डिजिट से डबल डिजिट में पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो सप्ताह तक तापमान में कोई बड़ी गिरावट की संभावना नहीं है। हालांकि उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण सुबह-शाम घना स्मॉग छा रहा है, जिससे दिन की धूप कमजोर पड़ गई है। वहीं मध्य प्रदेश में ठंड ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पिछले दो दिनों में कड़ाके की सर्दी से दो लोगों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को भोपाल, इंदौर सहित सात जिलों में शीतलहर चल रही है। पचमढ़ी में इस सीजन का सबसे कम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। नर्मदापुरम में विजिबिलिटी मात्र 500 मीटर रह गई।

एक नई अंतरराष्ट्रीय स्टडी में खुलासा हुआ है कि पिछले दशक (2015-2024) में भारत का औसत तापमान लगभग 0.9 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसके कारण हीट वेव की घटनाएं बढ़ी हैं और हर दशक में गर्म दिनों की संख्या में 5 से 10 दिन का इजाफा हो रहा है। 1950 के बाद से सबसे गर्म दिन का तापमान पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी भारत में 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। यह रिपोर्ट भारत, नॉर्वे और नेपाल के जलवायु विशेषज्ञों की संयुक्त टीम ने तैयार की है।

जटिल मामलों में भी सफल होगा कॉर्निया प्रत्यारोपण

नई दिल्ली। अब जटिल मामलों में भी कॉर्निया प्रत्यारोपण सफल होगा। कई मामलों में सर्जरी के बाद भी मरीज को पूरा आराम नहीं मिल पाता। ऐसी समस्याओं को दूर करने के लिए तकनीक में सुधार किया जा रहा है। साथ ही पुरानी तकनीक में कुछ बदलाव किए गए हैं जिससे सर्जरी की सटीकता बढ़ी है, साथ ही परिणाम बेहतर हुए हैं। दरअसल, आंखों से जुड़े रोगों को दूर करने के लिए इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया एंड केरेटोरेफ्रेक्टिव सर्जन्स ने दिल्ली में वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया। इसमें देश-विदेश से आए चिकित्सकों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों ने अपने शोध रखे। साथ ही कॉर्निया और अपवर्तक सर्जरी में बदलाव के बारे में बताया। सम्मेलन में कॉर्निया से संबंधित विकार, अपवर्तक त्रुटियां और उनके उचित शल्य चिकित्सा और गैर-शल्य चिकित्सा उपचार, जटिल मोतियाबिंद सर्जरी, कॉर्निया प्रत्यारोपण, स्टेम सेल प्रत्यारोपण और विभिन्न नई तकनीकों और प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की। इस मौके पर एम्स के डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र के प्रोफेसर डॉ. राजेश सिन्हा ने बताया कि कई मामलों में कॉर्निया प्रत्यारोपण फेल हो जाता है। ऐसी सर्जरी में होने वाली कमी पर चर्चा की गई। साथ ही कमी को दूर करने के लिए नई तकनीक पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि कॉर्निया से जुड़े रोग किसी भी उम्र में हो सकते हैं। इसके क्षतिग्रस्त होने के पीछे चोट, संक्रमण, और कुछ बीमारियां कारण हो सकती हैं। दूरदराज से आने वाले मामलों में बैक्टीरिया, वायरस या फंगस के कारण होने वाला संक्रमण बड़ा कारण है। इसे केराटाइटिस भी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि यदि मरीज ध्यान रखें और लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल आए तो ऐसी समस्याओं को कम किया जा सकता है। नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों और प्रौद्योगिकियों व विभिन्न रोगों के प्रबंधन के प्रोटोकॉल को तैयार करने का निर्णय लिया गया। इसमें कॉर्निया प्रत्यारोपण के परिणामों को कैसे बेहतर बनाया जाए, ग्राफ्ट अस्वीकृति को कैसे रोका जाए और ग्राफ्ट अस्वीकृति के जोखिम को कैसे कम किया जाए इस पर भी चर्चा की गई। साथ ही स्टेम सेल प्रत्यारोपण के लाभ और विभिन्न प्रतिरक्षा-मध्यस्थ रोगों में इम्यूनोसप्रेसिव और इम्यूनोमॉड्यूलेटर की भूमिका के बारे में भी बताया गया। सम्मेलन में बढ़ते स्क्रीन टाइम पर विशेष रूप से चर्चा की गई। बताया गया कि कोरोना महामारी के बाद से लंबे समय तक लोग स्क्रीन के सामने रहते हैं खासकर बच्चे। कोरोना महामारी में बच्चों का स्कूल फोन पर चला जिससे आंखों में समस्या बढ़ी।

सम्मेलन में मॉनिटर के अत्यधिक उपयोग, इसके दुष्प्रभावों और दुष्प्रभावों को कम करने के तरीकों पर भी चर्चा की गई।

फिटनेस व स्वास्थ्य के प्रति युवाओं की प्रेरणा बन कर उभरे मनीष कश्यप

कौमी पत्रिका
-चंद्रकान्त पाराशर

दिल्ली। अच्छे स्वास्थ्य व फिटनेस के क्षेत्र में युवाओं को भरपूर अवसर देने वाले जिम13 के संस्थापक मनीष कश्यप ने विश्व फिटनेस महासंघ (डब्ल्यूएफएफ) में अंतर्राष्ट्रीय जज के रूप में अर्हता (क्वालीफाई करने)प्राप्त कर हिमाचल प्रदेश के साथ साथ भारत देश का गौरव भी बढ़ाया है। उन्हें यह प्रमाण-पत्र इसी वर्ष मई माह में मुंबई स्थित बाल गन्धर्व रंग मंदिर बांद्रा (west mumbai) सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में वर्ल्ड फिटनेस फेडरेशन - WFF] इंटरनेशनल के विश्व अध्यक्ष ग्रीम लांसफ़ील्ड द्वारा प्रदान किया गया । ग्रीम लांसफ़ील्ड एक सेवानिवृत्त ऑस्ट्रेलियाई बॉडीबिल्डर हैं, जिन्हें 1991 में NABBA मास्टर्स मिस्टर यूनिवर्स और 1978 में मिस्टर ऑस्ट्रेलिया जीतने के लिए जाना जाता है। अपने बचपन से ही फिटनेस-पसन्द लोगों के दीवाने और फिटनेस मॉडल बनने का सपना देखने वाले के रामपुर बुशहर जिला शिमला के मूल निवासी मनीष कश्यप के मध्यम-वर्गीय पारिवारिक हालात इतने अनुकूल नहीं थे; ज्ञान की कमी, अवसरों और वित्तीय

संकट के कारण रुकावटें बहुत आई लेकिन उसने कभी हार नहीं मानी। समर्पण, अनुशासन, बॉडीबिल्डिंग और फिटनेस के प्रति जुनून की बदौलत आज इस मुकाम पर पहुंचकर वह अभी भी स्वयं को एक प्रशिक्षु ही मानते हैं । वह वर्ष 2016 से हिमाचल प्रदेश में जिला व राज्य स्तर की बॉडीबिल्डिंग फिटनेस (Body building - Fitness) प्रतिस्पर्धात्समक प्रतियोगिताएं आयोजित कर फिटनेस व स्वास्थ्य के प्रति जन साधारण विशेषकर युवा वर्ग में जागरूकता फैलाने का कार्य कर रहे हैं , इसी की अगली कड़ी में वह पहली बार आगामी 14-15 दिसम्बर को राष्ट्रीय स्तर की मिस्टर इंडिया-मिस इंडिया प्रतियोगिता पंचकूला चंडीगढ़ स्थित इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आयोजित करने जा रहे हैं ।

हत्या के मामले में वांछित बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिला स्पेशल स्टाफ ने हत्या के मामले में वांछित बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। बदमाश की पहचान शालीमार बाग निवासी गुड्डू के रूप में हुई है। इसके कब्जे से पुलिस ने एक पिस्टल, खोखा और कारतूस बरामद किए हैं। बदमाश पर हत्या, हत्या का प्रयास, दुष्कर्म सहित कई मामले दर्ज हैं। जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि 25 अगस्त को शालीमार बाग के हैदरपुर कॉलोनी में हर्ष मिश्रा को चाकू मारने की जानकारी मिली थी। पीड़ित की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। सीसीटीवी कैमरे की जांच में हत्या में गुड्डू के शामिल होने का पता चला। उसके बाद पुलिस ने उस पर निगरानी बढ़ाई, साथ ही खोखा और कारतूस बरामद किए हैं। बदमाश पर हत्या, हत्या का प्रयास, दुष्कर्म सहित कई मामले दर्ज हैं। जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि 25 अगस्त को शालीमार बाग के हैदरपुर कॉलोनी में हर्ष मिश्रा मुखबिरों को सक्रिय किया। 18 सितंबर को हवलदार सत्य नरेंद्र को सूचना मिली कि आरोपी गुड्डू इलाके में आने वाला है। इंस्पेक्टर सोमवीर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। रात करीब एक बजे मुनक नहर के पास घेराबंदी कर दी। तभी एक संदिग्ध व्यक्ति सीए ब्लॉक झुग्गियों की ओर से एकता कैंप झुग्गियों की तरफ आते दिखा। मुखबिर ने उसकी पहचान गुड्डू के रूप में की। पुलिस टीम ने उसे आत्मसमर्पण करने को कहा लेकिन आरोपी भागने लगा। उसने पिस्टल से पुलिस टीम पर गोली चला दी। गोली हवलदार नरसी राम की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक गोली बदमाश के दाहिने पैर में लगी, जिससे वह गिर पड़ा।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर तमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी। रोहित सरदार कॉलोनी, रोहिणी, सेक्टर-16 में रहता था। पुलिस तभी से आरोपियों की तलाश कर रही है।

दुकान खाली करवाने के विवाद में तीन भाइयों पर गोलीबारी

नई दिल्ली। हजरत निजामुद्दीन इलाके में शुक्रवार देर रात दुकान खाली करवाने के विवाद में कुछ लोगों ने तीन भाइयों पर गोलीबारी कर दी। गोली लगने से एक भाई घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल युवक की पहचान फुरकान (32) के रूप में हुई है। फुरकान दो भाइयों वसीम व अब्दुल खालिद के साथ निजामुद्दीन में परफ्यूम की दुकान चलाता है। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। भागे हुए अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। दक्षिण पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी ने बताया कि हजरत निजामुद्दीन पुलिस को शुक्रवार रात गोलीबारी की सूचना मिली। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। जांच में पता चला कि बदमाशों ने यहां दुकानदार भाइयों पर पांच गोलियां चलाईं है जिसमें फुरकान के पैर में एक गोली लगी है। शुरुआती जांच में पता चला कि दुकान खाली करवाने के विवाद में गोलियां चलाई गईं। छानबीन के दौरान पुलिस को मौके से दो कारतूस व दो खोखे मिले। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया गया है। फुरकान ने अपनी दुकान एहसान नाम के एक शख्स को किराये पर दी थी। करीब 15 दिन पहले फुरकान ने दुकान खाली करवा ली। इसी बात को लेकर उन दोनों के बीच विवाद चल रहा था। शुक्रवार की रात को फुरकान का भाई वसीम व एक अन्य निजामुद्दीन मरकज के सामने मौजूद था। इसी दौरान एहसान अपने साथियों के साथ वहां पर पहुंचा और झगड़ा करने लगा। इसी दौरान आरोपियों ने पिस्टल निकालकर गोलियां चलानी शुरू कर दी।

सीआरपीएफ का असिस्टेंट कमांडेंट बताकर बुजुर्ग से ठगी

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिले में सीआरपीएफ का असिस्टेंट कमांडेंट बताकर एक बुजुर्ग से ठगी की गई। आरोपी ने फेसबुक मैसेंजर पर अपना जम्मू कश्मीर तबादला होने की बात कही और फिर घरेलू सामान कम कीमत में बेचने का झांसा दिया था। बुजुर्ग के हामी भरने पर आरोपी ने उनसे अपने बैंक खाते में 50 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए। सामान नहीं आने पर बुजुर्ग को ठगी का अहसास हुआ और उन्होंने उत्तरी-पश्चिमी जिला साइबर सेल में शिकायत दे दी। पुलिस मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस तकनीकी जांच कर आरोपी की पहचान करने में जुटी है। पीड़ित महावीर प्रसाद अशोक विहार के फेज-3 स्थित दीप एन्क्लेव में रहते हैं।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर मिटाया सुहाग, बेटी ने देख ली थी मां की अश्लील फिल्म

नई दिल्ली। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित उद्योग विहार थाना क्षेत्र में महिला से अवैध संबंधों में पति की हत्या मामले में पुलिस ने खुलासा किया है। मृतक की पत्नी ने ही अपने प्रेमी के साथ मिलकर विक्रम की हत्या की योजना बनाई थी। जांच व पूछताछ में सामने आया है कि आरोपियों ने यूट्यूब पर हत्या करने के तरीके देखकर तरीका अपनाया था। हालांकि महिला खुद ही अपने प्रेमी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराने पर फंस गई। पुलिस ने इस मामले में विक्रम (मृतक) की पत्नी सोनी देवी और शव दबाने के लिए गड्ढा खोदने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पत्नी की पहचान नवादा (बिहार) के छत्तीहर गांव निवासी सोनी देवी (35 वर्ष) वर्तमान निवासी गुरुग्राम के डूंडाहेडा गांव के रूप में हुई। वहीं, गड्ढा खोदने वाले आरोपी की पहचान मेरठ (उत्तर प्रदेश) के हस्तिनापुर निवासी संतरपाल (60 वर्ष) के रूप में हुई है। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि आरोपी महिला सोनी देवी का आरोपी रविंद्र के साथ करीब एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। आरोपी रविंद्र ने प्रेम प्रसंग के दौरान सोनी देवी के साथ अश्लील वीडियो बनाया हुआ था। सोनी देवी व विक्रम (मृतक) के दो बच्चे, जिसमें एक लड़का व एक लड़की है। लड़की ने खेलते-खेलते एक दिन रविंद्र के मोबाइल में वीडियो देख लिया और अपने पापा विक्रम (मृतक) को बता दिया। यह बात रविंद्र व सोनी देवी को पता चल गई। इसके चलते सोनी ने प्रेमी आरोपी रविंद्र के साथ मिलकर अपने पति (विक्रम) की हत्या करने की योजना बनाई। पुलिस इस मामले में अभी तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपी रविंद्र और सोनी देवी ने विक्रम (सोनी के पति) की हत्या करने, हत्या के बाद शव को ठिकाने लगाने और हत्या से बचने के लिए यूट्यूब पर विभिन्न तरीके देखे। दोनों आरोपियों ने विक्रम (सोनी के पति) की हत्या करने की योजना बनाई थी। वहीं, रविंद्र ने अपने कई साथियों को गुरुग्राम बुलाया और उनके साथ मिलकर सोनी देवी के पति विक्रम की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। विक्रम की हत्या की योजना के तहत आरोपी रविंद्र अपने चाचा संतरपाल जोकि मोहम्मदपुर गांव में एविल सोसाइटी के पास गाय-भैंसों के रखरखाव का काम करता है, से मिलने गया। संतरलाल ने रविंद्र को गोद लिया हुआ है। आरोपी रविंद्र ने संतरपाल को बताया कि वह अपने साथियों के साथ विक्रम की हत्या करके शव को लेकर आएगा। उसने संतरलाल को विक्रम के शव को दबाने हेतु गड्ढा खोदने के लिए कहा। रविंद्र के कहे अनुसार संतरपाल ने गड्ढा खोदा और विक्रम की हत्या के बाद उसके शव को गड्ढे में दबा दिया, ताकि शव गल जाए और शव से बदबू न आए। 26 जुलाई को विक्रम की हत्या की पूरी घटना के दौरान उसकी पत्नी सोनी देवी आरोपी रविंद्र के साथ मोबाइल पर कॉल के माध्यम से संपर्क में रही। विक्रम की पत्नी सोनी देवी ने हत्या मामले में पुलिस को गुमराह करने के लिए योजनानुसार 28 जुलाई को अपने पति की गुमशुदा की रिपोर्ट लिखवाई। जबकि महिला को जानकारी थी कि 26 जुलाई को उसके पति की हत्या करके शव को गड्ढे में दबाया जा चुका है। इसके बाद जब सोनी देवी को लगा कि पुलिस विक्रम की हत्या के बारे में पता लगा सकती है तो उसने पुलिस से बचने के लिए अपने प्रेमी आरोपी रविंद्र के खिलाफ दुष्कर्म करने का झूठा मामला दर्ज करा दिया। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि रविवार को महिला आरोपी सोनी देवी और संतरलाल को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने सोनी देवी को जेल भेज दिया है, जबकि पुलिस ने आरोपी संतरलाल को पांच के रिमांड पर लिया है। पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है कि ताकि हत्या में संलिप्त अन्य आरोपी गिरफ्तार किए जा सकें।

पुरानी गाड़ियों पर बैन को लेकर सीएक्यूएम का बड़ा खुलासा, कोई रिसर्च नहीं की गई

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में 10 साल से पुरानी डीजल और 15 साल से पुरानी पेट्रोल गाड़ियों पर लगे बैन को लेकर अब एक अहम जानकारी सामने आई है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (ष्टक्तरू)

(सीएक्यूएम) ने खुद स्वीकार किया है कि इस फैसले के पीछे किसी भी तरह की वैज्ञानिक शोध या अध्ययन नहीं किया गया है। ये जानकारी पर्यावरण कार्यकर्ता अमित गुप्ता द्वारा दायर की गई एक आरटीआई के जवाब में सामने आई। जब आयोग से पूछा गया कि फिर किस आधार पर ये बैन लगाया गया, तो उन्होंने कहा कि यह फैसला नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (ह्लत्रञ्ज) (एनजीटी) के %वर्धमान कौशिक बनाम भारत सरकार% केस और सुप्रीम कोर्ट के एमसी मेहता बनाम भारत सरकार% केस के आदेशों के आधार पर लिया गया है। यानी कि यह प्रतिबंध कोर्ट के निर्देशों को मानते हुए लागू किया गया, न कि किसी नए शोध या अध्ययन के आधार पर। हाल ही में सीएक्यूएम ने एक और आदेश में कहा था कि 1 जुलाई से जो फ्यूल स्टेशन पर पुरानी गाड़ियों को पेट्रोल या डीजल न देने का निर्देश था, उसे 31 अक्तूबर तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। दिल्ली सरकार ने इसे लागू करने में ऑपरेशनल और इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी दिक्कतें बताते हुए वक्त मांगा था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में इस समय लगभग 62 लाख पुरानी गाड़ियां हैं, जिनमें से करीब 41 लाख दोपहिया वाहन हैं। पूरे एनसीआर क्षेत्र में ऐसे वाहनों की संख्या 44 लाख के आसपास है, जिनमें से अधिकतर गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर और सोनीपत जैसे शहरों में हैं। सीएक्यूएम का प्लान था कि इन पुरानी गाड़ियों की पहचान ,ह्क्क्र (ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकग्निशन) कैमरों के जरिए की जाए, ताकि उन्हें फ्यूल स्टेशन से पेट्रोल-डीजल देने से रोका जा सके। ये सिस्टम गाड़ी की नंबर प्लेट को पढ़कर उसे वाहन डाटाबेस से मिलाता है। लेकिन दिल्ली सरकार ने बताया कि यह सिस्टम अभी तकनीकी खामियों से जूझ रहा है। जैसे सॉफ्टवेयर की दिक्कतें, कैमरों की गलत जगहों पर फिटिंग, सेंसर खराब होना और आस-पास के राज्यों के डाटाबेस से सही तरीके से कनेक्शन न होना। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी कई बार दिल्ली-एनसीआर में पुरानी और प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियों को हटाने में हो रही देरी को लेकर अधिकारियों को फटकार लगा चुके हैं। अब जबकि खुद सरकार ये मान रही है कि सिस्टम में खामियां हैं और खुद सीएक्यूएम ये मानता है कि कोई रिसर्च नहीं हुई, तो यह सवाल उठना लाजमी है कि क्या सिर्फ पुराने कोर्ट ऑर्डर के आधार पर करोड़ों लोगों की गाड़ियों पर पाबंदी लगाना सही है? दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक पुनर्विचार याचिका भी दायर की है, जिसमें 2018 में लगाए गए इस प्रतिबंध पर फिर से विचार करने की मांग की गई है। अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में कोर्ट और सरकार इस मुद्दे पर क्या रुख अपनाते हैं।

रोहिणी में एनकाउंटर, दो बदमाशों को लगी गोली; मुठभेड़ के बाद तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी जिले के बुध विहार थाने के पुलिसकर्मियों और बदमाशों के बीच मुठभेड़ की खबर है। बुध विहार एसएचओ करुणा सागर की टीम ने मुठभेड़ के बाद तीन हथियारबंद बदमाशों को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों को गोली लगी, जिससे कुल तीन बदमाश गिरफ्तार हो गए। दो बदमाश भागने में कामयाब रहे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तार बदमाश गोगी गैंग से जुड़े हैं। मुठभेड़ में घायल दोनों बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली पुलिस और गोगी गैंग के सदस्यों के बीच गोलीबारी हुई। एनकाउंटर के बाद तीन बदमाश पकड़े गए हैं। पकड़े गए दो बदमाशों को गोली लगी है। घायलों के नाम इरफान और लालू हैं। तीसरे बदमाश का नाम नितेश है। गोगी गैंग के ये तीनों सदस्य कार में थे।

डीयू ऑन-स्पॉट मॉप-अप राउंड के लिए आज से पंजीकरण शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (ष्ठ) ने यूजी एडमिशन 2025 के लिए ऑन-स्पॉट मॉप-अप राउंड की घोषणा कर दी है। यह राउंड कक्षा 12 के अंकों या समकक्ष आधार पर आयोजित किया जाएगा। पंजीकरण की प्रक्रिया आज 17 सितंबर से शुरू होकर 19 सितंबर की रात 11-59 बजे समाप्त होगी। इस राउंड के तहत रिक्त स्नातक (त्र) सीटों को भौतिक रूप से भरा जाएगा। पहले पंजीकृत उम्मीदवार, जिन्हें किसी कार्यक्रम में प्रवेश नहीं मिला है, वे अपने डैशबोर्ड के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। जो उम्मीदवार अभी तक ugadmission.uod.ac.in पोर्टल पर पंजीकृत नहीं हैं, उन्हें नया आवेदन जमा करना होगा और 1,000 रुपए अतिरिक्त शुल्क देना होगा। इस राउंड के प्रवेश और सीट आवंटन की प्रक्रिया 23 सितंबर, 2025 से फिजिकल मोड में शुरू होगी। उम्मीदवारों को योग्यता और सीट उपलब्धता के आधार पर आमंत्रित किया जाएगा। चुने गए छात्रों को ईमेल के माध्यम से रिपोर्टिंग तिथि, समय और स्थान के साथ आमंत्रण पत्र भेजा जाएगा।

हरियाणा मंत्रिमंडल ने अनुसूचित जाति की मृतक महिला के आश्रित को अनुकंपा आधार पर नियुक्ति को दी मंजूरी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आज यहाँ हुई मंत्रिमंडल की बैठक में सत्र न्यायालय, रोहतक द्वारा जारी निर्देशों के अनुपालन में, अनुसूचित जाति की एक मृतक महिला के आश्रित पुत्र को अनुकंपा आधार पर नियुक्ति प्रदान करने को घटनोत्तर स्वीकृति प्रदान की गई। यह मामला अनुसूचित जाति की महिला श्रीमती मुकेश देवी से संबंधित है जो गाँव लिजावाना, तहसील जुलाना, जिला जींद की निवासी थी। एक दुखद घटना में उसकी हत्या कर दी गई और उसका जला हुआ शव रोहतक जिले के जसिया गाँव के पास बरामद हुआ। घटना के बाद, 2016 में भारतीय दंड संहिता और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। रोहतक स्थित सत्र न्यायालय ने अपने निर्णय में राज्य सरकार को मृतक के दो आश्रितों को स्वीकार्य महंगाई भत्ते के साथ 5,000 रुपये की मूल मासिक पेंशन प्रदान करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि मृतक के परिवार के एक सदस्य को राज्य सरकार द्वारा रोजगार दिया जाए। न्यायालय के आदेशों की अनुपालना में इसे एक विशेष केस मानते हुए, मृतक के पुत्र राजू, जिसने अपनी 12वीं कक्षा की शिक्षा और कंप्यूटर शिक्षा प्रोग्राम पूरा कर लिया है, को 2 मई, 2025 को सेवा विभाग, हरियाणा में उपलब्ध क्लर्क के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई है।

परीक्षा शुरू होते ही निरीक्षण के लिए परीक्षा केंद्र पहुंचे आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह

चंडीगढ। सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) के दूसरे दिन हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने आज प्रात:परीक्षा शुरू होते ही गौड़ ब्राह्मण सेंट्रल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पहुंच कर परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। परीक्षा केंद्र के निरीक्षण के दौरान रोहतक के उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह भी उनके साथ रहे।आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह व उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थियों व ड्यूटी देने वाले स्टाफ से भी बातचीत की। परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर दोनों अधिकारियों ने संतुष्टि जताई। चेयरमैन हिम्मत सिंह इससे उपरांत सामान्य बस स्टैंड रोहतक भी पहुंचे। यहां उन्होंने परिवहन व्यवस्था का भी जायजा लिया । परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों से बातचीत भी की। उन्होंने स्वयं अभ्यर्थी बनकर सेवा डायल 112 पर फोन किया। दूसरी ओर से उन्हें सकारात्मक जवाब मिला तो वे इस सुविधा को लेकर भी संतुष्ट हो गए और मौके पर मौजूद विद्यार्थियों से कहा कि वे भी इस तरह की सेवाओं का प्रयोग किया करें। इसके अलावा उन्होंने स्थानीय राजीव गांधी खेल स्टेडियम में जाकर शटल बस सेवा का भी निरीक्षण किया।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया।

सीआईएसएफ यूनिट लाइन, पंजाब एवं हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में जवान चौपाल का उद्घाटन

चंडीगढ़: सैनिकों के कल्याण को बढ़ाने और तनावमुक्त पारस्परिक जुड़ाव को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम के रूप में, आज सीआईएसएफ यूनिट लाइन, पंजाब एवं हरियाणा सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में जवान चौपाल नामक एक नई पहल का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में सभी रैंकों के सीआईएसएफ कर्मियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। उल्लेखनीय है कि उद्घाटन समारोह का रिबन पिछले महीने सेवानिवृत्त हुए कर्मियों द्वारा औपचारिक रूप से काटा गया, जो सेवा की पीढ़ियों के बीच एकता के बंधन का प्रतीक है। सीआईएसएफ वेट कैंटीन के निकट रणनीतिक रूप से स्थित, जवान चौपाल को एक अनौपचारिक, समुदाय-अनुकूल स्थान के रूप में डिज़ाइन किया गया है जहाँ कर्मी जन्मदिन, अनौपचारिक चर्चा और विश्राम जैसे छोटे समारोहों के लिए एकत्र हो सकते हैं। चौपाल की सदियों पुरानी भारतीय परंपरा पर आधारित - एक ग्रामीण बैठक स्थल जो खुले संवाद को बढ़ावा देता है - यह पहल सुरक्षा बलों के भीतर उस भावना को पुनर्जीवित करने का प्रयास करती है। यूनिट के कई कर्मियों ने जवानों के बीच सौहार्द, तनाव मुक्ति और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में इस तरह के अनौपचारिक आयोजनों के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने बताया कि आज की तेज़-तर्रार, डिजिटल जीवनशैली में, सार्थक मानवीय जुड़ाव अक्सर खो जाता है, जिससे तनाव और अलगाव का स्तर बढ़ जाता है। उन्होंने कहा, जवान चौपाल न केवल एक सामाजिक केंद्र के रूप में कार्य करेगा, बल्कि सीआईएसएफ के तनाव प्रबंधन कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी होगा। यह पहल सीआईएसएफ यूनिट पी एंड एचसीएस चंडीगढ़ के अपने कर्मियों के समग्र कल्याण को सुनिश्चित करने के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करती है, चाहे वे ड्यूटी पर हों या ड्यूटी से बाहर।

एवीयूटी को अभियोजन में सहायता करने की अनुमति

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने उपहार त्रासदी पीड़ित संघ (एवीयूटी) को व्यवसायी सुशील अंसल के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में अभियोजन पक्ष की सहायता करने की अनुमति दे दी है। अंसल को 1997 के उपहार सिनेमा अग्निकांड में दोषी ठहराया गया था, जिसमें 59 लोग मारे गए थे। एवीयूटी की अध्यक्ष नीलिमा कृष्णमूर्ति ने मामले में अभियोजन पक्ष की सहायता के लिए एक आवेदन दायर किया था, जिसमें जांच और आरोपपत्र दाखिल करने में कुछ आपत्तियां उठाई गई थीं। अंसल पर दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने 2019 में पासपोर्ट अधिनियम की धारा 12 के तहत मामला दर्ज किया था, जो राष्ट्रीयता की जानकारी छिपाकर पासपोर्ट प्राप्त करने से संबंधित है। एफआईआर आईपीसी की धारा 177 (जानबूझकर किसी लोक सेवक को गलत जानकारी देना) और 181 (लोक सेवक या शपथ दिलाने के लिए अधिकृत व्यक्ति को शपथ या प्रतिज्ञान पर झूठा बयान देना), 192 (झूठे साक्ष्य गढ़ना), 197 (झूठा प्रमाण पत्र जारी करना या हस्ताक्षर करना) और 420 (धोखाधड़ी) के तहत भी दर्ज की गई थी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रेया अग्रवाल ने कहा कि जिस एसोसिएशन के कहने पर इस मामले में कानून बनाया गया था, उसे अभियोजन पक्ष की सहायता करने का अधिकार मिलना चाहिए, जिस पर कानून में कोई रोक नहीं है। न्यायाधीश ने कहा कि एवीयूटी को इस मामले में अभियोजन पक्ष की सहायता करने की पूरी स्वतंत्रता है। अभियुक्तों के साथ कोई पक्षपात नहीं किया जाएगा। वकील ने कहा कि यह मामला एवीयूटी की तरफ से दायर एक रिट याचिका में उच्च न्यायालय के आदेश के माध्यम से दर्ज किया गया था। इसलिए एसोसिएशन को भागीदारी का प्रभावी अधिकार दिया जा सकता है। इससे पहले, अपनी 8-पृष्ठ की अंतिम रिपोर्ट में पुलिस ने दावा किया था कि अंसल ने शपथ पत्र पर सरकारी प्राधिकार को गुमराह किया कि उन्हें किसी भी अदालत ने किसी भी आपराधिक कार्यवाही में दोषी नहीं ठहराया गया है। यह मामला उच्च न्यायालय के निर्देश पर कृष्णमूर्ति की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अंसल ने अपने पासपोर्ट के नवीनीकरण के लिए अधिकारियों से जानकारी छिपाई या गलत जानकारी दी। हालांकि, अंतिम रिपोर्ट में कहा गया है कि अंसल ने 14 अगस्त, 2017 को अपना पासपोर्ट जमा कर दिया था। क्योंकि उन्हें पता था कि उनके खिलाफ प्रतिकूल आदेश पारित किए जा सकते हैं।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अंबाला में 'गब्बर' ने महिला पुलिस कर्मी को किया सस्पेंड: किन्नर की शिकायत पर की त्वरित कार्रवाई

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन व श्रम मंत्री अनिल विज ने एक किन्नर की शिकायत पर तत्काल संज्ञान लेते हुए महिला पुलिस कर्मी को सस्पेंड करने के निर्देश जारी किए। शिकायतकर्ता ने मंत्री को एक ऑडियो रिकॉर्डिंग सुनाई, जिसमें संबंधित पुलिसकर्मी द्वारा किन्नर के साथ कथित रूप से बदतमीजी व अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया था।

मंत्री आवास पर शिकायत दर्ज

शनिवार को मंत्री अनिल विज अपने अंबाला स्थित आवास पर जन समस्याएं सुन रहे थे। इसी दौरान एक किन्नर ने महिला थाने की अधिकारी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। ऑडियो रिकॉर्डिंग सुनते ही मंत्री ने मामले को गंभीर मानते हुए मौके पर ही अंबाला एसपी को फोन कर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

रिकॉर्डिंग बन गई कार्रवाई का आधार

मंत्री विज ने कहा कि पुलिस का कार्य जनता की सेवा करना है, न कि उनके साथ अभद्र व्यवहार करना। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी नागरिक से गलत व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानून सबके लिए बराबर होना चाहिए। निर्देशों के बाद महिला पुलिस कर्मी को सस्पेंड कर दिया गया।

मंत्री का सख्त संदेश

अनिल विज पहले भी ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने दोहराया कि शिकायतकर्ता चाहे कोई भी हो, उसकी बात सुनी जाएगी और उसे न्याय दिलाया जाएगा। उन्होंने पुलिस को संवेदनशील होकर कार्य करने की नसीहत भी दी। सूत्रों के अनुसार, ऑडियो रिकॉर्डिंग की तकनीकी जांच करवाने की तैयारी की जा रही है, जिससे कानूनी कार्रवाई मजबूत हो सके। पुलिस विभाग इस घटना पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर मंत्री कार्यालय को भेजेगा।

फरीदाबाद में प्याला फाटक पर फ्लाईओवर बनने से 50 गांवों के लोगों को मिलेगी राहत, जानें कब बनकर होगा तैयार

एजेंसी

फरीदाबाद .नेशनल हाईवे से गांव के रास्ते कुंडली-गाजियाबाद-पलवल (केजीपी) एक्सप्रेसवे जाना अब आसान हो जाएगा। रेलवे की ओर से प्याला फाटक के ऊपर फ्लाईओवर बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। लंबे समय से लोग इस फाटक पर जाम और बंद फाटक की वजह से यहां फंसे रहते हैं। आए दिन हादसे भी होते रहते हैं।

अगले साल बनकर होगा तैयार

बताया जा रहा है कि फ्लाईओवर बनने के बाद न सिर्फ ट्रैफिक सुगम होगा बल्कि आसपास के करीब 50 गांवों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। यह फ्लाईओवर करीब 35 करोड़ रुपए की लागत से जून-जुलाई 2026 तक तैयार होगा। अभी तक तो लगभग 30 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। यह प्रोजेक्ट दिसंबर 2024 में शुरू हुआ था।

इस फ्लाईओवर के बनने से जाम से मिलेगा छुटकारा

इस फ्लाईओवर के बनने से प्याला, डीग और सागरपुर जैसे गांव सीधे तौर पर इससे जुड़ जाएंगे और आगे जाकर यह रास्ता हाईवे से मिलता हुआ वाहनों को बिना रुकावट आगे बढ़ने देगा। कई बार जल्दबाजी में लोग ट्रैक पार करना शुरू कर देते थे जिससे हादसा होने का खतरा बढ़ जाता था। अब फ्लाईओवर तैयार होने के बाद न तो जाम लगेगा और न ही किसी को खतरा उठाकर ट्रैक पार करना पड़ेगा।

हरियाणा में हर थाना गिरफ्तार करेगा 5 गैंगस्टर, DGP के सख्त निर्देश...

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में बढ़ते गैंगस्टर नैटवर्क और संगठित अपराध पर नकेल कसने के लिए राज्य पुलिस ने अब तक का सबसे बड़ा आप्रेशन टेकडाऊन शुरू कर दिया है। कार्यवाहक डी. जी.पी. ओ.पी. शिखरका के बाद प्रदेश के धानों को आदेश जारी किए गए हैं कि हर थाना क्षेत्र से कम से कम 5 प्रमुख गैंगस्टरों, सक्रिय बदमाशों या फरार वांछित अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करे। यह निर्देश न केवल अपराधियों के खिलाफ सख्त संदेश है, बल्कि हर थाने की जवाबदेही तय करने वाली एक नई रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। 15 दिन में पहली रिपोर्ट, 45 दिन में कार्रवाई पूरी करने का लक्ष्य

सूत्रों के अनुसार डी.जी.पी. ओ.पी. सिंह ने सभी एस.पी. और डी.एस.पी. स्तर के अधिकारियों की स्पष्ट समय सीमा दी है। 15 दिनों के भीतर प्रत्येक थाना अपनी गैंगस्टर/मोस्ट वांटेड सूची भेजेगा। 30-45 दिनों के भीतर प्रमुख गिरफ्तारियां की जाएंगी। अभियान की हर प्रगति सीधे पुलिस मुख्कलय को रिपोर्ट की जाएगी।इसके तहत लंबे समय से फरार चल रहे आप्रेशन ट्रैकडाऊन के तहत समी फील्ड पुलिस अफसरों की जिम्मेदारी लय की गई है।

इस ऑप्रेशन की प्रदेश में शत-प्रतिशत सफलता मिल रही है। इसमें सभी पुलिस थानों को कम से कम सभीटर को पकड़ने के निर्देश दिए गार थे लेकिन अधिकांश जिलों में

यह आंकड़ा काफी आगे पार कर चुका है।

इस अभियान में पहली बार हर थाने को स्पष्ट रूप से 5 बड़े अपराधियों को पकड़ने का टार्गेट दिया गया है। पुलिस पुख्यालय का मानना कि स्थानीय थानों के पास अपने मैं अपराधियों की सबसे सही जानकारी होती है इसलिए इस अभियान का नेतृत्व थाना स्तर से शुरू किया गया है।डी. जी. पी. सिंह ने कहा है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आवश्यक होने पर थानों को अतिरिक्त फीसे और तकनीकी सहायता दी जाएगी। कार्रवाई में ढिलाई दिखाने वाले अधिकारियों के खिलाफ तुरंत अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। अपराधी, जमानत पर बाहर आकर फिर से सक्रिय हुए गैंग सदस्य, रंगदारी मांगने वाले, सुपारी-आधारित अपराध करने वाले तथा अवैध हथियार तस्करी में शामिल लोग पुलिस की प्राथमिकता में होंगे।

दलजीत सिहाग को गैंगस्टर कहने पर इस खाप ने जताया एतराज, बोले- सरकार के इशारे पर....

एजेंसी

हरियाणा। हरियाणा में हांसी पुलिस द्वारा हत्या प्रयास, फिरौती और लूटपाट जैसे 61 मामलों में वांछित दलजीत सिहाग के खिलाफ की गई कार्रवाई पर जींद की कंडेला और माजरा खाप ने कड़ा विरोध जताया है। खापों का कहना है कि पुलिस ने एक सामाजिक कार्यकर्ता को गैंगस्टर बताकर बाजार में पैदल मार्च निकालकर उसकी छवि खराब करने की कोशिश की है।

खापों का आरोप: सरकार के इशारे पर फंसाया गया

कंडेला खाप के प्रधान ओमप्रकाश कंडेला और माजरा खाप के प्रधान गुरविंद्र सिंह संधू ने कहा कि दलजीत सिहाग लंबे समय से सामाजिक कार्यों जैसे रक्तदान शिविर, पौधारोपण, गरीब बेटियों की शिक्षा में सक्रिय रहे हैं। खाप प्रधानों ने कहा कि जाट आरक्षण आंदोलन में भी सिहाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी और हिसार में कोई भी उन्हें गलत नहीं बता सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने उन्हें झूठे केसों में फंसाकर जेल भेजा, जिनमें से कई मामले अदालत द्वारा रद्द भी किए जा चुके हैं। खापों का कहना है कि ऐसे व्यक्ति को गैंगस्टर बताना और बाजार में घुमाना पूरी तरह गलत है। उन्होंने दावा किया कि यह सरकार की सोची-समझी रणनीति है।

पुलिस का पक्ष: अपराधियों के खिलाफ जागरूकता

हांसी पुलिस ने बताया कि दलजीत सिहाग को झज्जर जेल से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया गया था। अदालत से एक दिन का रिमांड मिलने के बाद पुलिस ने उन्हें हथियारबंद पुलिस बल के साथ शहर के बाजारों में पैदल घुमाया।

Haryana में मिड-डे-मील को बेहतर बनाने के लिए उठाया नया कदम, हरियाणा सरकार ने लिया बड़ा फैसला

एजेंसी

गुरुग्राम । हरियाणा सरकार ने स्कूलों में मिलने वाले मिड-डे-मील को और बेहतर बनाने के लिए एक नया कदम उठाया है। अब पूरे राज्य में मिड-डे-मील में लगने वाली सभी खाद्य सामग्री की सप्लाई हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज करेगी। सरकार के मुताबिक इससे भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा दोनों में सुधार होगा।

शिक्षा विभाग ने बताया कि एग्रो इंडस्ट्रीज के साथ एक साल के लिए समझौता किया गया है। इस दौरान चावल, दाल, तेल, मसाले, नमक और अन्य जरूरी सामग्री सीधे एग्रो इंडस्ट्रीज के स्टोर से सरकारी स्कूलों तक भेजी जाएगी। हर सामग्री को भेजने से पहले उसकी गुणवत्ता की जांच भी की जाएगी। पहले कई जगहों से सामग्री की गुणवत्ता को लेकर

शिकायतें मिलती थीं। नई व्यवस्था से यह समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी। इससे भोजन की गुणवत्ता सुधरेगी, पारदर्शिता बढ़ेगी, और बच्चों को अधिक पौष्टिक खाना मिलेगा।

अब सामग्री स्कूलों तक सीधे पहुंचेगी, जिससे बीच में होने वाली गड़बड़ियों और देरी को रोका जा सकेगा। बाल वाटिका से लेकर कक्षा 8 तक के सभी बच्चों को इस व्यवस्था का लाभ मिलेगा। शिक्षा निदेशालय ने राज्य के सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को एएमएस पोर्टल पर प्रतिदिन 100 प्रतिशत रिपोर्ट अपडेट करने के निर्देश दिए हैं।

25 नवंबर को हरियाणा में रहेगी सरकारी छुट्टी, सरकार ने किया ऐलान...जानिए क्यों

एजेंसी

हरियाणा ।गुरु तेग बहादुर जी के शहादत दिवस के उपलक्ष्य में चंडीगढ़ प्रशासन और हरियाणा सरकार ने 25 नवंबर 2025 (मंगलवार) को अवकाश घोषित कर दिया है। चंडीगढ़ प्रशासन ने वर्ष 2025 की छुट्टियों की अधिसूचना में संशोधन करते हुए इस दिन को पूर्ण सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है, जबकि हरियाणा सरकार ने इसे वैकल्पिक अवकाश के रूप में मानने का फैसला किया है।

चंडीगढ़ प्रशासन की नई अधिसूचना के अनुसार प्रशासन के अधीन सभी सरकारी विभाग, बोर्ड, निगम, संस्थान और औद्योगिक प्रतिष्ठान 25 नवंबर को बंद रहेंगे। पहले यह दिन प्रतिबंधित अवकाश की श्रेणी में शामिल था, लेकिन अब इसे सिख इतिहास और धार्मिक महत्व को देखते हुए पूर्ण अवकाश घोषित किया गया है।हरियाणा सरकार ने श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस (25 नवंबर) पर राज्य में वैकल्पिक अवकाश घोषित किया है।उधर, हरियाणा सरकार ने भी श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर 25 नवंबर को राज्य में वैकल्पिक अवकाश घोषित किया है। राज्य सरकार के कर्मचारियों को अपनी सुविधा अनुसार इस अवकाश का लाभ लेने की अनुमति दी गई है।

गौरतलब है कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान देश और समाज के लिए धार्मिक स्वतंत्रता, साहस और मानवाधिकारों की रक्षा का अद्वितीय उदाहरण माना जाता है। उनके शहादत दिवस पर देशभर में श्रद्धांजलि सभाएं, नगर कीर्तन और सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

हरियाणा के ईंट भट्टों में अब इस चीज का उपयोग अनिवार्य, पराली जलाने पर लगेगा रोक

एजेंसी

हरियाणा । हर साल कटाई के बाद पराली जलाने की समस्या किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए बड़ी चिंता बन जाती है। अब हरियाणा सरकार ने ईंट भट्टों में कोयले के साथ धान की पुआल-पेलेट का इस्तेमाल अनिवार्य कर दिया है।

यह कदम न सिर्फ पराली जलाने को कम करेगा, बल्कि किसानों के लिए अतिरिक्त आय और ईंधन की बचत का भी मौका देगा। हरियाणा के गैर-एनसीआर जिलों में अब ईंट भट्टों को कोयले के साथ धान की पुआल से बने बायोमास पेलेट का उपयोग करना अनिवार्य कर दिया गया है। यह कदम हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से ठंडी और साफ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने तथा पराली जलाने की समस्या को कम करने के लिए

उठाया गया है।को कम से कम 20त्न बायोमास पेलेट का इस्तेमाल करना होगा. यह अनुपात धीरे-धीरे बढ़ाकर नवंबर 2028 तक 50त्न तक पहुंचाया जाएगा। यह निर्णय 7 नवंबर को राज्य स्तरीय बैठक में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में लिया गया।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने अधिकारियों को सख्त निगरानी का निर्देश दिया है। ईंधन उपयोग का पूरा रिकॉर्ड रखा जाएगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई होगी। ईंट भट्टों की जांच खाद्य और आपूर्ति विभाग के साथ मिलकर की जाएगी।नियमों का पालन न करने पर लाइसेंस निलंबित या जुर्माना लगाया जा सकता है।हिसार जिले में वर्तमान में आठ एजेंसियाँ पेलेट बनाने में लगी हुई हैं।

अन्य जिलों में भी ऐसे सुविधाएँ उपलब्ध हैं. अधिकारियों ने बताया कि सभी ईंट भट्ठा मालिकों को पेलेट के उपयोग के निर्देश पहले ही दे दिए गए हैं। किसानों और ईंट भट्ठा मालिकों के लिए यह नीति फायदेमंद है. यह न सिर्फ पर्यावरण को साफ रखने में मदद करेगी, बल्कि फसल अवशेष से आमदनी बढ़ाने का अवसर भी देगी।

अल फलाह विवि के स्टूडेंट्स का क्या होगा? पेरेंट्स का कुलपति को लेटर, क्या मांग?

एजेंसी

फरीदाबाद।दिल्ली विस्फोट के बाद अल फलाह यूनिवर्सिटी जांच के केंद्र में है। इससे इस यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे स्टूडेंट्स के भविष्य की चिंता को लेकर पेरेंट्स परेशान हैं। ये पैरेंट्स शनिवार को संस्थान पहुंचे और कुलपति को संबोधित एक पत्र यूनिवर्सिटी प्रशासन को सौंपा। ये पैरेंट्स स्टूडेंट्स के भविष्य को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच फैकल्टी और एडमिनिस्ट्रेशन से भरोसा लेने पहुंचे थे। यह घटनाक्रम ऐसे वक्त में सामने आया है जब ईडी ने यूनिवर्सिटी के चेयरमैन को हिरासत में लिया है।पुलिस ने बताया कि शनिवार को करीब 18 अभिभावक यूनिवर्सिटी के परिसर पहुंचे और संस्थान के भविष्य को लेकर चिंता जताते हुए कुलपति के नाम एक पत्र सौंपा। अभिभावकों ने यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे अपने बच्चों के एकेडमिक और पेशेवर भविष्य को लेकर संस्थान के प्रशासन की ओर से स्पष्टीकरण दिए जाने की मांग की। इस पर अल फलाह यूनिवर्सिटी के एक प्रोफेसर ने पैरेंट्स को भरोसा दिलाया कि संस्थान को बंद नहीं होगा।यूनिवर्सिटी में पढ़ रही चंडीगढ़ की एक छात्रा के पैरेंट एडवोकेट खुशपाल सिंह ने कहा कि हमारे बच्चे यहां एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं और उनका किसी आतंकी मॉड्यूल से कोई लेना-देना नहीं है। हम अपने बच्चों के भविष्य को लेकर हम चिंतित हैं। हमने प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा। हमने मांग की है कि वह स्टूडेंट के फ्यूचर को लेकर स्थिति साफ करे। यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने हमें भरोसा दिया है कि हमारे बच्चों का भविष्य सुरक्षित है। संस्थान बंद नहीं होगा।

पड़ने लगा कोहरा, सताने लगी ठंड...हिसार की रातें सबसे ठंडी, पढ़ें मौसम की ताजा अपडेट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में सुबह-शाम कोहरा छाने लगा है। कोहरा अभी विजिबिलिटी पर असर नहीं डाल रहा है। तापमान में लगातार गिरावट दर्ज हो रही है। बीते दिन के तापमान की बात करें तो दिन में भिवानी का तापमान सबसे ज्यादा रहा। वहीं हिसार की रातें सबसे ठंडी रही। न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सर्दी बढ़ने की संभावना

मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान हरियाणा में मौसम शुष्क रहा। कहीं-कहीं हल्का से मध्यम कोहरा दर्ज किया गया। हरियाणा में औसत अधिकतम तापमान में कल की तुलना में 0.8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। आने वाले दिनों में भी आसमान साफ रहेगा और तापमान में मामूली गिरावट के साथ सर्दी बढ़ने की संभावना है। हवा में बार-बार बदलाव होने तथा हल्की गति से चलने की संभावना है।

जानें कहां कितना रहा तापमान

पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के बाद मैदानी इलाकों में ठंड बढ़ने का अनुमान जताया गया है। इसके साथ ही नारनौल का न्यूनतम तापमान 9 डिग्री, करनाल का 9.6 डिग्री, भिवानी व गुरुग्राम का 9 डिग्री, कैथल का 9.7 डिग्री, पंचकूला का 8.9 डिग्री व महेंद्रगढ़ का 9.1 डिग्री तथा सिरसा का 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

Study Visa पर रूस गए हरियाणा के 50 युवाओं को जबरदस्ती आर्मी में धकेला,10 दिन की ट्रेनिंग देकर युद्ध में उतारा

एजेंसी

रोहतक। स्टडी वीजा पर रूस गए हरियाणा के युवाओं को जबरन सेना में भर्ती कर युद्ध में धकेला गया है। बच्चों से संपर्क टूटने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई है और उन्होंने सरकार से उन्हें वहां से निकालने की गुहार लगाई है। रोहतक के तैमूरपुर निवासी श्रीभगवान, करनाल के चौरा गांव निवासी अर्जुन शर्मा व हिसार के मदनहेड़ी निवासी आशीष ने शनिवार को मानसरोवर पार्क में सामाजिक कार्यकर्ता नवीन जयहिंद से बातचीत की।परिजनों ने बताया कि 10 दिन की ट्रेनिंग देकर उनके बच्चों को रूस ने जबरन यूक्रेन युद्ध में उतार दिया। महीने भर से उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। चिंतित परिजनों का कहना है कि 5 दिसंबर को दिल्ली आ रहे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी इस मामले में मुलाकात की जाएगी। परिजनों का कहना है कि हरियाणा के 50 से अधिक युवा रूस ने आर्मी में भर्ती कर युद्ध में उतारा है। उन्होंने छोटा भाई अनुज शर्मा 21 मई को रूस में रशियन भाषा की पढ़ाई करने स्टडी वीजा पर गया था। वहां एजेंटों ने लाखों रुपये का लालच देकर आर्मी में भर्ती करा दिया। 12 अक्तूबर को अंतिम बार संपर्क हुआ

थाए उस समय उन्हें यूक्रेन युद्ध में भेजा था। अब कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है।बड़े भाई अमन एक साल के स्टडी वीजा पर रूस गए थे, बीजा खत्म होने पर उनको एजेंटों ने आमी में भर्ती कराया और उनको चॉर्डर पर भेज दिया गया।

राज्य कुश्ती एसोसिएशन का बड़ा फैसला, ये खिलाड़ी कुश्ती चैंपियनशिप में नहीं ले सकेंगे भाग

एजेंसी

हरियाणा। राज्य कुश्ती एसोसिएशन का फैसला आया है। तीनों सेनाओं और रेलवे में तैनात खिलाड़ी अब राज्य कुश्ती चैंपियनशिप में भाग नहीं ले सकेंगे। अगर किसी जिले में इन खिलाड़ियों का चयन टीम में हुआ है तो उसे रद्द करके दूसरे नंबर के खिलाड़ी को मौका दिया जाएगा।

बता दें कि राज्य एसोसिएशन ने सभी जिला एसोसिएशन के अध्यक्ष, महासचिव, अखाड़ा संचालक व इवेंट आयोजकों को निर्देश दिए हैं। एसोसिएशन के हरियाणा महासचिव डॉ. राकेश सिंह कोच ने बताया कि एसएससीबी (सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड) और आरएसपीबी (रेलवे खेल प्रोत्साहन बोर्ड) यानी थल सेना, नौसेना, वायु सेना और रेलवे की टीमें राष्ट्रीय कुश्ती में भाग ले रही हैं।

ऐसे में जिला कुश्ती चैंपियनशिप में भाग लेने वाले ऐसे खिलाड़ी जो वर्तमान में सेना, नौसेना, वायु सेना या रेलवे में तैनात

हैं, उन्हें हरियाणा राज्य कुश्ती चैंपियनशिप में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी। एसोसिएशन के पास विभिन्न खिलाड़ियों, अखाड़ा संचालकों और खिलाड़ियों के अभिभावकों से लिखित शिकायतें मिलीं थीं। इस आधार पर यह फैसला लिया है। इस निर्णय का उद्देश्य सुनिश्चित करना है कि हरियाणा के नए उभरते खिलाड़ियों को अवसर मिल सके। वहीं सभी जिलाध्यक्ष, महासचिव, अखाड़ा संचालकों और इवेंट आयोजकों को 25 नवंबर से पहले अपने-अपने जिले की अंतिम सूची रेसलिंग हरियाणा एसोसिएशन को भेजने के लिए कहा है।

क्या है अनुच्छेद 240? चंडीगढ़ को इसी के दायरे में लाने की तैयारी, खत्म हो जाएगा हरियाणा-पंजाब का कंट्रोल

एजेंसी

हरियाणा। केंद्र सरकार चंडीगढ़ को संविधान के अनुच्छेद 240 के तहत लाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में संविधान का 131वां संशोधन विधेयक पेश किया जाना है। इस कदम का उद्देश्य चंडीगढ़ के प्रशासन को अन्य केंद्र शासित प्रदेशों (ञ्जह्य) के साथ लाना है। लोकसभा सचिवालय के बुलेटिन के अनुसार, इस विधेयक का उद्देश्य चंडीगढ़ को संविधान के अनुच्छेद 240 में शामिल करना है।

इस कदम से चंडीगढ़, अन्य गैर-विधायिका वाले केंद्र शासित प्रदेश जैसे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव और पुडुचेरी के समान हो जाएगा। वर्तमान में पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ का प्रशासन पंजाब के राज्यपाल द्वारा संभाला जाता है। अनुच्छेद 240 के तहत आने वाले सभी केंद्र शासित प्रदेशों में स्वतंत्र प्रशासक होते हैं। यह बदलाव चंडीगढ़ को एक स्वतंत्र प्रशासक देने की संभावना को जन्म देगा।संविधान का अनुच्छेद 240 भारत के राष्ट्रपति को कुछ केंद्र शासित प्रदेशों के लिए सीधे नियम बनाने का अधिकार देता है। यह राष्ट्रपति को उन केंद्र शासित प्रदेश के लिए शांति, प्रगति और सुशासन हेतु नियम बनाने का अधिकार देता है। इस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति द्वारा बनाए गए किसी भी विनियमन में संसद द्वारा बनाए गए किसी भी अधिनियम को निरस्त करने या संशोधित करने की शक्ति होती है और इसे संसद के अधिनियम के समान कानूनी बल और प्रभाव प्राप्त होता है।

पंजाब कर रहा विरोध

यह कदम पंजाब और हरियाणा दोनों राज्यों के लिए एक अत्यंत संवेदनशील राजनीतिक मुद्दा है, क्योंकि दोनों चंडीगढ़ पर अपना पूर्ण दावा करते हैं। आम आदमी पार्टी (AAP) के सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सहित अन्य नेताओं ने इस कदम का कड़ा विरोध किया है। मान ने जोर देकर कहा कि चंडीगढ़ हमेशा पंजाब का अभिन्न अंग रहेगा। साहनी ने कहा कि चंडीगढ़ के विभाजन के बाद पंजाब .

अगले हफ्ते ये दो बड़ी कंपनियां निवेशकों को बांटेंगी बोनस

एचडीएफसी एएमसी और थायरोकेयर टेक्नोलॉजीज दे रही मुफ्त शेयर

नई दिल्ली

शेयर बाजार में निवेशकों के लिए अगले सप्ताह एक खास मौका आ रहा है। कंपनियां अपने मौजूदा शेयरधारकों को बोनस शेयर देंगी, यानी बिना किसी अतिरिक्त निवेश के उन्हें नए शेयर मिलेंगे। इससे शेयरधारकों की हिस्सेदारी बढ़ती है और पोर्टफोलियो में सुधार होता है। हालांकि, हर शेयर का मूल्य एडजस्ट हो जाएगा। एचडीएफसी एएमसी अपने शेयरधारकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर देगी। इसका मतलब है कि जिनके पास एक शेयर है, उन्हें एक नया शेयर मुफ्त मिलेगा। कंपनी का एक्स डेट और रिकॉर्ड डेट 26 नवंबर 2025 तय किया गया है। इस दिन या इससे पहले शेयर खरीदने वाले निवेशक बोनस पाने के योग्य होंगे। थायरोकेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड अपने निर्धारित है। यह कदम कंपनी की बढ़ती सफलता और शेयरधारकों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बोनस इश्यू से निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ती है, बाजार में लिक्विडिटी बेहतर होती है और लंबी अवधि की निवेश रणनीति मजबूत होती है। छोटे निवेशकों के लिए यह

अवसर खास तौर पर लाभकारी है, क्योंकि वे बिना अतिरिक्त निवेश के अपने शेयर बढ़ा सकते हैं।

रोल्स-रॉयस का भारत में निजी क्षेत्र पावर सिस्टम कारोबार बढ़ेगा

- 2026-27 तक 60 फीसदी हिस्सेदारी की उम्मीद

नई दिल्ली ।

बहुराष्ट्रीय एयरोस्पेस और पावर सिस्टम कंपनी रोल्स-रॉयस ने कहा है कि 2026-27 तक उसका भारत में निजी क्षेत्र का पावर सिस्टम कारोबार सरकारी आपूर्ति से अधिक हो जाएगा। कंपनी अपने उत्पाद और समाधान एमटीयू ब्रांड के तहत बेचती है, जिसमें डेटा सेंटर, सेमीकंडक्टर साइट, फैक्ट्रियां और अन्य संस्थागत बैकअप पावर तैनाती शामिल हैं। रोल्स-रॉयस के अनुसार, पहले भारत में कारोबार का लगभग 70 फीसदी हिस्सा सरकारी क्षेत्रों (नौसेना, थल सेना, खनन और अस्पतालों) से आता था और 30 फीसदी निजी क्षेत्र से। अब यह अनुपात लगभग 50-50 प्रतिशत हो गया है। कंपनी का मानना है कि आने वाले वर्षों में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी और बढ़ेगी और 2026-27 तक यह 60 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

रोल्स-रॉयस ने निजी क्षेत्र के तीन मुख्य स्तंभों की पहचान की है -

1.डेटा सेंटरः तेजी से बढ़ती मांग के साथ बड़ा अवसर।

2. गैस इंजनः औद्योगिक और व्यावसायिक उपयोग के लिए।

3. सेमीकंडक्टर निर्माणः निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए समाधान।

कंपनी भारत में 25 साल से अधिक समय से सक्रिय है। वर्तमान में 2,600 से अधिक एमटीयू इंजन और जेनसेट नौसेना, थल सेना, खनन और बिजली क्षेत्रों में सेवा दे रहे हैं।

अमेरिकी कोर्ट ने बायजू के फाउंडर पर 1 अरब डॉलर की डिफॉल्ट जजमेंट जारी की

1,073,647,109.29 डॉलर चुकाने का आदेश दिया

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डेलावेयर बैंकरप्सी कोर्ट ने बायजू के फाउंडर बायजू रवींद्रन के खिलाफ डिफॉल्ट जजमेंट जारी करते हुए उन्हें 1,073,647,109.29 डॉलर चुकाने का आदेश दिया है। यह मामला बायजू की अमेरिकी कंपनी बायजू अल्फा और अमेरिकी लेंडर जीएलएएस ट्रस्ट कंपनी एलआईसी की याचिका से जुड़ा है। बायजू रवींद्रन के नेतृत्व में टीएलपीएल ने अमेरिकी लेंडर्स से 1 बिलियन डॉलर का टर्म लोन बी लिया था।

बाद में आरोप लगे कि बायजू अल्फा ने लोन की शर्तों का उल्लंघन किया और 533 मिलियन डॉलर अवैध रूप से अमेरिका से बाहर ट्रांसफर किए। जीएलएएस ट्रस्ट ने डेलावेयर कोर्ट में केस दायर किया और बायजू अल्फा पर नियंत्रण हासिल किया। डेलावेयर बैंकरप्सी कोर्ट ने पाया कि रवींद्रन डिस्कवरी ऑर्डर का पालन नहीं कर रहे थे और कई बार जानकारी देने से बचते रहे। पहले ही उन्हें प्रतिदिन 10,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया था, जिसे उन्होंने अदा नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि रवींद्रन विदेश में रहते हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि वे कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं करना चाहते।

कोर्ट ने रवींद्रन को बायजू अल्फा से जुड़े सभी फंड्स और उनके ट्रांसफर की पूरी जानकारी देने का आदेश दिया। इसमें कम्सहाफ एलपी इंट्रेस्ट जैसे एसेट्स और उनसे जुड़े हर लेन-देन की जानकारी शामिल है। कोर्ट ने सख्त शब्दों में कहा कि केवल आर्थिक दंड पर्याप्त नहीं है, इसलिए डिफॉल्ट जजमेंट जैसी कठोर कार्रवाई जरूरी थी।

रेलवे ने पार किया 1 अरब टन माल ढुलाई का आंकड़ा

- यह रिकॉर्ड पिछले वर्षों की तुलना में उच्च प्रदर्शन और बढ़ती मांग का संकेत है

नई दिल्ली ।

भारत की आर्थिक रीढ़ मानी जाने वाली रेलवे की माल ढुलाई 2025-26 में 19 नवंबर तक 102 करोड़ टन पार कर गई। यह रिकॉर्ड पिछले वर्षों की तुलना में उच्च प्रदर्शन और बढ़ती मांग का संकेत है। सबसे बड़ा योगदान कोयला (50.5 करोड़ टन) का रहा। इसके बाद लौह अयस्क 11.5 करोड़ टन, सीमेंट 9.2 करोड़ टन, कंटेनर व्यापार 5.9 करोड़ टन, कच्चा लोहा और तैयार इस्पात 4.7 करोड़ टन, उर्वरक 4.2 करोड़ टन, खनिज तेल 3.2 करोड़ टन, खाद्यान्न 3 करोड़ टन और अन्य माल 7.4 करोड़ टन रहा। रेल मंत्रालय के अनुसार, दैनिक माल ढुलाई 44 लाख टन रही, जो पिछले वर्ष के 42 लाख टन से अधिक है। यह बेहतर संचालन दक्षता और लगातार मांग को दर्शाता है। यह उपलब्धि

भारतीय उद्योगों, निर्माण और ऊर्जा क्षेत्रों की मजबूती को दर्शाती है।

सेंसेक्स की टॉप सात कंप नियों का मार्केट कैप बढ़कर 1.28 लाख करोड़ हुआ

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज नंबर वन पर बरकरार रही

मुंबई ।

पिछले हफ्ते शेयर बाजार में अच्छी-खासी तेजी देखने को मिली। इस रफ्तार का फायदा देश की टॉप 10 कंपनियों में से 7 कंपनियों को हुआ, जिनका बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बढ़कर करीब 1.28 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। हालांकि, तीन दिग्गज कंपनियों को घाटा भी उठाना पड़ा। निवेशक और विशेषज्ञ अब अगले हफ्ते के रुझानों पर नजर रखे हुए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे बड़ा फायदा हुआ, इसके बाजार पूंजीकरण में 36,673 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई। भारती एयरटेल का सिर्फ एक हफ्ते में मार्केट कैप 36,579 करोड़ बढ़ गया, आईटी सेक्टर की दिग्गज कंपनी इन्फोसिस ने 17,490 करोड़ रुपए की बढ़त दर्ज की। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण में 16,299 करोड़ की वृद्धि हुई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 14,608 करोड़ पहुंच गया। एसबीआई और

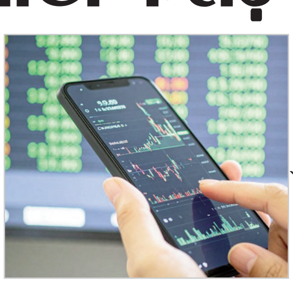

हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण में क्रमशः 4,846 करोड़ और 1,786 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। इसके विपरीत बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में 8,245 करोड़ रुपए की गिरावट देखी गई। वहीं एलआईसी का बाजार पूंजीकरण घटकर 4,522 करोड़ और आईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण घटकर 1,248 करोड़ रहा। शीर्ष 10 कंपे नियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज का स्थान नंवर बन पर बरकरार रहा। एचडीएफसी बैंक दूसरे और भारतीय एयरटेल तीसरे नंबर पर रही।

भारत, इजरायल प्रस्तावित एफटीए को दो चरणों में लागू करेंगे

भारत-इजरायल मुक्त व्यापार समझौते पर दो चरणों में होगा विचार

जेरुशलम । भारत और इजरायल ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता शुरू करने के लिए टीओआर पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए। इस टीओआर में माल के लिए बाजार पहुंच, शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करना, निवेश सुगम बनाना और सेवा व्यापार को बढ़ावा देना शामिल है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि समझौते को दो चरणों में लागू करने पर विचार किया जा रहा है। पहला चरण जल्दी पूरा कर, व्यापारिक समुदाय को शीघ्र लाभ पहुंचाना प्राथमिकता होगी। संवेदनशील मुद्दों को अभी नहीं छुआ जाएगा। दोनों देश आरएंडडी और नवाचार के माध्यम से संयुक्त परियोजनाओं पर काम करेंगे। इजरायल अपनी विशेषज्ञता साझा करेगा और भारत अपने बड़े बाजार का लाभ उठाएगा। गोयल 60 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के नेतृत्व में इजरायल में हैं।

एफपीआई ने इस महीने भारतीय पूंजी बाजार में 3,504 करोड़ का निवेश किया

- अक्टूबर में भी एफपीआई ने कुल 35,246 करोड़ रुपए का निवेश किया था

मुंबई । पिछले कुछ महीनों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) का व्यवहार उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन नवंबर में स्थिति थोड़ी अलग दिखी। इस महीने उन्होंने भारतीय पूंजी बाजार में कुल 3,504 करोड़ रुपए का नेट निवेश किया। हालांकि, इक्विटी से शुद्ध बिकवाली 3,788 करोड़ रुपए रही, लेकिन डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स में उनकी खरीदारी बढ़ी। डेट मार्केट में उन्होंने 4,467 करोड़, म्यूचुअल फंड्स में 2,713 करोड़ और हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स में 112 करोड़ का निवेश किया। इसका मतलब यह है कि विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में पूरी तरह से बाहर नहीं हुए हैं, बल्कि जोखिम भरे हिस्सों से बचते हुए सुरक्षित निवेश कर रहे हैं। अक्टूबर में भी एफपीआई का मूड अच्छा रहा। उन्होंने कुल 35,246 करोड़ रुपए का निवेश किया। इससे पहले जून से सितंबर तक लगातार चार महीने विदेशी निवेशकों ने बिकवाली की थी। इस लिहाज से अक्टूबर-नवंबर दो महीने से निवेश का रुझान लौटता हुआ दिखाई दे रहा है। साल 2024 की पूरी स्थिति देखें तो अब तक एफपीआई की कुल पोजिशन निगेटिव है। भारतीय बाजारों से उन्होंने 45,861 करोड़ रुपए की शुद्ध बिकवाली की है। इसमें इक्विटी से 1,37,516 करोड़, डेट में 87,083 करोड़ का निवेश और म्यूचुअल फंड्स में 2,716 करोड़ रुपए का निवेश शामिल है। नवंबर की गतिविधियों से संकेत मिलता है कि विदेशी निवेशक अब भी भारतीय बाजार के प्रति सावधानी बरत रहे हैं। वे इक्विटी में उतार-चढ़ाव से बचते हुए डेट और म्यूचुअल फंड में भरोसा दिखा रहे हैं। आने वाले हफ्तों में एफपीआई के निवेश का रुझान और स्पष्ट होगा।

इस सप्ताह अस्थिर रह सकता है घरेलू शेयर बाजार

- वैश्विक कारकों पर रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई । बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों ने तेजी और गिरावट के मिश्रित रुझान दिखाए। सोमवार को बाजार में शुरुआती तेजी रही, लेकिन अगले ही दिन गिरावट देखने को मिली। मंगलवार और शुक्रवार को फिर तेजी दर्ज हुई, जिससे बीएसई का सेंसेक्स और निफ्टी-50 इस साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। हालांकि अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को बाजार में गिरावट दर्ज की गई। निवेशक अब इस सप्ताह वैश्विक कारकों और रुपये की चाल पर नजर रखेंगे, क्योंकि बीते सप्ताह रुपये में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट आई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह बाजार अस्थिर रह सकता है। रुपये की कमजोरी से आयातित महंगाई बढ़ सकती है, जो कंपनियों के मुनाफे पर दबाव डाल सकती है। वहीं वैश्विक बाजारों की दिशा और तेल-सोना जैसे कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी घरेलू बाजार की चाल को प्रभावित कर सकता है। इस सप्ताह औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े भी जारी होंगे, लेकिन शुक्रवार शाम को आने के कारण उनका असर अगले सप्ताह ही दिखाई देगा। निवेशक इन आंकड़ों के आधार पर लंबी अवधि के निवेश और पोर्टफोलियो समायोजन कर सकते हैं।

इंडिगो 22 दिसंबर से सेंसेक्स में होगी शामिल

- इंटरग्लोब एविएशन करेगा 7,270 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो का संचालन करने वाली इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड 22 दिसंबर से बीएसई के 30 शेयरों वाले प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में शामिल हो जाएगी। बीएसई इंडेक्स सर्विसेज ने सूचकांकों के पुनर्गठन की घोषणा करते हुए बताया कि इस बदलाव के साथ टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड को सेंसेक्स से बाहर कर दिया जाएगा। यह परिवर्तन सोमवार यानी 22 दिसंबर को बाजार खुलते ही प्रभावी हो जाएगा। सूचना के बाद शनिवार को इंडिगो का शेयर 0.92 फीसदी की बढ़त के साथ 5,840.25 रुपये पर बंद हुआ। बीएसई ने अन्य इंडेक्स में भी बदलाव किए हैं। बीएसई 100 सूचकांक में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक को शामिल किया गया है, जो अडानी ग्रीन एनर्जी की जगह लेगा। इसके अलावा बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट 50 में मैक्स हेल्थकेयर को जोड़ा जाएगा, जबकि इंडसइंड बैंक को इस सूचकांक से हटा दिया गया है। विश्लेषकों का मानना है कि इन बदलावों से संबंधित शेयरों में निवेशकों का रुझान बढ़ सकता है। इंडिगो ने विमान अधिग्रहण को तेज करने के लिए अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी इंटरग्लोब

एविएशन फाइनेंशियल सर्विसेज आईएफएससी प्राइवेट लिमिटेड में 82 करोड़ डॉलर यानी लगभग 7,270 करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बताया कि यह निवेश शेयरों और 0.01 फीसदी गैर-संचयी वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय प्रतिदेय तरजही शेयर के संयोजन में एक या अधिक किस्तों में किया जाएगा। इस पूंजी का उपयोग मुख्य रूप से विमान और विमानन परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए किया जाएगा, ताकि कंपनी अधिक विमान अपनी प्रत्यक्ष स्वामित्व में ले सके। विमान ट्रैकिंग वेबसाइट प्लेनस्पॉटर के अनुसार, 21 नवंबर तक इंडिगो के बेड़े में कुल 411 विमान हैं, जिनमें से 365 परिचालन में हैं जबकि 46 ग्राउंडेड हैं। पारंपरिक रूप से लीजिंग मॉडल पर संचालन करने वाली इंडिगो ने 12 अक्टूबर 2023 को आईएफएससी इकाई बनाई थी, जो अब विमान खरीदने और उन्हें इंडिगो को ही लीज पर देने का काम करती है। यह कदम कंपनी की दीर्घकालिक लागत रणनीति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

यूफ्लेक्स धारवाड़ में पैकेजिंग फिल्म क्षमता बढ़ाने 700 करोड़ निवेश करेगी

- 54,000 टन प्रति वर्ष नई क्षमता जोड़ने से वैश्विक उत्पादन बढ़कर 6,90,160 टन होगा

नई दिल्ली । फ्लेक्सिबल पैकेजिंग कंपनी यूफ्लेक्स लिमिटेड कर्नाटक के धारवाड़ में अपने संयंत्र में पैकेजिंग फिल्म उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए 700 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, इस निवेश से धारवाड़ संयंत्र में 54,000 टन प्रति वर्ष की नई क्षमता जुड़ जाएगी। यूफ्लेक्स के समूह अध्यक्ष ने बताया कि यह परियोजना कंपनी के वैश्विक पोर्टफोलियो को मजबूत करेगी। निवेश के बाद कंपनी की वैश्विक पैकेजिंग फिल्म क्षमता 6,36,160 टन से बढ़कर 6,90,160 टन प्रति वर्ष हो जाएगी। धारवाड़ में यह विस्तार गुजरात के साणंद में हाल ही में पूरी हुई एसेप्टिक पैकेजिंग क्षमता वृद्धि के बाद हो रहा है। इसके अलावा, मिस्र, मेक्सिको और नोएडा में चल रही रणनीतिक परियोजनाएं भी कंपनी की वैश्विक क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

तेल-तिलहन बाजारः सरसों और पामोलीन की कीमतें गिरीं

- सोयाबीन और मूंगफली तेल में मामूली सुधार

नई दिल्ली । बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में कीमतों में मिली-जुली चाल रही। सरसों और पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि सोयाबीन और मूंगफली तेल में त्योहारी और जाड़े की मांग के असर से हल्का सुधार देखने को मिला। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव किसानों की आपूर्ति, घरेलू मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजार की स्थितियों का प्रत्यक्ष परिणाम है। सरसों के दाम 25 रुपये कम होकर 7,100-7,150 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। सरसों दादरी तेल 75 रुपये गिरकर 14,675 रुपये और पक्की व कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,455-2,555 और 2,455-2,590 रुपये प्रति टिन (15 किलो) पर रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार सरसों के ऊंचे भाव के कारण लिवाली अपेक्षा अनुसार नहीं हो रही, जिससे कीमतें गिरीं। सोयाबीन तेल की कीमतों में मामूली सुधार देखने को मिला। दिल्ली और इंदौर में सोयाबीन तेल क्रमशः 13,325 और 13,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए, जबकि डीगम तेल 50 रुपये बढ़कर 10,200 रुपये पर पहुंचा। त्योहारी मांग और सरकार की खरीद की उम्मीद से गिरावट सीमित रही। जाड़े की मांग के चलते मूंगफली तिलहन 100 रुपये बढ़कर 6,275-6,650 रुपये प्रति क्विंटल, गुजरात का मूंगफली तेल 250 रुपये बढ़कर 14,750 रुपये और साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये बढ़कर 2,400-2,700 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। सीपीओ तेल 50 रुपये गिरकर 11,250 रुपये, पामोलीन दिल्ली 13,050 रुपये और पामोलीन एक्स कांडला 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। बिनौला तेल के दाम भी 100 रुपये कम होकर 12,450 रुपये पर रहे।

यूनिसन मेटल्स ने की 1:10 शेयर स्प्लिट करने की घोषणा

- शेयर स्प्लिट का फैसला और रिकॉर्ड डेट तय

नई दिल्ली । स्टेनलेस स्टील निर्माता यूनिसन मेटल्स लिमिटेड ने अपने शेयरों को 1:10 के रेशियो में स्प्लिट करने का बड़ा फैसला लिया है। यानी, अब जो शेयर 10 रुपए फेस वैल्यू के थे, उन्हें 10 नए शेयरों में बांट दिया जाएगा, प्रत्येक का फेस वैल्यू केवल 1 रुपए होगा। यह प्रस्ताव 29 सितंबर 2025 को हुई वार्षिक आम बैठक में शेयरहोल्डर्स द्वारा पास किया गया। कंपनी ने रिकॉर्ड डेट 28 नवंबर तय की है। इस तारीख तक जिनके पास शेयर होंगे, उन्हें पुराने शेयरों के बदले नए शेयर मिल जाएंगे। शेयर स्प्लिट के बावजूद निवेशकों की कुल राशि में कोई बदलाव नहीं होगा। केवल शेयरों की संख्या 10 गुना बढ़ जाएगी और कीमत अपने आप एडजस्ट हो जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि किसी निवेशक के पास 100 शेयर थे, तो स्प्लिट के बाद उन्हें 1000 नए शेयर मिलेंगे। इस कदम का उद्देश्य छोटे निवेशकों के लिए शेयर खरीदना आसान बनाना और बाजार में लिक्विडिटी बढ़ाना है। यूनिसन मेटल्स यूसीएम ग्रुप का हिस्सा है और यह हॉट-कोल्ड रोल्ड स्टेनलेस स्टील शीट्स, किचनवेयर, बर्तन-कटलरी और स्टोरेज टैंक्स बनाती है। कंपनी ने यूनाइटेड नेशंस इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन के साथ विभिन्न प्रोडक्ट्स में कोलैबोरेशन के लिए भी नामांकित किया गया है।

एसएमएफसीएल ने समुद्री क्षेत्र में 25,000 करोड़ तक फाइनेंसिंग की मंजूरी दी

नई दिल्ली । भारत की पहली समुद्री क्षेत्र की नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी सागरमाला फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एसएमएफसीएल) ने कुल 25,000 करोड़ रुपये तक कर्ज लेने की मंजूरी दी है। इस वित्त वर्ष (2024-25) में कंपनी 8,000 करोड़ रुपये तुरंत जुटाएगी ताकि लोन देना जल्दी शुरू किया जा सके। एसएमएफसीएल देश की प्रमुख रेटिंग एजेंसियों से संपर्क कर रही है। समुद्री क्षेत्र की मजबूत संभावनाओं और लंबी प्रोजेक्ट लाइन के चलते एपेक्स रेटिंग मिलने की उम्मीद है। अच्छी रेटिंग से निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और कर्ज पर ब्याज दर कम होगी। कंपनी का लक्ष्य भारत को दुनिया के बड़े जहाज निर्माण देशों में शामिल करना है। एसएमएफसीएल सरकारी और प्राइवेट सेक्टर की कंपनियों को शॉर्ट-टर्म, मीडियम-टर्म और लॉन्ग-टर्म लोन देगी। साथ ही, कैश फ्लो और गारंटी जैसी सेवाएं भी प्रदान करेगी।

भारत में जलवायु संकट-स्वास्थ्य एवं समृद्धि पर कहर

ललित गर्ग

पर्यावरणीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी तकनीकी कोशिशें। प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना, संसाधनों का संयमित उपयोग, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने की दृष्टि, जलवायु संकट के खिलाफ हमारी सामूहिक ताकत बन सकती है। यदि समाज में यह चेतना विकसित हो कि प्रकृति का संरक्षण ही जीवन और प्रगति का आधार है, तो परिवर्तन स्वतः शुरू हो जाता है।

जलवायु परिवर्तन से उपजी पर्यावरणीय चुनौतियाँ आज मानव सभ्यता के अस्तित्व तक को प्रभावित कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन अब कोई दूर का वैज्ञानिक विचार नहीं, बल्कि तत्काल अनुभव किया जाने वाला यथार्थ है, जिसकी भयावहता का प्रमाण सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया 2025 की रिपोर्ट में स्पष्ट दिखाई देता है। जनवरी से सितंबर 2025 तक भारत ने अपने 99 प्रतिशत दिनों में किसी न किसी चरम मौसमी घटना-बाढ़, सूखा, भारी बारिश, तूफान, ठंड-लहर, अथवा भीषण गर्मी का सामना किया। इसी अवधि में 4,064 लोगों की मौत, 9.47 मिलियन हेक्टेयर फसल का नष्ट होना, लगभग 58,982 जानवरों की मृत्यु और 99,533 घरों का ढहना इस संकट की गहराई को दर्शाते हैं। कृषि क्षेत्र इन घटनाओं का सबसे बड़ा शिकार बना, क्योंकि जलवायु असंतुलन ने खेतों, मौसम चक्र और पैदावार को सीधे प्रभावित किया। बढ़ते तापमान और असामान्य वर्षा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले देश के सामने ये मुश्किलें सबसे बड़ी हैं। हिमाचल प्रदेश में 257 दिनों का चरम मौसम, मध्य प्रदेश में 532 मौतें और महाराष्ट्र में 84 लाख हेक्टेयर फसल का नुकसान बताता है कि यह सिर्फ पर्यावरणीय विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था का संकट है।

2025 में, कम से कम 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 2022 के बाद से सबसे अधिक चरम मौसमी दिन दर्ज किए गए। फरवरी से सितंबर 2025 तक, लगातार आठ महीनों तक देश के 30 या उससे अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चरम मौसम की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं। भारत में जैसे हालात हैं, वही स्थिति पूरे विश्व में भी फैलती जा रही है। वर्ष 2023, 2024 और 2025 दुनिया के सबसे गर्म वर्षों में शामिल रहे। यूरोप की निरंतर हीटवेव, अफ्रीका के साहेल क्षेत्र का अकाल, अमेजन और ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग, प्रशांत और अटलांटिक महासागरों में उग्र तूफान, और ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने की घटनाएँ यह संकेत दे रही हैं कि पृथ्वी एक खतरनाक मोड़ की ओर बढ़ रही है। मौसम चक्रों का असंतुलन, समुद्र स्तर में वृद्धि, तापमान का अचानक बढ़ना और वर्षा का अनियमित होना, प्राकृतिक आपदाओं को न सिर्फ अधिक सघन बना रहा है बल्कि मानव जीवन को असुरक्षित भी। जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी वजह मनुष्य की अनियंत्रित गतिविधियाँ हैं- जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता, वनों की कटाई, प्रदूषण, अनियोजित शहरीकरण और अत्यधिक उपभोग ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों को खतरनाक स्तर तक बढ़ा दिया है, जिसका परिणाम है पृथ्वी का असामान्य रूप से गर्म होना।

इन परिस्थितियों का असर जीवन के हर क्षेत्र पर दिखाई दे रहा है। स्वास्थ्य पर प्रभाव बढ़ रहा है, हीटवेव के कारण मौतें बढ़ रही हैं, नए वायरस और प्रदूषण से उत्पन्न बीमारियों की आवृत्ति बढ़ी है। जल संसाधन खतरे में हैं और कई क्षेत्रों में नदियाँ व भूजल तेजी से सूख रहे हैं। खाद्य संकट गहराता जा रहा है क्योंकि फसलें असफल हो रही हैं, जिससे अनाज और सब्जियों की कीमतें बढ़ रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक ढाँचा भी डगमगा रहा है, लाखों लोग विस्थापित हो रहे हैं और असमानता तेजी से बढ़ रही है। यदि दुनिया ने तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने का लक्ष्य पूरा नहीं किया, तो आने वाले तीन दशकों में हिमालयी नदियों का प्रवाह अनिश्चित हो जाएगा, तटीय शहर खतरे में पड़ेंगे और मानव जीवन मुश्किल होता चला जाएगा।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को दशार्ती एक ओर रिपोर्ट पिछले दिनों 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' के अनुसार पिछले साल जलवायु परिर्वतन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

विडंबना यह है कि 'द लांसेट' की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं। सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया और द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025 रिपोर्टों में उजागर तथ्य हमारी आंख खोलने वाले व सचेतक हैं।

इन्हीं चिन्ताजनक रिपोर्टों पर सीएसई की महानिदेशक सुनिता नारायण ने कहा, देश को अब सिर्फ आपदाओं को गिनने की जरूरत नहीं है, बल्कि उस पैमाने को समझने की जरूरत है जिस पर जलवायु परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर उत्सर्जन कटौती की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि इतने बड़े पैमाने की आपदाओं के लिए कोई भी अनुकूलन संभव नहीं होगा। सीएसई के कार्यक्रम निदेशक किरन पांडे ने मानसून के दौरान बढ़ते तापमान को चिंताजनक बताया, जो अनियमित और चरम मौसमी घटनाओं को ट्रिगर कर सकता है। डाउन टू अर्थ के प्रबंध संपादक रिचर्ड महापात्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट एक आवश्यक चेतावनी है और बिना निर्णायक शमन प्रयासों के आज की आपदाएं कल का नया सामान्य बन जाएंगी। ऐसे समय में सिर्फ सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर आम नागरिक को भी पर्यावरण संरक्षण का सहभागी बनना होगा। सबसे पहले जीवनशैली को प्रकृति के अनुकूल बनाना जरूरी है, ऊर्जा की बचत, जल का सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग, प्लास्टिक का परित्याग, वृक्षारोपण, जैविक कचरे का पृथक्करण और पुनर्चक्रण जैसी छोटी गतिविधियाँ बड़े परिणाम ला सकती हैं। घरेलू स्तर पर सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, रसोई कचरे से खाद बनाना और अनावश्यक उपभोग कम करना पर्यावरण पर सकारात्मक असर डालते हैं। वाहन का कम उपयोग, सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता, पैदल चलने और साइकिल जैसे पर्यावरण-मित्र विकल्प अपनाना जलवायु परिवर्तन से लड़ने की दिशा में शक्तिशाली कदम हैं।

पर्यावरणीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी तकनीकी कोशिशें। प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना, संसाधनों का संयमित उपयोग, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने की दृष्टि, जलवायु संकट के खिलाफ हमारी सामूहिक ताकत बन सकती है। यदि समाज में यह चेतना विकसित हो कि प्रकृति का संरक्षण ही जीवन और प्रगति का आधार है, तो परिवर्तन स्वतः शुरू हो जाता है। शिक्षा, जागरूकता और जनभागीदारी इस लड़ाई के सबसे महत्वपूर्ण हथियार हैं। स्कूलों और घरों में बच्चों को पर्यावरणीय मूल्यों का प्रशिक्षण देना भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी होगा। जलवायु संकट अपने आप नहीं थमेगा; इसे रोकने के लिए संकल्प, संयुक्त प्रयास और सतत विकास को जीवन की प्राथमिकता बनाना आवश्यक है। पृथ्वी हमारे पास केवल एक है और उसका कोई विकल्प नहीं। समय का यही संदेश है कि यदि हम प्रकृति की चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लेंगे, तो आने वाला समय मानवता के लिए और भी कठिन हो जाएगा। लेकिन यदि हर मनुष्य अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाए, तो जलवायु परिवर्तन की दिशा को बदला जा सकता है और धरती को संतुलन, शांति और स्थायित्व प्रदान किया जा सकता है।

संपादकीय

त्रासदी की जवाबदेही

यह खबर विचलित करने वाली है कि दिल्ली में एक सोलह वर्षीय छात्र और जयपुर में एक नौ साल की छात्रा ने स्कूल की असहज स्थितियों के चलते आत्महत्या कर ली है। निस्संदेह, ये आत्महत्या की घटनाएं एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करती हैं। भारत के स्कूल, जिनका उद्देश्य बच्चों का पालन-पोषण और सुरक्षा करना है, तेजी से ऐसे स्थानों में बदल रहे हैं जहां क्रूरता, उपेक्षा और अनियंत्रित अधिकार बच्चों के जीवन को बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां कोई असामान्य बात नहीं हैं; ये एक असफल व्यवस्था के लक्षण हैं। तीसरी भयावह घटना महाराष्ट्र के वसई की है जहां एक तेरह साल की छात्रा को किसी कारणवश स्कूल देर से पहुंचने पर शिक्षक ने अमानवीय सजा दी। छात्रा को स्कूल बैग के साथ सौ उठक-बैठक लगाने को बाध्य किया गया। यह तथ्य नजरअंदाज करते हुए कि वह एनीमिया से पीड़ित है। छात्रा कुछ देर के बाद बेहोश हो गई और कालांतर में उसकी मौत हो गई। निस्संदेह, एक छात्र व एक छात्रा की आत्महत्या और महाराष्ट्र के वसई में छात्रा की उठक-बैठक लगाने से हुई मौत एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करती है। स्कूल जिनका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को पालन-पोषण और सुरक्षा करना था, वे बच्चों के जीवन पर संकट की वजह बन रहे हैं। वहां शिक्षकों की संवेदनहीनता, उपेक्षा और सख्त व्यवहार कई बच्चों का जीवन बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां असामान्य बात नहीं, ये हमारी शिक्षा व्यवस्था की असफलता की कहानी कहती है। दिल्ली में, मेट्रो स्टेशन से छलांग लगाने वाले किशोर ने अपने शिक्षकों के हाथों अपमान का हृदय विदारक वर्णन करते हुए एक पत्र छोड़ा है। उसके माता-पिता ने छात्र के उत्पीड़न का आरोप शिक्षकों पर लगाया है। उनका आरोप है कि उसे छोटी-छोटी बात पर डांटा गया, निष्कासन की धमकी दी गई और सहपाठियों के सामने मजाक उड़ाया गया। आत्महत्या करने वाले छात्र के अभिभावकों द्वारा प्राथमिकी में बताया गया कि छात्र ने मन में आने वाले आत्महत्या के विचार से काउंसलर को अवगत कराया था। लेकिन शिक्षकों ने न तो माता-पिता को सूचित किया और न ही उसे इस दिशा में सोचने से रोकने के लिये कोई सलाह दी गई। निश्चित रूप से जब कोई छात्र अपनी किसी गंभीर समस्या का जिक्र करता है तो ऐसे में उदासीनता हिंसा का एक रूप ही कही जाएगी।

चिंतन-मनन

बद्धजीव का कर्मक्षेत्र

अर्जुन प्रकृति, पुरुष, क्षेत्र, क्षेत्रज्ञ, ज्ञान तथा ज्ञेय के विषय में जानने का इच्छुक था। जब उसने इनके विषय में पूछा तो कृष्ण ने कहा कि यह शरीर क्षेत्र कहलाता है और इस शरीर को जानने वाला क्षेत्रज्ञ है। यह शरीर बद्धजीव के लिए कर्म-क्षेत्र है। बद्धजीव इस संसार में बंधा हुआ है और वह भौतिक प्रकृति पर अपना प्रभुत्व प्राप्त करने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार प्रकृति पर प्रभुत्व दिखाने की क्षमता के अनुसार उसे कर्म-क्षेत्र प्राप्त होता है। यह कर्म-क्षेत्र शरीर है। और यह शरीर क्या है? शरीर इन्द्रियों से बना हुआ है। बद्धजीव इन्द्रियतृप्ति चाहता है, और इन्द्रियतृप्ति को भोगने की क्षमता के अनुसार ही उसे शरीर या कर्म-क्षेत्र प्रदान किया जाता है। इसीलिए बद्धजीव के लिए शरीर क्षेत्र अथवा कर्मक्षेत्र कहलाता है।

जो व्यक्ति अपने को शरीर मानता है, वह क्षेत्रज्ञ कहलाता है। क्षेत्र तथा क्षेत्रज्ञ अथवा शरीर और शरीर के ज्ञाता (देही) का अन्तर समझ पाना कठिन नहीं है। कोई भी व्यक्ति सोच सकता है कि बाल्यकाल से वृद्धावस्था तक उसमें अनेक परिवर्तन होते रहते हैं, फिर भी वह व्यक्ति वही रहता है। इस प्रकार कर्म-क्षेत्र के ज्ञाता तथा वास्तविक कर्म-क्षेत्र में अन्तर है। एक बद्धजीव जान सकता है कि वह अपने शरीर से भिन्न है। बताया गया है कि जीव शरीर के भीतर है और यह शरीर बालक से किशोर, किशोर से तरुण तथा तरुण से वृद्ध के रूप में बदलता जाता है और शरीरधारी जानता है कि शरीर परिवर्तित हो रहा है। स्वामी स्पष्टतः क्षेत्रज्ञ है।

कभी-कभी हम सोचते हैं। मैं सुखी हूं, मैं पुरुष हूं, मैं स्त्री हूं। यह ज्ञाता की शारीरिक उपाधियां हैं, लेकिन ज्ञाता शरीर से भिन्न होता है। भले ही हम तरह-तरह की वस्तुएं प्रयोग में लाएं- जैसे कपड़े इत्यादि, लेकिन हम जानते हैं कि हम इन वस्तुओं से भिन्न हैं। इसी प्रकार, थोड़ा विचार करने पर हम यह भी जानते हैं कि हम शरीर से भिन्न हैं। मैं, तुम या अन्य कोई जिसने शरीर धारण कर रखा है, क्षेत्रज्ञ कहलाता है- अर्थात वह कर्म-क्षेत्र का ज्ञाता है और यह शरीर क्षेत्र है- साक्षात कर्म-क्षेत्र है।

गुरु तेग बहादुरः शहादत की अनंत ज्योति, धर्म-रक्षा का अमर संदेश

दिलीप कुमार पाठक

गुरु तेग बहादुर सिंह सिक्खों के नौवें गुरु थे। विश्व इतिहास में धर्म एवं सिद्धांतों की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में इनका अद्वितीय स्थान है। तेग बहादुर जी के बलिदान से हिंदुओं व हिन्दू धर्म की रक्षा हुई। हिन्दू धर्म के लोग भी उन्हें याद करते हैं ' तेग बहादुर सिंह 20 मार्च, 1664 को सिक्खों के गुरु नियुक्त हुए थे और 24 नवंबर, 1675 तक गद्दी पर आसीन रहे।

गुरु तेग बहादुर जी का जन्म अमृतसर में हुआ था, ये गुरु हरगोविन्द जी के पाँचवें पुत्र थे। आठवें गुरु इनके पोते हरिकृष्ण राय जी की मृत्यु हो जाने के कारण जनमत द्वारा ये नौवें गुरु बनाए गए। इन्होंने आनन्दपुर साहिब का निर्माण कराया और ये वहीं रहने लगे थे, मात्र 14 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ मुगलों के हमले के खिलाफ हुए युद्ध में उन्होंने वीरता का परिचय दिया। उनकी वीरता के कारण उनके पिता ने उनका नाम त्यागमल से तेग बहादुर रख दिया। युद्धस्थल में भीषण रक्तपात देखकर गुरु तेग बहादुर के मन पर गहरा प्रभाव पड़ा और उनका मन आध्यात्मिक चिंतन की ओर हुआ। त्याग की मूर्ति गुरु तेग बहादुर जी ने एकांत में लगातार 20 वर्ष तक बाबा बकाला नामक स्थान पर साधना की। आनंदपुर साहब से कीरतपुर, रोपण, सैफाबाद होते हुए वे खिआला पहुँचे । यहाँ उपदेश देते हुए दमदमा साहब से होते हुए कुरुक्षेत्र पहुँचे। कुरुक्षेत्र से यमुना के किनारे होते हुए कड़ामानकपुर पहुँचे और यहीं पर उन्होंने साधु भाई मलूकदास का उद्धार किया। इसके बाद गुरु तेग बहादुर जी प्रयाग, बनारस, पटना, असम आदि क्षेत्रों में गए, जहाँ उन्होंने आध्यात्मिक, सामाजिक, आर्थिक, उन्नयन के लिए रचनात्मक कार्य किए। आध्यात्मिकता, धर्म का ज्ञान बाँटा। रूढ़ियों, अंधविश्वासों की आलोचना कर नये आदर्श स्थापित किए। उन्होंने परोपकार के लिए कुएँ खुदवाना, धर्मशालाएँ बनवाना आदि कार्य भी किए। इन्हीं यात्राओं में 1666 में गुरुजी के यहाँ पटना साहब में पुत्र का जन्म हुआ। जो दसवें गुरु- गुरु गोविंद सिंह बने।

औरंगजेब के शासन काल में उसके दरबार में एक विद्वान पंडित आकर रोज गीता के श्लोक पढ़ता और उसका अर्थ सुनाता था, पर वह पंडित गीता में से कुछ श्लोक छोड़ दिया करता था। एक दिन पंडित बीमार हो गया और औरंगजेब को गीता सुनाने के लिए उसने अपने बेटे को भेज दिया परन्तु उसे बताना भूल गया कि उसे किन किन श्लोकों का अर्थ राजा से सामने नहीं करना था। पंडित के बेटे ने जाकर औरंगजेब को पूरी गीता का अर्थ सुना दिया। गीता का पूरा अर्थ सुनकर औरंगजेब को यह ज्ञान हो गया कि प्रत्येक धर्म अपने आपमें महान है किन्तु औरंगजेब की हठधर्मिता थी कि वह अपने के धर्म के अतिरिक्त किसी दूसरे धर्म की प्रशंसा सहन नहीं थी। औरंगजेब ने सबको इस्लाम धर्म अपनाने का आदेश दे दिया और संबंधित अधिकारी को यह कार्य सौंप दिया। औरंगजेब ने कहा -सबसे कह दो या तो इस्लाम धर्म कबूल करें या मौत को गले लगा लें। इस प्रकार की जबर्दस्ती शुरू हो जाने से अन्य धर्म के लोगों का जीवन कठिन हो गया। जुल्म से ग्रस्त कश्मीर के पंडित गुरु तेग बहादुर के पास आए और उन्हें बताया कि किस प्रकार ?इस्लाम को स्वीकार करने के लिए अत्याचार किया जा रहा है, कृपया आप हमारे धर्म को बचाइए। गुरु तेग बहादुर जब लोगों की व्यथा सुन रहे थे, उनके 9 वर्षीय पुत्र बाला प्रीतम वहाँ आए और उन्होंने पिताजी से पूछा- पिताजी, ये सब इतने उदास क्यों हैं? आप क्या सोच रहे हैं?गुरु तेग बहादुर ने पंडितों की सारी समस्याएं बाला प्रीतम को बताईं तो उन्होंने पूछा- इसका हल कैसे होगा? गुरु साहिब ने कहा- इसके लिए बलिदान देना होगा। प्रीतम ने कहा- आपसे महान पुरुष कोई नहीं है। बलिदान देकर आप इन सबके धर्म को बचाइए।उस बच्चे की बातें सुनकर वहाँ उपस्थित लोगों ने पूछा- यदि आपके पिता बलिदान देंगे तो आप यतीम हो जाएँगे। आपकी माँ विधवा हो जाएगीं। बाला प्रीतम ने उत्तर दिया- यदि मेरे अकेले के यतीम होने से लाखों बच्चे यतीम होने से बच सकते हैं या अकेले मेरी माता के विधवा होने जाने से लाखों माताएँ विधवा होने से बच सकती है तो मुझे यह स्वीकार है। तत्पश्चात गुरु तेग बहादुर जी ने पंडितों से कहा कि आप जाकर औरंगजेब से कह ?दें कि यदि गुरु तेग बहादुर ने इस्लाम धर्म ग्रहण कर लिया तो उनके बाद हम भी इस्लाम धर्म ग्रहण कर लेंगे और यदि आप गुरु तेग बहादुर जी से इस्लाम धारण नहीं करवा पाए तो हम भी इस्लाम धर्म धारण नहीं करेंगे। औरंगजेब ने यह स्वीकार कर लिया। गुरु साहब दिल्ली में औरंगजेब के दरबार में स्वयं गए। औरंगजेब ने उन्हें बहुत से लालच दिए, पर गुरु तेग बहादुर जी नहीं माने तो उन पर जुल्म किए गये, उन्हें कैद कर लिया गया, दो शिष्यों को मारकर गुरु तेग बहादुर जी को ड़राने की कोशिश की गयी, पर वे नहीं माने। उन्होंने औरंगजेब से कहा- यदि तुम जबर्दस्ती लोगों से इस्लाम धर्म ग्रहण करवाओगे तो तुम सच्चे मुसलमान नहीं हो क्योंकि इस्लाम धर्म यह शिक्षा नहीं देता कि किसी पर जुल्म करके मुस्लिम बनाया जाए। औरंगजेब यह सुनकर आगबबूला हो गया। उसने दिल्ली के चाँदनी चौक पर गुरु तेग बहादुर जी का शीश काटने का हुक्म जारी कर दिया और गुरु जी ने 24 नवम्बर 1675 को हँसते-हँसते बलिदान दे दिया। गुरु तेग बहादुरजी की याद में उनके शहीदी स्थल पर गुरुद्वारा बना है, जिसका नाम गुरुद्वारा शीश गंज साहिब है।

(लेखक पत्रकार हैं)

दुबई एयरशो में तेजस हादसा और मेक-इन-इंडिया की साख

योगेश कुमार गोयल

क्रैश के बाद भी चमकेगा भारत का स्वदेशी सितारा?

21 नवंबर को दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (अल-मक्तूम) एयरपोर्ट पर आयोजित एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 'तेजस एमके-1ए' अचानक नियंत्रण खोकर नीचे गिर गया और आग के गोले में बदल गया। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुर्घटना में पायलट की शहादत हुई है और घटना की खोज के लिए कोर्ट-ऑफ-इंक्वायरी गठित की गई है। दुबई एयरशो के दौरान हजारों लोग अपनी आंखें ऊपर टिकाए उस गर्वित क्षण को देख रहे थे, जब भारत का तेजस एमके-1ए देश की आकाश में अपने कौशल की झलक दिखा रहा था परंतु कुछ ही पलों में यह दृश्य एक भयावह त्रासदी में बदल गया। विमान ने अचानक अपनी स्थिरता खो दी, जैसे किसी ने उसकी धड़कन रोक दी हो और देखते-ही-देखते वह सीधे नीचे गिरता हुआ आग के विशाल गोले में परिवर्तित हो गया। धुएं का काला गुबार ऊपर उठा और पूरा एयरशो मानो स्तब्ध होकर ठहर गया। स्वदेशी इंजीनियरिंग का सबसे चमकदार प्रतीक यह वही तेजस है, जिसने पहली बार 2001 में उड़ान भरी थी और 23 वर्षों तक किसी भी दुर्घटना का शिकार नहीं हुआ। दुनिया के कई हल्के लड़ाकू विमानों में तेजस को सबसे सुरक्षित माना जाता था और आज भी उसकी श्रेणी में यह एक अत्यंत विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है। तेजस क्रैश का यह दूसरा मामला है। पहला मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर के पास हुआ था, जिसमें पायलट सुरक्षित इजेक्ट हो गए थे। बाद की जांच में पाया गया था कि उस दुर्घटना का कारण इंजन का अचानक सीज होना था। इसके पीछे ऑयल पंप में खराबी की संभावना बताई गई थी। उस घटना के बाद पूरे एलसीए एमके-1 बेड़े की विस्तृत सुरक्षा जांच की गई और पाया गया कि विमान में कोई प्रणालीगत सुरक्षा खामी नहीं है। ऐसी स्थिति में दुबई हादसा एक बार फिर प्रश्न उठाता है कि आखिर इस विश्वसनीय प्लेटफॉर्म ने प्रदर्शन के दौरान अचानक ऐसा व्यवहार क्यों किया, जिसने पायलट को प्रतिक्रिया का भी अवसर नहीं दिया? दुबई एयरशो में विमान द्वारा किए जा रहे मैन्यूवर्स के दौरान जो दृश्य सामने आए, उन्होंने विशेषज्ञों के बीच कई सवाल पैदा किए हैं। विमान तेज गति से एक मोड़ ले रहा था और सामान्यतः ऐसी परिस्थितियों में तेजस जैसे आधुनिक चौथी पीढ़ी के विमान स्थिर रहते हैं परंतु पलभर में ही उसका नियंत्रित ग्लाइड अचानक एक फ्री-फॉल में तब्दील हो गया। विमान के नीचे आते ही कुछ ही सैकेंड में वह पूरी तरह आग में घिर गया। ऐसे में सवाल यही है कि क्या तेजस में कोई ऐसी खामी थी, जो वह दुर्घटनाग्रस्त हुआ। क्या उसकी उड़ान से पहले फिट होने की सही तरह से जांच नहीं की गई थी? न केवल देश बल्कि दुनिया के सामने यह सामने आना जरूरी है कि आखिर तेजस एकाएक हवा से सीधा जमीन पर क्यों आ गिरा क्योंकि इसे पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, या तो विमान को अचानक पावर लॉस हुआ या किसी महत्वपूर्ण नियंत्रण प्रणाली ने काम करना बंद कर दिया। यह भी संभव है कि अत्यधिक तेज कोण (एंगल ऑफ अटैक) में मोड़ लेते हुए विमान एरोडायनामिक स्टॉल का शिकार हो गया हो परंतु अनुभवी टेस्ट पायलट ऐसे मैन्यूवर के दौरान सामान्यतः नियंत्रण नहीं खोते। इसलिए जांच की दिशा स्वाभाविक रूप से किसी तकनीकी विफलता, इंजन व्यवहार, नियंत्रण प्रणाली या अचानक हुई किसी यांत्रिक टूट-फूट की तरफ जाएंगी। तेजस एमके-1ए को भारत का सबसे आधुनिक, हल्का और अत्याधुनिक तकनीक वाला लड़ाकू विमान माना जाता है। यह सुपरसोनिक गति से उड़ान भर सकता है, बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइलें दाग सकता है और एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकता है। इसका ढ़ांचा टाइटेनियम, एल्युमिनियम-लिथियम मिश्रधातुओं और कार्बन फाइबर कंपोजिट से बना है, जिससे यह बेहद हल्का और मजबूत बनता है। यह हल्का वजन ही इसे असाधारण फुर्ती प्रदान करता है। तेजस की रेंज, पेलोड और युद्धक क्षमता इसे एशिया और अफ्रीका के कई देशों में आकर्षण का केंद्र बनाती हैं। मलेशिया, तुर्कमेनिस्तान, इजिप्ट, यूएई, श्रीलंका और सिंगापुर जैसे देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं। इसीलिए दुबई एयरशो में तेजस की उपस्थिति भारत के लिए केवल तकनीक का प्रदर्शन नहीं थी बल्कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय मंच था, जहां भारत अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमता का भरोसेमंद चेहरा पेश कर रहा था। ऐसे में तेजस का प्रदर्शनी के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होना स्वाभाविक रूप से भारत की निर्यात संभावनाओं के लिए चिंता का विषय है। हालांकि रक्षा विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि एक अकेली दुर्घटना किसी विमान की छवि को स्थायी रूप से धूमिल नहीं करती, बशर्ते जांच पारदर्शी, तेज और गहन हो। एफ-16, मिग-29, राफेल, ग्रिपेन इत्यादि दुनिया के लगभग सभी प्रसिद्ध युद्धक विमानों की शुरूआती वर्षों में दुर्घटनाएं हुई थी लेकिन समय के साथ वे दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्लेटफॉर्म बने। अतः तेजस के लिए भी यह निर्णायक परीक्षा का समय है।

तेजस भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी लड़ाकू विमान है, हालांकि इसका इंजन अमेरिकी कंपनी जीई से आता है। भारत और जीई के बीच 2021 और 2023 में हुए समझौतों के तहत एमके-1ए और एमके-2 कार्यक्रम के लिए इंजन की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इंजनों पर आंशिक निर्भरता के बावजूद तेजस की बाकी प्रणाली(डिजाइन, ढ़ांचा, एवीओनिक्स, राडार) भारत द्वारा विकसित की गई हैं। तेजस को भारतीय वायुसेना में 2016 में शामिल किया गया था और तब से इसकी दो स्क्वाड्रन सेवा में हैं। एमके-1ए संस्करण, जो कि दुर्घटनाग्रस्त विमान का मॉडल था, तेजस परिवार का सबसे उन्नत संस्करण माना जाता है। इसके लिए 2021 में भारत सरकार ने एचएएल को 48,000 करोड़ रुपये का बड़ा अनुबंध दिया था और हाल ही में इसकी 97 और इकाईयों के लिए लगभग 62,000 करोड़ रुपये का नया समझौता हुआ था। इसका मतलब है कि भारत आगामी वर्षों में तेजस को अपनी वायुसेना का मुख्य लाइट-फाइटर प्लेटफॉर्म बनाने की दिशा में बढ़ चुका है।

ऐसे समय में दुबई जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में हुआ यह क्रैश सार्वजनिक विमर्श में कई प्रश्न छोड़ गया है। क्या यह तकनीकी खामी थी? क्या प्रदर्शन की परिस्थितियां अनुकूल नहीं थी? क्या किसी बाहरी तत्व ने विमान के व्यवहार को प्रभावित किया? क्या पूर्व क्रैश से सीखी गई तकनीकी सीखों को एमके-1ए में पर्याप्त रूप से शामिल किया गया था? इस घटना का एक और भावनात्मक पक्ष है, पायलट की शहादत। एक टेस्ट पायलट उच्च-जोखिम वाले वातावरण में उड़ान भरता है। वे केवल उड़ान नहीं भरते बल्कि हर उड़ान में विमान, उसकी प्रणालियों और उसकी हर क्षमता का परीक्षण करते हैं। इसीलिए उन्हें एयरोनॉटिक्स का अग्रदूत माना जाता है। इस हादसे के बीच यह तथ्य नहीं भुलाया जा सकता कि तेजस अब भी भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता, सामरिक क्षमता और रक्षा-विकास की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस दुर्घटना से तेजस का भविष्य खत्म नहीं होता बल्कि यह उसके विकास की गति को और तर्कसंगत, वैज्ञानिक और मजबूत बनाने का अवसर बन सकता है।

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति की घर में ही सजा काटने की मांग

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए जेल की सजा घर में नजरबंदी (हाउस अरेस्ट) के रूप में काटने की मांग की है। उनकी कानूनी टीम ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में याचिका दायर की। बोल्सोनारो को सितंबर 2024 में 2022 के चुनाव में हार के बाद तख्तापलट की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था और 27 साल 3 महीने की सजा सुनाई गई थी। इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी थी, लेकिन वकील एक और अपील दाखिल करने की तैयारी में हैं। फिलहाल बोल्सोनारो अगस्त से नजरबंद हैं, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने पाया था कि उन्होंने अदालत द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन किया था। अभी तक उन्हें तख्तापलट मामले की सज़ा भुगतनी शुरू नहीं करने दी गई है।

बांग्लादेश में भूकंप से 10 लोगों की मौत

ढाका, एजेंसी। शुक्रवार को ढाका और देश के कुछ हिस्सों में जबरदस्त भूकंप में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक घायल हो गए। इस भूकंप से इमारतों को नुकसान पहुंचा, कई जगहों पर आग लग गई और लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों में से चार की मौत राजधानी ढाका में, पांच की मौत नरसिंगडी में हुई, जो भूकंप का सेंटर था, और एक की मौत सबअर्बन नदी बंदरगाह शहर नारायणगंज में हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अकेले राजधानी गाज़ीपुर के बाहरी इलाके में बसे इंडस्ट्रियल शहर में अलग-अलग यूनिट्स में कम से कम 100 मजदूर घायल हो गए, क्योंकि वे भूकंप के दौरान इमारतों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे।

रेडक्रॉस कमेटी में 2900 नौकरियां समाप्त होंगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस कमेटी ने कहा, वह अपना 2026 का बजट 17% घटाकर 1.8 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 2.23 अरब डॉलर) करने जा रही है। इससे करीब 2,900 नौकरियां खत्म होंगी। कमेटी ने कहा, उसे अपना बजट इसलिए घटाना पड़ रहा है क्योंकि उसे मिलने वाली वित्तीय मदद में अप्रत्याशित कमी आ रही है। कमेटी ने कहा, दानकर्ता देश अपना सारा ध्यान रक्षा खर्च बढ़ाने में लगा रहे हैं। ऐसे में मानवतावादी संस्थाओं को तमाम संघर्षों और विस्थापन से प्रभावित लोगों की मदद से पीछे हटने का फैसला लेना पड़ रहा है।

कलाकार फ्रिदा कहलो की पेंटिंग 485 करोड़ में बिकी

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको की कलाकार फ्रिदा कहलो की बनाई हुई पेंटिंग न्यूयॉर्क में करीब 485 करोड़ रुपये में बिकी है। इसके साथ यह किसी महिला कलाकार की बनाई गई अब तक की सबसे महंगी पेंटिंग बन गई है। पेंटिंग की नीलामी कराने वाली सोथबी ने बताया कि इसका नाम एल सुएनो (ला कामा) है, जिसका अर्थ होता है सपना (बिस्तर)। इस पेंटिंग ने अमेरिकी कलाकार जॉर्जिया ओ'कीफे के बनाए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

ब्रिटेन ने वीजा धोखाधड़ी रोकने का अभियान तमिलनाडु तक बढ़ाया

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने वीजा फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए अपने जागरूकता अभियान को भारत के तमिलनाडु तक बढ़ाया है। पंजाब में सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब तमिलनाडु में भी विशेष जागरूकता अभियान चलेगा और तमिल भाषा में वाट्सएप, चैटबॉट के जरिये लोग नकली वीजा और धोखेबाज एजेंटों की पहचान कर सकेंगे। यह कदम अवैध प्रवासन पर लगाम लगाने और यात्रियों को सुरक्षित रखने की दिशा में भारत-ब्रिटेन सहयोग मजबूत करता है।

एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर बैंकॉक से गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर को बैंकॉक से गिरफ्तार किया है। अमेरिका और यूरोपीय एजेंसियों पर साइबर हमले के आरोपी को फुकेट द्वीप से पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, 35 वर्षीय संदिग्ध 30 अक्तूबर को फुकेट एयरपोर्ट से थाईलैंड आया था और एक होटल में ठहरा था। थाई पुलिस के अनुसार, संदिग्ध को औपचारिक तौर पर हिरासत में लेकर प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

दुश्मन से दोस्त बने ट्रंप और ममदानी, वाइट हाउस में मुलाकात के बाद बदले अमेरिकी राष्ट्रपति के सुर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सबसे बड़े आलोचकों में से एक जोहरान ममदानी से वाइट हाउस में मुलाकात की है। उम्मीद के उलट, दोनों की यह मुलाकात बेहद सकारात्मक रही है। हाल ही में अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क के मेयर चुने गए जोहरान ममदानी और ट्रंप के बीच हुई पहली मुलाकात के दौरान कई मुद्दों पर सहमति बनी और जिसे लेकर ट्रंप ने भी हैरानी जताई। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप इससे पहले ममदानी को सार्वजनिक रूप से 'वामपंथी पागल' जैसे उपनाम दे चुके हैं। वहीं ममदानी ने भी ट्रंप की नीतियों की लगातार आलोचना की है। हालांकि शुक्रवार को ट्रंप ने ओवल ऑफिस में ममदानी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक भी खास रही।

नए मेयर की मदद करेंगें ट्रंप : इससे पहले तक ममदानी के आने पर न्यूयॉर्क की फंडिंग रोक देने की बात कहने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह न्यूयॉर्क को मजबूत और सुरक्षित शहर बनाने में नए मेयर की मदद करेंगें। ट्रंप ने कहा, 'हम ममदानी की मदद करेंगे, ताकि हर किसी का सपना सच हो सके, एक मजबूत और सुरक्षित न्यूयॉर्क का निर्माण हो। वहीं ममदानी ने बैठक के बाद कहा, 'मैं इस बात के लिए राष्ट्रपति की सराहना करता हूं कि हमारी मीटिंग में असहमति की पर फोकस नहीं था। बल्कि इसमें न्यूयॉर्क के लोगों के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने को लेकर चर्चा हुई।'

जब ममदानी के बचाव में उतरे ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार ममदानी को बचाने की कोशिश करते हुए भी दिखे और पत्रकारों को उनकी तरफ से जवाब दिया। जब रिपोर्टरों ने ममदानी से उनके पिछले बयानों को साफ करने के लिए कहा, जिनमें उन्होंने कहा था कि उन्हें लगता है कि ट्रंप एक फासिस्ट की तरह काम कर रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'मुझे तानाशाह से भी बुरा कहा गया है।' वहीं जब एक रिपोर्टर ने पूछा कि क्या ममदानी अपने उस कमेंट पर कायम हैं कि ट्रंप एक फासिस्ट हैं, तो मेयर-इलेक्ट के सवाल का पूरा जवाब देने से पहले ही ट्रंप ने बीच में ही बोल दिया। ट्रंप ने कहा, 'कोई बात नहीं। आप बस हां कह सकते हैं। ठीक है? मुझे कोई दिक्कत नहीं है।'

ममदानी को जिहादी नहीं मानते हैं ट्रम्प : एक पत्रकार ने ट्रम्प से पूछा कि रिपब्लिकन नेता एलिस स्टेफनिक ने ममदानी को 'जिहादी' कहा है, क्या ट्रम्प भी यही मानते हैं? इस पर ट्रम्प ने बिना हिचकिचाहट कहा- नहीं, मैं ऐसा नहीं मानता। ट्रम्प ने आगे कहा कि मुलाकात के दौरान उन्हें ममदानी एक शांत, समझदार और तार्किक इंसान लगे। उन्होंने कहा- मैं एक ऐसे इंसान से मिला हूं जो बहुत ही समझदारी से बात करता है। ट्रम्प बोले- ममदानी के बेहतर काम करने से मुझे खुशी होगी ट्रम्प ने कहा कि हम न्यूयॉर्क को फिर से शानदार बनाना चाहते हैं। ममदानी जितना बेहतर करेंगे, मैं उतना ही खुश रहूंगा। ट्रम्प ने यहां तक कहा कि ममदानी कई कंजरवेटिव लोगों को हैरान कर देंगे और उनके कुछ विचार मुझसे से मिलते-जुलते हैं। ममदानी ने भी मीटिंग को प्रोडक्टिव बताया और कहा कि हमने किराया, राशन, बिजली बिल और रहने की बढ़ती कीमतों पर बात की। हम दोनों न्यूयॉर्क के 85 लाख लोगों के लिए जीवन को सस्ता बनाना चाहते हैं। ट्रम्प बोले- हमारा मकसद न्यूयॉर्क को बेहतर शहर बनाना ममदानी से मुलाकात के बाद ट्रम्प ने कहा कि कुछ मुद्दों पर दोनों की राय अलग हो सकती है, लेकिन बातचीत से हल जरूर निकलेगा। ट्रम्प ने कहा कि या तो ममदानी उन्हें समझा लेंगे या फिर वह ममदानी को, लेकिन आखिर में फैसला वही होगा जो न्यूयॉर्क के लिए अच्छा होगा। ट्रम्प ने साफ कहा कि दोनों नेताओं का मकसद एक ही है न्यूयॉर्क को फिर से बेहतरीन शहर बनाना। उन्होंने कहा कि अगर ममदानी शानदार तरीके से काम करते हैं और शहर में सकारात्मक बदलाव लाते हैं, तो उन्हें इससे सबसे ज्यादा खुशी होगी। ट्रम्प बोले- मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं ट्रम्प ने कहा कि ममदानी से मीटिंग ने उन्हें हैरान कर दिया और दोनों के बीच कई मुद्दों पर खुलकर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कुछ पॉलिसी पर हमारे विचार अलग हो सकते है, लेकिन न्यूयॉर्क को बेहतर बनाना दोनों का मकसद है। ट्रम्प ने कहा- मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उनकी मदद करूं, न कि उनको कोई नुकसान पहुंचाऊं, क्योंकि मैं चाहता हूं कि न्यूयॉर्क शानदार बने।ममदानी कामयाब हों जब पत्रकारों ने ट्रम्प से पूछा कि क्या वे ममदानी के शासन में न्यूयॉर्क में रहना पसंद करेंगे, तो ट्रम्प ने तुरंत कहा- हां, बिल्कुल, खासकर उनसे मिलने के बाद। ट्रम्प ने बताया कि मीटिंग के बाद उन्हें लगा कि ममदानी शहर के लिए अच्छा काम कर सकते है। उन्होंने कहा कि वह चाहते है ममदानी सफल हों, क्योंकि न्यूयॉर्क की सफलता दोनों के लिए अहम है। ट्रम्प और ममदानी की मुलाकात में इमिग्रेशन सबसे बड़ा मुद्दा रहा। दोनों ने इस पर काफी देर तक बात की। ममदानी चाहते है कि न्यूयॉर्क में रह रहे सभी माइग्रेंट्स को सुरक्षा मिले।

हेनली पासपोर्ट इंडेक्सः पासपोर्ट रैंकिंग में एक बार फिर पाकिस्तान कमजोर, भारत की स्थिति में सुधार

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया-भर में पासपोर्ट की शक्ति को मापने वाली हेनली पासपोर्ट इंडेक्स की नवीनतम रिपोर्ट में पाकिस्तान का पासपोर्ट एक बार फिर सबसे कमजोर पासपोर्टों में गिना गया है। पाक के नागरिक केवल कुछ सीमित देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं, जबकि दूसरी ओर सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे एशियाई देश सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट रैंकिंग में टॉप-टेन में शामिल रहे। भारत की स्थिति मध्यम श्रेणी में बनी हुई है, जिसमें मामूली सुधार दर्ज किया गया है लेकिन अभी भी कई विकसित देशों में प्री-वीजा की अनिवार्यता चुनौती बनी हुई है। हेनली पासपोर्ट इंडेक्स के आंकड़े दिखाते हैं कि पाकिस्तान उन देशों में है जिनकी विश्व-स्तरीय यात्रा स्वतंत्रता क्षमता अत्यधिक सीमित है।

ये देश हैं सबसे शक्तिशाली : पासपोर्ट इंडेक्स में जिन पासपोर्टों को सबसे अधिक शक्तिशाली माना गया है, उनके नागरिक 185+ देशों तक वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इन देशों में सिंगापुर जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली स्पेन, फिनलैंड, स्वीडन, डेनमार्क

नीदरलैंड, लक्जमबर्ग और ऑस्ट्रिया शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एशियाई देशों की आर्थिक उन्नति, रणनीतिक साझेदारियां और सुरक्षा सहयोग इनके पासपोर्ट की ताकत को लगातार बढ़ा रहे हैं।

सिर्फ 30-35 देशों में ही वीजा मुक्त यात्रा : पाकिस्तान पासपोर्ट धारक लगभग 30-35 देशों तक ही वीजा-फ्री या वीजा-ऑन- अराइवल सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

रक्षा विशेषज्ञों और विदेश नीति विश्लेषकों के अनुसार पाकिस्तान की रैंकिंग के लगातार गिरने के पीछे मुख्य कारण हैं राजनीतिक अस्थिरता, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद से जुड़े जोखिम और वैश्विक कूटनीति में भरोसे की कमी। इस सूची में अफगानिस्तान सबसे आखिरी पायदान पर, सीरिया दूसरे सबसे कमजोर स्थान पर, इराक तीसरे और पाकिस्तान चौथे सबसे कमजोर पासपोर्ट की श्रेणी में दर्ज है।

रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन का कांग्रेस से इस्तीफे का एलान, ट्रंप की नीतियों से हैं नाराज

वॉशिंगटन, एजेंसी। जॉर्जिया की रिपबल्किन पार्टी की सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने कांग्रेस से इस्तीफे का एलान कर सभी को चौंका दिया है। मार्जोरी टेलर ग्रीन कभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की करीबी थीं, लेकिन अब उनकी आलोचक बन गई हैं और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर भी बहस हो चुकी है। ग्रीन ने ऑनलाइन पोस्ट किए गए 10 मिनट से ज्यादा के वीडियो में अपने फैसले के बारे में बताया और कहा कि उन्हें वॉशिंगटन डी.सी. में हमेशा से नफरत की नजर से देखा गया है, और वह कभी भी वहां फिट नहीं हुईं।

ट्रंप की समर्थक से बनीं आलोचक : ग्रीन ट्रंप की 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' राजनीति के सबसे मुखर समर्थकों में से एक थीं। हालांकि हाल के महीनों में ट्रंप के साथ उनके संबंध बिगड़े थे और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर अनबन हुई, क्योंकि मार्जोरी टेलर ग्रीन ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों के साथ-साथ विदेश नीति और हेल्थ केयर पर ट्रंप के रुख की आलोचना की थी। इसके बाद ट्रंप ने उन्हें गद्दार और पागल कहा और कहा कि जब वह अगले साल फिर से चुनाव लड़ेंगी तो वह उनके ख़िलाफ़ एक अन्य उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

कई बयानों को लेकर चर्चा में रहीं : वीडियो में मार्जोरी टेलर ग्रीन कहा कि उनका कांग्रेस में आखिरी दिन 5 जनवरी, 2026 होगा। मार्जोरी के एलान पर अभी तक व्हाइट हाउस ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ग्रीन पांच साल पहले अपना राजनीतिक करियर शुरू करने के बाद से ही ट्रंप के साथ करीब से जुड़ी हुई थीं। ग्रीन ने क्व्रुश्ठ थ्योरी को अपनाया और श्वेत सर्वोच्चता की समर्थक रहीं। इसे लेकर पार्टी नेताओं ने ग्रीन का विरोध भी किया लेकिन ट्रंप ने उनका स्वागत किया। ग्रीन ने 2019 में तर्क दिया कि सांसद इल्हान उमर और रशीदा तलीब, दोनों मुस्लिम महिलाएं, कांग्रेस की आधिकारिक सदस्य नहीं थीं क्योंकि उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोहों में बाइबल के बजाय कुरान की शपथ ली थी।

सऊदी के पत्रकार खशोगी की पत्नी हुई भावुक, मीडिया से कहा- अपहरण-प्रताड़ना को सही नहीं कह सकते

वॉशिंगटन, एजेंसी। सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय चर्चा में है। वॉशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार रहे खशोगी की पत्नी हनन एल्तार खशोगी ने भावुक होकर कहा कि किसी भी हाल में अपहरण और प्रताड़ना को सही नहीं ठहराया जा सकता। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की वह टिप्पणियां भी दोबारा चर्चा में आ गई हैं, जिनमें उन्होंने 2018 में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का खुलकर बचाव किया था। ट्रंप ने उस समय अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की जांच को खारिज करते हुए दावा किया था कि क्राउन प्रिंस का इस्तांबुल स्थित सऊदी वाणिज्य दूतावास में हुई इस हत्या से कोई संबंध नहीं है। ट्रंप ने खशोगी को बहुत विवादित व्यक्ति बताते हुए कहा था कि उनके बारे में बहुत लोग पसंद नहीं करते और

ऐसी चीजें हो जाती हैं। उन्होंने खुफिया रिपोर्टों की बजाय सऊदी नेतृत्व के बयानों पर अधिक भरोसा जताया और कहा था कि कूटनीतिक मेहमान को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा नहीं किया जाना चाहिए।

खशोगी की हत्या पर ट्रंप ने पहले क्या बोला? : ट्रंप ने 2018 में खशोगी की हत्या के तुरंत बाद सऊदी अरब के साथ आर्थिक संबंधों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा था कि वह अमेरिका में आने वाले अरबों डॉलर को रोकने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने बार-बार क्राउन प्रिंस के इनकार को दोहराया और कहा कि वह कुछ नहीं जानते थे। उस समय एक्स पर में ट्रंप ने लिखा था कि उन्होंने क्राउन प्रिंस से बात की है जिन्होंने दूतावास में हुई घटना के बारे में पूरी तरह अनजान होने की बात कही। इसके बाद भी कई अवसरों पर ट्रंप ने इसी बयानबाजी को मजबूत किया।

क्राउन प्रिंस का बचाव करते रहे ट्रंप : जब अमेरिकी मीडिया ने रिपोर्ट किया कि सीआईए ने क्राउन प्रिंस की हत्या में प्रत्यक्ष भूमिका की पुष्टि की है, तब भी ट्रंप ने कहा था कि हमें बताया गया है कि उनकी कोई भूमिका नहीं थी, और फिर वही पुराना बयान दोहराया कि कौन सच जान सकता है। नवंबर 2018 में जारी एक लिखित बयान में उन्होंने इस हत्या को अस्वीकार्य और भयानक अपराध कहा, लेकिन साथ ही यह भी लिखा कि शायद उन्होंने किया हो, शायद नहीं किया हो। ट्रंप ने बार-बार यह भी कहा कि अमेरिका का संबंध व्यक्तियों से नहीं, बल्कि सऊदी अरब के साम्राज्य से है। खशोगी की हत्या ने अमेरिकी-सऊदी संबंधों, हथियार सौदों और विदेश नीति पर गहरी बहस छेड़ी थी। ट्रंप ने आर्थिक हितों और कूटनीतिक साझेदारी को प्राथमिकता देते हुए अरबों डॉलर के रक्षा सौदों को रद्द करने से इनकार किया था। इसमें कोई संदेह नहीं कि उस समय उनके बयान सऊदी नेतृत्व के लिए सबसे प्रबल सार्वजनिक समर्थन माने गए थे। आज जब खशोगी का मामला फिर चर्चा में है।

मिनेसोटा में सोमाली प्रवासियों को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा खत्म होगी, ट्रंप का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह मिनेसोटा में रहने वाले सोमाली प्रवासियों के लिए अस्थायी कानूनी सुरक्षा तुरंत खत्म कर रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ये लिखा। ट्रंप अपने इसक दम से एक ऐसे प्रोग्राम को निशाना बना रहे हैं जो निर्वासन को कम करने की कोशिश कर रहा है, जिसे ट्रंप प्रशासन पहले ही उनकी निर्वासन प्रक्रिया को बार-बार कमजोर करने की कोशिश करार दे चुका है।

मिनेसोटा में रहते हैं सबसे ज्यादा सोमाली लोग : अमेरिकी राज्य मिनेसोटा में देश की सबसे बड़ी सोमाली कम्युनिटी है। कई लोग पूर्वी अफ्रीकी देश सोमालिया में लंबे गृह युद्ध से भागकर अमेरिका आए थे और राज्य के सामाजिक प्रोग्राम के जरिए इन्हें कानूनी सुरक्षा भी मिली हुई है। लेकिन ट्रंप की शुक्रवार रात को इस प्रोग्राम को तुरंत खत्म करने की घोषणा कर दी। हालांकि उनके इस एलान से बेहद कम प्रवासियों पर इसका असर पड़ेगा। अगस्त में कांग्रेस में पेश की गई एक रिपोर्ट में बताया गया कि इस प्रोग्राम के तहत कवर होने वाले सोमाली लोगों की संख्या देश भर में सिर्फ 705 है।

साल 1990 में अमेरिकी सरकार ने सोमाली लोगों को दी थी ये कानूनी सुरक्षा : कांग्रेस ने 1990 में अस्थायी सुरक्षा स्टेटस देने वाला प्रोग्राम बनाया था। इसका मकसद लोगों को उन देशों में डिपोर्ट होने से रोकना था जो प्राकृतिक आपदा, गृह युद्ध या दूसरे खतरनाक हालात से जूझ रहे हैं। इस प्रोग्राम के तहत अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी सचिव सोमाली लोगों को मिनेसोटा में रहने की कानूनी सुरक्षा दे सकते हैं और इसे 18 महीने के लिए बढ़ाया जा सकता है।

ट्रंप ने की तीखी आलोचना : इस प्रोग्राम की आलोचना करते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मिनेसोटा धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। ट्रंप ने लिखा, 'सोमाली गैंग इस महान राज्य के लोगों को डरा रहे हैं, और अरबों डॉलर गायब हैं। इसलिए उन्हें वापस वहीं भेजेंगे, जहां से वे आए थे। अब बस बहुत हुआ।' डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की सत्ता पर काबिज होने के बाद से लाखों अप्रवासियों को अमेरिका से बाहर करने का वादा किया है। इसके तहत ट्रंप प्रशासन ने कई कानूनी सुरक्षा कार्यक्रमों को बंद कर दिया है, जिनसे अप्रवासियों को अमेरिका में रहने और काम करने की कानूनी सुरक्षा मिलती थी। इसके तहत ट्रंप ने छह लाख वेनेजुएला और पांच लाख हैती के लोगों को मिली कानूनी सुरक्षा खत्म कर दी। जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने यह सुरक्षा दी थी।

जी20 देश अपनी ताकत का इस्तेमाल, दुनिया की परेशानियों को कम करने में करें', यूएन महासचिव की अपील

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि जी20 देशों में दुनिया की मुश्किलों को कम करने और दुनिया को ज्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर लाने की क्षमता है। उन्होंने जी20 देशों के समूह से अपनी ताकत का इस्तेमाल गरीब और विकासशील देशों की परेशानियों को कम करने में इस्तेमाल करने की अपील की। गुटेरेस ने यह बात शुक्रवार को जोहान्सबर्ग पहुंचने के बाद एक मीडिया बातचीत में कही। गुटेरेस जोहान्सबर्ग में हो रहे जी20 सम्मेलन में शिरकत करेंगे।

'बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा' : गुटेरेस ने कहा, 'अगले दो दिनों में जी20 नेताओं के लिए मेरा संदेश आसान है। अब लीडरशिप और विजन का समय है। उन्होंने दुनिया भर में जारी संघर्षों, जलवायु की गड़बड़ी, आर्थिक अनिश्चितता, असमानता और वैश्विक मदद में कमी का जिक्र किया। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा है। उन्होंने कहा, 'दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते, त्व20 देश मुश्किलों को कम करने, यह पक्का करने में बहुत बड़ा असर डाल सकते हैं कि आर्थिक विकास सबका हो। जो हमारी दुनिया को भविष्य के लिए एक बेहतर, ज़्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर ले जा सके।'

'अफ्रीका को हर वैश्विक मंच

पर जगह मिलनी चाहिए, जहां फैसले लिए जाते हैं' गुटेरेस ने कहा कि 'अफ्रीका को हर उस फोरम में सही जगह मिलनी चाहिए जहां फैसले लिए जाते हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के बोर्ड से लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट और दूसरी वैश्विक निकायों तक भी पहुंच होनी चाहिए।' गुटेरेस ने सुझाव दिया, 'त्व20 इस ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने और ऐसे सुधार लाने में मदद कर सकता है जो विकासशील देशों और खासकर अफ्रीका को वैश्विक नीति बनाने में आवाज़ दें, और आने वाले वर्षों में वैश्विक आर्थिक प्रशासन को ज्यादा समावेशी, समान और असरदार बनाएं।' गुटेरेस ने कहा कि वह जी20 सदस्यों से ये भी कहेंगे कि वे सूडान, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, माली, यूक्रेन, गाजा, हैती, यमन और म्यांमार समेत दुनिया भर में मौत, तबाही और अस्थिरता पैदा करने वाले झगड़ों को खत्म करने के लिए अपने असर और आवाज का इस्तेमाल करें।

अमेरिका के नए प्रपोजल को पुतिन से मिली हरी झंडी, पर क्या यूक्रेन को मंजूर होगी ऐसी 'शांति'?

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी जंग को लेकर अमेरिका ने हाल ही में एक नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। अब इस प्रस्ताव पर पहली बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का रिएक्शन सामने आया है। जहां एक तरफ यूक्रेन की तरफ से इस प्रस्ताव को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, वहीं पुतिन ने इस पीस प्रपोजल को हरी झंडी दे दी है। पुतिन ने कहा है कि अमेरिका का यह प्लान यूक्रेन में शांति का आधार हो सकता है। रूसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि लेकिन अगर कीव ने यह प्लान ठुकरा दिया तो रूसी सेना आगे बढ़ती रहेगी।

पुतिन ने रशियन सिक्योरिटी काउंसिल की एक मीटिंग में सीनियर अधिकारियों से कहा, 'मेरा मानना है कि इसे आखिरी शांतिपूर्ण समझौते के आधार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।' पुतिन ने आगे कहा कि 28-पॉइंट वाले इस प्लान पर अभी तक अमेरिका के साथ विस्तार से बातचीत नहीं हुई है, लेकिन रूस को इसकी एक कॉपी मिल गई है।

पुतिन ने कहा कि अमेरिकी सरकार अब तक यूक्रेनी पक्ष की मंजूरी लेने में नाकाम रहा है और यूक्रेन शांति के खिलाफ है। पुतिन ने आगे कहा, 'अगर यूक्रेन प्रेसिडेंट ट्रंप के प्रपोज़ल पर बात नहीं करना चाहता और ऐसा करने से मना करता है, तो उन्हें और यूरोपियन वारमोंगर्स दोनों को यह समझना चाहिए कि कुपियांस्क में जो घटनाएं हुईं, वे फ्रंट के दूसरे खास सेक्टर्स में भी जरूर दोहराई जाएंगी।'

नए शांति प्रस्ताव में क्या : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप की यूक्रेन युद्ध खत्म करने की कोशिश में अमेरिका ने नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। जानकारी के मुताबिक इस प्रस्ताव को अमेरिका और रूस के बीच हुई बातचीत के आधार पर यह तैयार किया गया है और यूक्रेन को चर्चा में शामिल नहीं किया

गया था। ऐसे में यह मसौदा साफ तौर पर रूस के पक्ष में दिखाई देता है।

प्रस्ताव के तहत यूक्रेन को अपनी सेना की क्षमता आधी करनी होगी और कई अहम हथियार छोड़ने होंगे। वहीं अमेरिका और अन्य देश क्रीमिया और डोनबास को रूस के हिस्से के रूप में मान्यता दे सकते हैं। वहीं रूस को यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र जापोरिज्जिया से उत्पादित आधी बिजली का उपयोग करने की भी अनुमति होगी।

यूक्रेन को मंजूर होगी ऐसी शांति : इससे पहले जेलेंस्की ने इस बारे में सोशल मीडिया पर एक संतुलित बयान दिया था। उन्होंने लिखा, 'यूक्रेन और अमेरिका की हमारी टीमें शांति योजना के प्रावधानों पर मिलकर काम करेंगी। हम ईमानदारी, तेजी से और सकारात्मक माहौल में काम करने के लिए तैयार हैं।' हालांकि, पिछला रुख देखते हुए यह माना जा रहा है कि जेलेंस्की इस प्रस्ताव को मानने से इनकार कर सकते हैं, क्योंकि वह पहले भी अपनी जमीन छोड़ने के ट्रंप के सुझावों का सख्त विरोध कर चुके हैं। यूरोपीय देशों के नेता भी इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि अमेरिका की यह शांति पहल असल में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनकी आक्रामकता के लिए इनाम देने जैसी है, जिससे वह कमजोर होने के बजाय और साहस पा सकते हैं।

वायु प्रदूषण गर्भाशय में पल रहे शिशु के फेफड़े के लिए घातक

गर्भावस्था में वायु प्रदूषण से प्रभावित होने वाले बच्चे जन्म के बाद तेजी से सांस लेते हैं ताकि उनके फेफड़ों को अधिक से अधिक ऑक्सीजन मिल सके। यह घातक है। स्विटजरलैंड के 241 नवजात शिशुओं पर किए गए एक नए अध्ययन से यह पता चला कि वायुमंडलीय प्रदूषण जन्म से पहले शिशु के फेफड़े को खराब कर सकता है। अध्ययन से यह भी पता चला है कि एक गर्भवती महिला जितनी ज्यादा प्रदूषित वायु को ग्रहण करेगी उसके शिशु को सांस लेने में उतनी ही कठिनाई होगी। एएपी की एक रिपोर्ट में बुधवार को यहां कहा गया है कि आस्ट्रेलिया के बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि अध्ययन से मिली जानकारी ब्रिस्बेन की माताओं पर हाल में किए गए शोध का समर्थन करती है। इससे पर्यावरण अनुकूल 'शहरी योजना' बनाने की जरूरत को बल मिला है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से पर्थ के बाल पर्यावरणीय स्वास्थ्य अध्ययन केंद्र के निदेशक पीटर स्ले ने बताया, इस बात पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है कि हम किस तरह से हमने शहर को तैयार कर रहे हैं।

बर्न विश्वविघालय के श्वसन तंत्र विशेषज्ञों ने गर्भवती महिलाओं के सांस लेने का अध्ययन किया। गर्भाशय में अधिकतम प्रदूषण हवा लेने वाले शिशुओं ने एक मिनट में औसतन 48 बार जबकि कम मात्रा में प्रदूषण ग्रहण करने वाले शिशुओं ने एक मिनट में औसतन 42 बार सांस ली। अधिकतम प्रदूषण ग्रहण करने वाले शिशुओं में सांस के जरिए फेफड़े में पहुंची नाइट्रिक ऑक्साइड की भी अधिक मात्रा पायी गई।

मुख्य अनुसंधानकर्ता फिलीप लाटजिन ने बर्लिन में यूरोपीय श्वसन तंत्र सोसाइटी कांग्रेस में बताया कि मुख्य सड़कों के 150 मीटर दायरे में रहने वाले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले किए गए अध्ययन में केवल यह पता चला था कि वायु प्रदूषण से केवल स्कूली बच्चों के फेफड़े खराब होते हैं।

हेल्थ प्लस

मोटे बच्चों को होता है ज्यादा सिरदर्द

मोटापे के शिकार बच्चे और युवाओं को सिर दर्द की शिकायत संतुलित शरीर वालों की तुलना में ज्यादा होती है। हाल ही में जारी अध्ययन रिपोर्ट में इस बात की भी आशंका जताई गई है कि मोटापे पर नियंत्रण न पाने की स्थिति में सिर दर्द की पीड़ा गंभीर रूप धारण कर सकती है। शोध में यह भी पाया गया कि वजन में कमी होने पर सिर दर्द में तेजी से कमी आती है।

सिरदर्द की पीड़ा से जूझ रहे 913 बच्चों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि बच्चों और युवाओं के वजन या बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) में बढ़ोतरी होने पर सिरदर्द में भी बढ़ोतरी होती है। सिनसिनाटी चिल्ड्रन मेडिकल सेंटर के वैज्ञानिक ऐंड्रयू डी हेर्शे के नेतृत्व में हुए इस अध्ययन में पाया गया कि बच्चों और युवाओं में बीएमआई का सिर दर्द से सीधा संबंध है।

गंदे दांतों का हार्ट अटैक से सीधा रास्ता

दांतों का ताल्लुक सिर्फ भोजन को चबाने-काटने या फिर खूबसूरती से ही नहीं है, बल्कि इसका संबंध दिल से भी है। जी हां, ताजा शोध तो यही बता रहे हैं। वैज्ञानिक का तो यहां तक मानना है कि दांतों को साफ रखकर हार्ट अटैक से बचा जा सकता है। हाल में हुए अध्ययनों से पता चला है कि सड़े-गले और टूटे-फूटे दांतों, खून रिसते मसूढ़ों की वजह से दांत 700 तरह के बैक्टीरिया का घर बन जाते हैं। मुंह के रास्ते ये बैक्टीरिया खून में पहुंचते हैं और फिर सारे शरीर में।

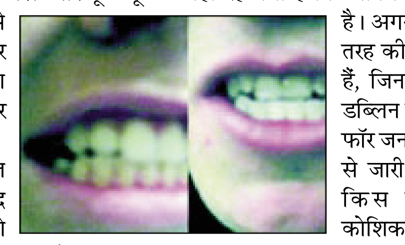

वैसे भी कहा जाता है कि दांत खराब तो पूरी सेहत खराब। मसूढ़े यदि रिस रहे हों तो मुंह में भयंकर बदबू तो पैदा करते ही हैं, दांतों को भी कमजोर और कांतिहीन बना देते हैं। इस विषय पर कई वर्षों से शोध कर रहे प्रो. हॉवर्ड जेनकिनसन का कहना है कि पश्चिमी देशों में हृदय रोग से होने वाली मौतें अन्य बीमारियों के मुकाबले ज्यादा हैं। दिल के कई तरह के रोगों के लिए दांतों की बीमारियां जिम्मेदार हैं। उन्होंने बताया कि आरल यानी मुख के दो बैक्टीरिया, स्ट्रिटोकोकस गार्डोनी और स्ट्रिटोकोकस सैनग्यूनिस सीधे तौर पर हार्ट अटैक के लिए उत्तरदायी माने जाते हैं। अब इस बात का कोई मतलब नहीं रह गया है कि आप कितने स्लिम-ट्रिम या सेहतमंद है। अगर आपके दांत खराब हैं तो कई तरह की बीमारियां आपको घेर सकती हैं, जिनमें दिल की बीमारी प्रमुख है। डब्लिन के ट्रिनिटी कॉलेज में सोसाइटी फॉर जनरल माइक्रोबायोलॉजी की आर से जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि किस तरह से बैक्टीरिया रक्त कोशिकाओं तक पैठ बनाते हैं तथा फिर शरीर के सभी भीतरी तंत्रों को कुतरना शुरू कर देते हैं। हृदय रोगियों को तेज किस्म के एंटीबॉयोटिक्स दिए जाते हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद बैक्टीरिया दवा के विरूद्ध प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते हैं।

गोभी परिवार कर देता है कैंसर के खतरे को कम

ज्यादा सिगरेट पीते हैं तो ब्रॉकली, बंदगोभी और पत्तागोभी खाइए

जबरदस्त ढंग से सिगरेट धौंकने वालों के लिए एक खुशखबरी, अगर आपके आहार में गोभी प्रजाति की सब्जियां शामिल हैं तो कैंसर होने का खतरा कम हो जाता है। यानी ब्रॉकली, बंदगोभी और पत्तागोभी खाइए और फेफड़े, श्वासनली और रक्त के कैंसर के खतरे को कम कर लीजिए। न्यूयॉर्क के बैफैलो स्थित रोजवेल पार्क कैंसर इंस्टीज्यूट की वैज्ञानिक ली तांग के मुताबिक दिनभर में बीस से ज्यादा सिगरेट पीने वाले चेन-स्मोकर्स की श्रेणी में गिने जाते हैं और ऐसे लोगों को फेफड़े और मुंह का कैंसर होने का खतरा सर्वाधिक होता है, लेकिन अगर ज्यादा सिगरेट पीने वाले अपनी गिजा में गोभी, पत्ता गोभी और ब्रॉकली को शामिल कर लें तो कैंसर का खतरा कम हो जाता है। ली के अनुसार ऐसा शायद इन सब्जियों में पाए जाने वाले आइसोपियोसाइनाइड्स नामक एक रसायन की वजह से होता है। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च की एक बैठक में सुश्री तांग ने बताया कि अपने शोधदल के साथ उन्होंने कैंसर के 948 मरीजों के साथ 1,743 ऐसे सामान्य लोगों पर रिसर्च किया, जिनके बारे में शक था कि उनको कैंसर है, लेकिन जांच में ऐसे नहीं पाया गया। तांग के मुताबिक जिन लोगों के मेन्यू में ब्रॉकली और गोभी सरीखी सब्जियां शामिल थीं, उनको कैंसर के कम करीब पाया गया, लेकिन गोभी परिवार से दूर रहने वालों को कैंसर की चपेट के करीब पाया गया। उन्होंने बताया कि ऐसी सब्जियों का असर स्मोकिंग कर रहे और छोड़ चुके लोगों पर देखा गया। सिगरेट को हाथ नहीं लगाने वाले आइसोपियोसाइनाइड्स के असर से बेअसर रहे। सुश्री तांग ने कहा अभी यह नतीजे परीक्षण से गुजर रहे हैं, स्मोकर्स को गोभी परिवार की सब्जियां खाने की सलाह नहीं दी जा सकती है।

तनाव के समय बढ़ जाता है भूख जगाने वाला हार्मोन

आपको हमेशा यह सोचकर हैरानी होती होगी कि तनाव के समय आपकी भूख क्यों बढ़ जाती है। एक शोध से अब इस राज पर से पर्दा उठा लिया गया है और इसके लिए एक भूख बढ़ाने वाले हार्मोन 'गेर्लिन' को जिम्मेदार ठहराया गया है। इसमें तनाव को कम करने के गुण भी होते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास के एक दल ने अपने शोध में पाया है कि लंबे समय तक तनाव रहने के दौरान गेर्लिन बढ़ जाता है और इससे मस्तिष्क में भूख का अहसास पैदा होता है। हालांकि भूख के हार्मोन का स्तर बढ़ने पर बेचैनी से संबंधित व्यवहार का स्तर घट जाता है। प्रमुख शोधकर्ता जेफ्री जिगमैन के अनुसार, हमारा शोध बताता है कि लंबे समय से चला आ रहा तनाव गेर्लिन स्तर को बढ़ाता है और इसका स्तर बढ़ने से अवसाद एवं बेचैनी से संबंधित व्यवहार घट जाता है। इसका एक नकारात्मक प्रभाव यह होता है कि भूख बढ़ जाती है और शरीर का वजन भी बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने चूहों पर यह शोध किया। उन्होंने दस दिन के लिए चूहों के आहार की मात्रा सीमित कर दी और इससे इनमें गेर्लिन का स्तर कई गुना बढ़ गया।

पीठ दर्द से बचें

पीठ में दर्द आम समस्या है, इतनी आम कि हर दूसरा व्यक्ति इससे ग्रस्त है। इससे निदान पाने के लिए इलाज के रूप में दवाइयां लेने की बजाय अपने बैठने के तरीके को सुधारने की जरूरत है। दिन-रात मेहनत करने वालों की संख्या में लगातार इजाफा होता जा रहा है, पूरे समय कुर्सी पर बैठे रहने वाले पीठ दर्द की शिकायत करते है, जो बाद में चलकर जबरदस्त दिक्कत के रूप में सामने आता है। कंप्यूटर के सामने घंटों आंखें गड़ाए बैठे रहने से निजात पाना मुश्किल जरूर है, लेकिन काम के दौरान सही तरीके से बैठना आपके वश में जरूर है। सही पोश्चर में बैठने से न केवल आप पीठ दर्द से बच पाएंगे बल्कि स्मार्ट भी दिखेंगे। सही पोश्चर होना यानी अपने शरीर को खड़े, बैठने और झुकने के दौरान सही दिशा में रखना है। इसकी ट्रेनिंग जरूर है ताकि आपके शरीर के सहयोगी मांसपेशियों और लिगामेंट्स पर इसका स्ट्रेन कम से कम पड़े। कुर्सी पर बैठने वालों के लिए कुछ टिप्स जो पीठ दर्द से आपको बचाएंगे-

- पीठ सीधी और कंधे पीछे की आर करके बैठिए।
- बैठने के दौरान आपकी हिप कुर्सी के पिछले हिस्से को छुए।
- बैठे रहने के दौरान जर्की मूवमेंट्स से बचिए।
- पैरों को जमीन पर रखिए।
- अपनी कुर्सी की ऊंचाई को एडजस्ट करके, अपने काम के करीब बैठिए।
- [illegible] रखिए। कंधों को रिलैक्स करने दीजिए।
- एक ही पोजीशन में आधे घंटे से ज्यादा बैठने से बचिए।
- घुटनों को सही कोण में रखिए। घुटनों को हिप के बराबर या थोड़ा ऊपर रखें। जरूरत पड़े तो फुटरेस्ट का प्रयोग कीजिए।
- पैरों को क्रॉस करने से बचें।
- एबडोमिनल पुल-इन नामक एक्सरसाइज करें, जिसमें इनहेल और एक्सहेल किया जाता है। साथ ही पेट को अंदर किया जाता है।

शोल्डर ब्लेड स्क्वीज नामक एक्सरसाइज कीजिए, जो आपके बॉडी पोश्चर को सुधारती है। इसके लिए कुर्सी पर बैठकर हाथों को जांघ पर रखें। कंधों को सीधा रखें, अब धीरे-धीरे कंधों को पीछे की आर मोड़ें और कंधों को एक साथ अपनी आर खींचें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1907

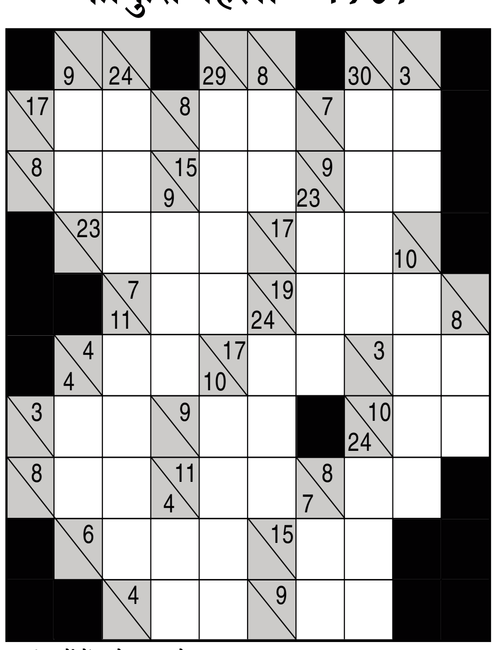

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1906 का हल

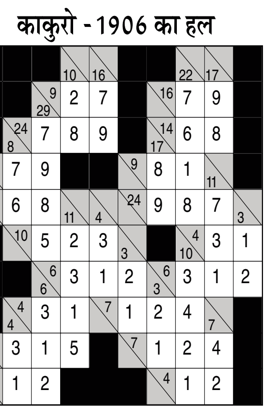

हंसी के फूव्वारें

एक सखी-मेरे पति प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को भोजन करवाते हैं.

दूसरी- हां बहन, ऐसे देवता स्वरूप लोग होते ही कितने हैं. वैसे वे करते क्या हैं?

पहली सहेली-वे होटल में वेटर हैं.

प्रबन्धक-फिलहाल मैं तुम्हें हजार रुपये महीना दे सकता हूँ. छह महीने बाद बारह सौ दूंगा.

प्रत्याशी-ठीक है मैं छह महीने बाद ही आ जाऊंगा.

मां ने दूध में डबलरोटी खाने को दी. थोड़ी देर में बालक रोने लगा तब मां ने पूछा, 'क्यों क्या हुआ? रो क्यों रहे हो?'

बालक ने रोते हुए कहा, 'सारा दूध तो डबलरोटी पी गई मैं क्या पिऊं?'

अपने पिता के साथ चिड़ियाघर देखते हुए बच्चा शेर के पिंजरे के सामने आकर सोचने लगा. बाप ने कारण पूछा तो बच्चे ने कहा, 'कुछ नहीं पिताजी, मैं सोच रहा था कि अगर शेर ने पिंजरे से निकलकर आपको खा लिया तो मैं कौन से नम्बर की बस में घर जाऊंगा.'

पत्नी-तुमने अपना वादा तोड़ दिया.
नेता-कोई बात नहीं जल्दी ही नया वादा कर लूंगा.

फिल्म वर्ग पहेली- 1907

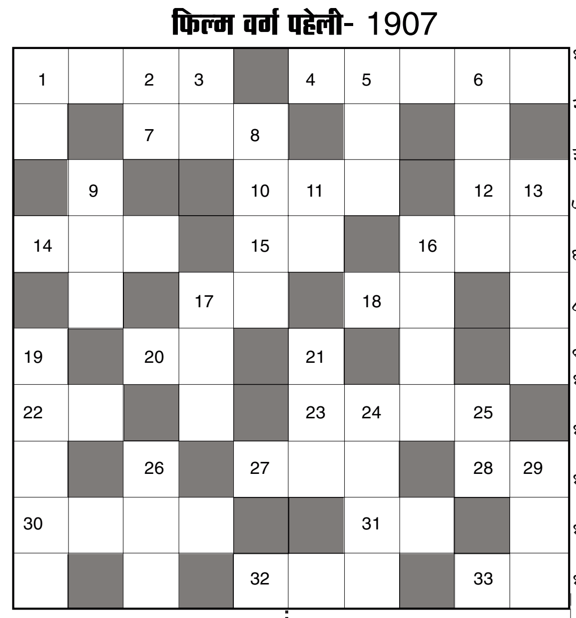

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1906

सुडोकू

4			9		6	1		8
6	8					9	2	3
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 1907

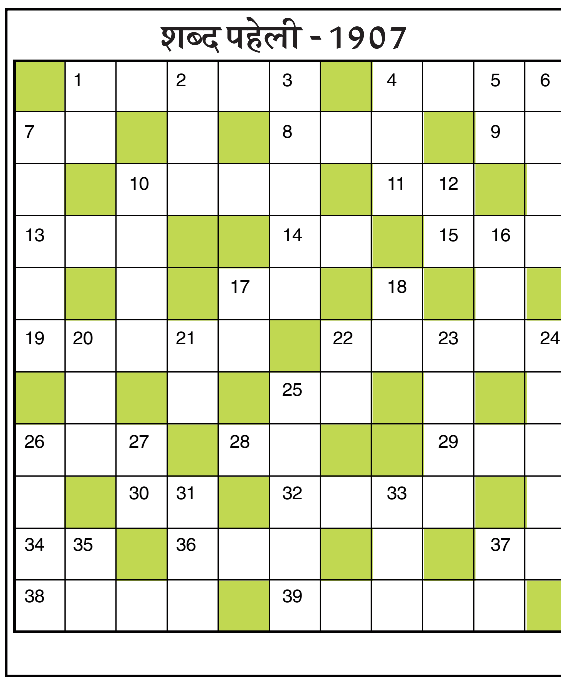

बाएँ से दाएँ

1.अपनापन का विलोम-5
4.हठ करना,रोना,लालसा करना-4
7.गीत (अंग्रेजी-2)
8.गलीचा,कारपेट-3
9.किनारा,छोर-2
10.झगड़ा,कहासुनी-4
11.समय,वक्त-2
13.बेबस-3
14.राष्ट्र,स्वदेश-2
15.पुत्र,लड़का-3
17.प्राप्त करना-2
19.सेंधमार-5
22.चरित्र,व्यवहार-2,3
25.जीव,दूत,जासूस-2
26.आत्मबलि देना-3
28.ताकत,जोश,बल-2
29.कराह,टीस,लालसा-3
30.वहम,संदेह-2
32.आह भरना-4
34.दूर्वा,घास-2
36.चोंगा,गाऊन-3
37.सफर,जात्रा-2
38.दयालु,कृपालु-4
39.निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.पांव, पैर-2
2.भिखारी,मंगता-3
3.अस्वीकृत करना-3,2
4.माला का मोती-3
5.बुरी आदत-2
6.नाटक से परिपूण-4
7.हल्का काला,श्याम-5
10.व्यवस्थित-4
12.बुरी आदत-2
16.अनुकृति-3
17.तांबूल,पत्ता-2
18.रुखसार,कपोल-2
20.डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21.जोड़,योग-2
22.चतुर्थ-2
23.आनंद ध्वनि करना-4
24.महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25.चमकीला-5
26.नीच,नराधम -4
27.विनाश, नेस्तनाबूत-2
31.रंग (अंग्रेजी-3)
33.पराजित करना-3
35.गौरेया, एक चिड़िया-2
37.दोस्त,मित्र, सखा-2

शब्द पहेली - 1906 का हल

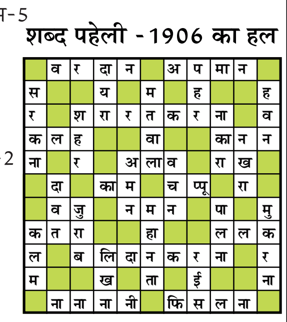

पति बात-बात पर तान देता था तमंचा...जब हो गई हद पार, पत्नी ने उठाया ये कदम

एजेंसी

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश के जनपद बुलंदशहर में एक पत्नी ने पुलिस को शिकायत दी थी कि उसका पति शराब पीकर हंगामा करता है. घर में उससे मारपीट करता है. साथ ही तमंचा दिखाकर जान से मार डालने की धमकी भी देता है. एक बार तो उसने हद ही पार कर दी. पति नशे में इतना चूर हो गया कि सच में ही पत्नी को मारने लगा. पत्नी किसी तरह जान बचाकर भागी. फिर बाद में उसने पुलिस को सूचना दी.मामला कोतवाली खुर्जा क्षेत्र का है. पत्नी की शिकायत पर डायल 112 की पुलिस ने पति अजय सोलंकी से एक तमंचा और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए हैं. पीड़िता पूजा ने पुलिस को बताया कि उसका पति आए दिन शराब के नशे में उसके साथ मारपीट करता है और तमंचा दिखाकर उसे जान से मारने की धमकी देता है. 3 नवंबर के दिन भी आरोपित ने नशे की हालत में पत्नी पर तमंचा तान दिया जिसके बाद वह किसी तरह जान बचाकर घर से बाहर निकली. और मायके चली गई. फिर डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी.

सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर अवैध तमंचा व कारतूस बरामद किया. मामले में जांच जारी है. पीड़िता के मुताबिक, मौके पर पहुंचे दरोगा ने उसके पति से एक तमंचा बरामद किया. वहीं, एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें दारोगा युवक को तमंचा वापस करता दिखा.

सबूत के लिए बनाया वीडियो

इस वीडियो के बारे में एसपी देहात डॉक्टर तेजवीर सिंह ने बताया कि नए कानून BNS (भारतीय न्याय संहिता) के तहत की जा रही कानूनी प्रक्रिया के लिए तमंचा बरामदगी का एक वीडियो भी तैयार किया, जिसे सबूत के तौर पर रिकॉर्ड किया गया था.

मायके में रह रही पीड़िता

इधर, पीड़िता का कहना था कि वो कई दिन पहले महिला परामर्श केंद्र में भी अपने पति और ससुराल पक्ष के खिलाफ शिकायत दर्ज कर चुकी है. मारपीट और जान से मारने की कोशिश के बाद फिलहाल वह अपने मायके में रह रही है.

बदायूं के मैदान में गिरा 20KG का बर्फ का गोला, बाल-बाल बचे मजदूर... क्या बोले एक्सपर्ट्स?

एजेंसी

उत्तर प्रदेश . उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में रविवार को एक अजीबोगरीब घटना हुई. यहां आसमान से 20-25 किलो वजन की बर्फ की सिल जमीन पर आ गिरा. यह घटना एक ईट भट्टे पर हुई, जहां ईंट बनाने का काम चल रहा था. मजदूरों ने बताया कि आसमान साफ था और धूप खिली हुई थी, तभी अचानक बर्फ की सिल आ गिरी, गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुई और मजदूरी कर रहे लोग बाल बाल बच गए. घटना के बाद से इलाके में तरह-तरह कि चर्चाएं चल रही हैं.मामला जिले के बिल्सी थाना क्षेत्र के दीनपुर शेखपुर चौराहे पर स्थित बाबा ईट भट्टे का है. मामले को लेकर एसडीएम बिल्सी प्रेमपाल सिंह ने बताया कि उन्हें इस घटना की सूचना मिली है. स्थानीय पुलिस को जांच के लिए भेज दिया गया है. उन्होंने कहां कि घटना में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है और जांच की जा रही है. हालांकि ईंट भट्ठे पर मजदूरी कर रहे मजदूरों का दावा है कि उनके बच्चे जहां काम कर रहे थे, वहीं कुछ दूरी पर आकर बर्फ की सिल गिरी, जिससे बच्चे बाल बाल बच गए.

<u>जांच में जुटा पुलिस प्रशासन</u>

यह घटना उस समय हुई जब आसमान साफ था और धूप खिली हुई थी, जिससे यह घटना और भी अजीब लग रही है. बर्फ की सिल का वजन 20-25 किलो था, जो कि एक बड़ा आकार है. इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है और लोग इस घटना की चर्चा कर रहे हैं. पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है और जांच शुरू कर दी है. लोगों का कहना है कि यह एक प्राकृतिक घटना है और इसका कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है.

SIR में बरती लापरवाही, 60 BLO और 7 कर्मियों पर FIR... ग्रेटर नोएडा में DM मेधा रूपम की बड़ी कार्रवाई

ग्रेटर नोएडा में जिला अधिकारी मेधा रूपम की तरफ से बड़ी कार्रवाई की गई है. SIR में लापरवाही बरत रहे 60 BLO और 7 सुपरवाइजर पर FIR दर्ज की गई है. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 32 के तहत अलग-अलग थानों में मामला दर्ज कराया गया है.

एजेंसी

यूपी । दिल्ली से सटे यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में चल रहे विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम (SIR) के दौरान लापरवाही बरतने पर जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है. विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में स्ढ्ढक्र कार्य में ढिलाई देने वाले कुल 60 बीएलओ और 7 सुपरवाइजरों के खिलाफ डीएम मेधा रूपम ने (SIR) दर्ज कराई है.

जिलाधिकारी मेधा रूपम के नेतृत्व में 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक (SIR) अभियान चल रहा है. अधिकारियों ने पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए थे कि सूचना दर्ज करने, सत्यापन और रिपोर्ट अपडेट करने में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

बार-बार आदेश देने के बाद भी बरती लापरवाही

जानकारी के मुताबिक, दादरी, नोएडा और जेवर क्षेत्रों में नियुक्त अधिकारियों ने निर्देशों की अवहेलना की, जिसके बाद प्रशासन ने कठोर कार्रवाई करते हुए सभी पर केस दर्ज करवा दिया. लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 32 के तहत अलग-अलग थानों में मामला दर्ज कराया गया है. डीएम मेधा रूपम के आदेश के बाद ये मामला दर्ज कराया गया है. बताया जा रहा है कि बार-बार आदेश देने के बाद भी BLO और सुपरवाइजर SIR का काम नहीं कर रहे थे.

ये कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी

जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी मेधा रूपम के नेतृत्व में 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण अभियान चल रहा है. वरिष्ठ अधिकारियों ने पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए थे कि किसी प्रकार की उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और ये कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी.

बिजनौर: घर में अकेली थी नाबालिग, जबरन घुस आया कबाड़ी, करने लगा अश्लील हरकतें... बच्ची ने खुद को ऐसे बचाया

एजेंसी

उत्तर प्रदेश । उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक कबाड़ी ने एक घर में घुसकर नाबालिग लड़की से अश्लील हरकतें की. इस दौरान पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. किशोरी को अकेले पाकर आरोपी उसके घर में घुस आया था. इस घटना के बाद इलाके के लोगों में काफी गुस्सा है. उन्होंने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब हमारे बच्चे घर में भी सुरक्षित नहीं है.जानकारी के अनुसार, मामला बिजनौर जिले के चांदपुर क्षेत्र के एक गांव का है. दरअसल, किशोरी घर पर अकेली थी. उसकी मां अपने बेटे के साथ जंगल में लकड़ियां लेने गई थी. इसी बीच एक कबाड़ी वहां से गुजर रही था. उसकी नजर किशोरी पर पड़ी. वह उसे देखकर अश्लील हरकतें करने लगा. इसके बाद आरोपी यहां-वहां देखकर उसके घर में घुस गया. यहां वह दोबारा आंगन में खड़े होकर लड़की को देखकर अश्लील करते हुए गंदे-गंदे इशारे करने लगा.

आरोपी ने घर में घुसकर की अश्लील हरकतें

आपत्तिजनक हरकतें देखकर किशोरी काफी डर गई थी. उन्होंने इस

दौरान खुद को कमरे में बंद कर लिया. काफी देर तक वह बाहर नहीं आई, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया. मां के घर लौटने के बाद बेटी ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी उन्हें दी. इसके बाद पास लगे CCTV फुटेज की जांच की गई, जिसमें आरोपी अश्लील हरकतें करते हुए नजर आया. किशोरी मां की तहरीर पर पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर ली. आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और अश्लील हरकतें का मुकदमा दर्ज किया गया है.

कबाड़ी की तलाश में पुलिस

CCTV फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें जुट गई हैं. वहीं, घटना से लेकर स्थानीय लोगों में काफी गुस्सा है. स्थानीय लोग आरोपी के खिलाफ जल्द सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, ताकि वह आगे किसी के युवती के साथ या फिर बच्ची के साथ कुछ भी करने से पहले हजार बार सोचे.

राजनीतिक रंजिश या जमीनी विवाद? श्रावस्ती में पूर्व प्रधान और पत्नी की हत्या, डबल मर्डर से मचा हड़कंप

एजेंसी

उत्तर प्रदेश. उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती में सुबह-सुबह दोहरे हत्याकांड से हड़कंप मच गया, जहां पर पूर्व प्रधान और उनकी पत्नी की निर्मम हत्या कर दी गई. पूर्व प्रधान का शव उनके घर के बरामदे के बाहर पड़ा मिला. वहीं प्रधान की पत्नी का शव खून से लथपथ घर के बाहर झाड़ियां में संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला. इस मामले की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस और फॉरेंसिक की टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई.ये मामला श्रावस्ती के थाना इकौना के खावा पोखर गांव से सामने आया है, जहां पूर्व प्रधान शौकत अली और उनकी पत्नी वसीला की निर्मम हत्या कर दी गई. पूर्व प्रधान शौकत अली का शव उन्हीं के घर के अंदर और उनकी पत्नी वसीला का शव घर के बाहर झाड़ियों में खून में लथपथ हालत में मिला. परिजन का कहना है कि उनका काफी दिनों से जमीन विवाद चल रहा था. ऐसे में आशंका जताई जा रहा है कि जमीनी विवाद में ही उनकी हत्या की गई है.

राजनीतिक रंजिश की भी आशंका

हालांकि, ये भी कहा जा रहा है कि प्रधान आने वाले पंचायती चुनाव में चुनावी मैदान में भी थे. ऐसे में हो सकता है कि किसी ने राजनीतिक रंजिश के चलते इस घटना को अंजाम दिया हो. अब पुलिस और फॉरेंसिक टीम सभी पहलू को देखते हुए बारीकी से जांच कर रही है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं एक घर में दो हत्याओं के बाद परिवार में कोहराम मच गया है.

पुलिस मामले की जांच में जुटी

पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंचने के बाद जमीनी विवाद की आशंका जताई जा रही है. बताया जा रहा है कि प्रधान शौकत अली का किसी से जमीनी विवाद चल रहा था. इसी विवाद में उनकी हत्या की गई. हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं पर जांच में जुट गई है. पुलिस हत्या की असल वजह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि प्रधान और उनकी पत्नी की राजनीतिक रंजिश के चलते हत्या की गई है या फिर कोई और वजह थी. जल्द ही इस मामले का खुलासा कर दिया जाएगा.

महाराष्ट्र निकाय चुनाव: वोटिंग से पहले ही BJP की बंपर बढ़त, 103 प्रत्याशी निर्विरोध जीते

एजेंसी

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र में होने वाले नगर पंचायत और नगर परिषद चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मतदान से पहले ही एक बड़ी राजनीतिक बढ़त हासिल कर ली है. नामांकन वापसी की अंतिम तिथि तक बीजेपी के 100 नगर सेवक और 3 नगर अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए हैं. यानी कई वार्डों में वोटिंग की ज़रूरत ही नहीं पड़ी और बीजेपी प्रत्याशी बिना मुकाबले ही विजयी हो गए.

बीजेपी ने शुरुआत में ही बनाई जबरदस्त बढ़त

राज्य के कई हिस्सों में विपक्षी दलों ने मुकाबले में उतारने का जोखिम नहीं लिया. इससे बीजेपी को शुरुआती चरण में ही बड़ी संख्या में सीटें मिल गईं, जिससे पार्टी का मनोबल और चुनावी रणनीति दोनों मजबूत हो गई हैं.

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व पर जनता के भरोसे का नतीजा बताया. उन्होंने कहा कि 'बीजेपी की विकास योजनाओं और नीतियों पर जनता का विश्वास लगातार बढ़ रहा है. इसलिए कई जगह विपक्ष ने मैदान ही नहीं संभाला.

किस क्षेत्र से कितनी निर्विरोध जीत?

निर्विरोध जीत के आंकड़े महाराष्ट्र के कई क्षेत्रों से आए हैं, जिसमें उत्तर महाराष्ट्र और पश्चिम महाराष्ट्र में बीजेपी ने सबसे अधिक बढ़त बनाई है. इन इलाकों में पार्टी का संगठनात्मक ढांचा मजबूत माना जाता है और स्थानीय स्तर पर बीजेपी की पकड़ काफी प्रभावी दिखी.

इन आंकड़ों से साफ है कि उत्तर और पश्चिम महाराष्ट्र में बीजेपी की स्थिति बेहद मजबूत है और अन्य दल उनसे काफी पीछे रह गए हैं. महाराष्ट्र की नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए 2 दिसंबर को मतदान होगा.

वहीं 3 दिसंबर को चुनाव नतीजे घोषित किए जाएंगे. चुनाव से पहले बीजेपी की यह बंपर शुरुआत विपक्ष के लिए बड़ी चुनौती मानी जा रही है.

लाल किला धमाका: मौलवी इरफान ने 300 से ज्यादा कश्मीरियों में भरा आतंक वाला जहर

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विस्फोट मामले की जांच कर रही एनआईए को गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में कई अहम जानकारियां मिली हैं। संदिग्धों से मिले इनपुट से पता चला है कि कट्टरपंथ की पाठशाला कई देशों से चल रही थी। ऐसे में एजेंसी अल-फलाह यूनिवर्सिटी के विदेशी लिंक भी खंगालने में जुटी है। इस बीच यह भी पता चला है कि मौलवी इरफान 300 से ज्यादा कश्मीरियों को आतंक की राह पर धकेलने के लिए उनके दिमाग में जहर घोल चुका है।

एक अधिकारी ने बताया कि तुर्किए, पाकिस्तान के अलावा ब्रिटेन, कनाडा जैसे देशों से कुछ संदिग्धों का संपर्क एजेंसियों की जानकारी में आया है। इसे खंगालने के लिए एनआईए इन देशों की एजेंसियों से भी संपर्क साधेगी।

सूत्रों ने बताया कि आठ आरोपियों में से जिन तीन डॉक्टर और एक मौलवी को एनआईए श्रीनगर से दिल्ली पूछताछ के लिए लाई है। इनमें से जम्मू-कश्मीर के रहने वाले डॉ. मुजम्मिल शकील गनी और मौलवी मुफ्ती इरफान अहमद वागे ने कई अहम जानकारियां एनआईए को दी हैं। जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने कहा कि इस हमले में तमाम देसी-विदेशी पहलुओं को खंगाल रहे हैं। लेकिन इसके लिए अभी कई महत्वपूर्ण कड़ियों को जोड़ना बाकी है।

मां के दूध में यूरेनियम, स्टडी में बिहार के इन जिलों में मिली ये समस्या AIIMS के डॉक्टर ने बताया कितनी मुश्किल में हैं नौनिहाल

एजेंसी

बिहार। मां का दूध एक बच्चे के लिए सबसे ज्यादा उत्तम आहार माना जाता है, जिसमें बच्चे के विकास के लिए सभी जरूरी पोषक तत्व सही मात्रा में होते हैं, लेकिन बिहार के 6 जिलों में की गई एक स्टडी में कुछ ऐसा सामने आया, जिसने सभी को चिंता में डाल दिया. दरअसल पटना के महावीर कैंसर संस्थान ने एक अहम स्टडी की है, जिसमें दिल्ली के वैज्ञानिक भी शामिल थे.

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक यह स्टडी अक्टूबर 2021 से जुलाई 2024 के बीच की गई. इसमें भोजपुर, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया, कटिहार और नालंदा जिलों की 40 महिलाओं के स्तनपान वाले दूध के सैंपल की जांच की गई. इस जांच में चौंकाने वाली बात सामने आई कि इन जिलों में हर स्तनपान कराने वाली महिला के दूध में यूरेनियम (238) मौजूद है. सैंपल में इसकी मात्रा 0 से 5.25 द्द/रुतक पाई गई.

70 प्रतिशत बच्चों के लिए खतरा

हालांकि, अभी तक किसी भी देश या संस्था की ओर से स्तन दूध में यूरेनियम की कोई सुरक्षित सीमा तय नहीं है. इनमें खगड़िया में औसत स्तर सबसे ज्यादा, नालंदा में सबसे कम और कटिहार के एक नमूने में सबसे ज्यादा मात्रा मिली. रिपोर्ट में सामने आया कि लगभग 70 प्रतिशत बच्चों के लिए यह यूरेनियम स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकता है.

AIIMS के डॉक्टर अशोक शर्मा ने बताया कि अभी यह पता नहीं चल पाया है कि यूरेनियम आखिर आ कहां से रहा है. जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया इसकी जांच कर रहा है.

उन्होंने कहा कि अगर यूरेनियम खाने-पीने की चीजों में घुस चुका है तो यह कैंसर, दिमागी समस्याएं और बच्चों की ग्रोथ पर असर डाल सकता है. बिहार में पहले से ही पानी और मिट्टी में रासायनिक उर्वरकों के लंबे समय तक इस्तेमाल ने स्थिति को और खराब किया है.

अब स्तन दूध में यूरेनियम मिलना दिखाता है कि प्रदूषण सीधे शिशुओं तक पहुंच चुका है.

आर्सेनिक, सीसा और पारा जैसे जहरीले तत्व पाए जा रहे हैं.

सीधे शिशुओं तक पहुंच रहा प्रदूषण

इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि भूजल पर ज्यादा निर्भरता, फैक्ट्रियों का गंदा पानी और एक्सपर्ट्स ने बताया कि शिशु सबसे ज्यादा खतरे में होते हैं, क्योंकि उनका शरीर विकसित हो रहा होता है. वह धातुओं को जल्दी सोखते हैं और कम वजन होने की वजह से उन पर इसका असर ज्यादा होता है.

जबलपुर में लेडी गैंग का आतंक, चाकू की नोंक पर लड़कियों को किडनैप करके पीटतीं, फिर वायरल करतीं वीडियो... मकसद जान पुलिस भी सन्न

<u>मध्य प्रदेश के जबलपुर में फेमस होने के लिए एक लेडी गैंग ऐसे-ऐसे कारनामे कर रहा है, जिससे न सिर्फ शहर वाले परेशान हैं. बल्कि, पुलिस भी उनकी हरकतें देख सकते में है. गैंग की युवतियां इंस्टाग्राम पर आईडी बनाकर मारपीट के वीडियो अपलोड करती हैं.</u>

एजेंसी

जबलपुर। संस्कारधानी कहलाने वाले जबलपुर शहर में इन दिनों लेडी गैंग का आतंक से सिर चढ़कर बोल रहा है. लेडी गैंग के नाम से मशहूर इस गैंग में 15 साल से लेकर 25 साल तक की युवतियां शामिल हैं. ये पहले चाकू की नोंक पर अन्य युवतियों को अगवा करती हैं, फिर उन्हें सुनसान स्थानों पर ले जाकर बेरहमी से पीटती हैं. इनका मकसद होता है कि शहर में अपना खौफ बनाना. इसके लिए वो लड़कियों को पीटते हुए वीडियो भी बनाती हैं, फिर उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल करती हैं.इस लेडी गैंग के आतंक ने शहरवासियों को हिला कर रख दिया है. शहर में तेजी से वायरल हो रहे इन वीडियो ने पुलिस और प्रशासन दोनों की चिंता बढ़ा दी है. दरअसल, मारपीट का शिकार हुई शनिवार को एक पीड़ित युवती ने हिम्मत दिखाते हुए ग्वारीघाट थाना पहुंचकर FIR दर्ज कराई। उसका आरोप है कि लेडी गैंग ने न सिर्फ उसे धमकाकर अपने साथ ले गई, बल्कि साथ ही उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया.

मामला ग्वारीघाट तट का बताया जा रहा है. पुलिस ने वायरल वीडियो की जांच की तो पता चला कि यह गैंग सोशल मीडिया में 'फेमस' होने की सनक में अपराध की राह पर उतर आया है. गैंग की युवतियां 'Suman Saket 358' और 'Killer Queen 1111' नाम के इलावा अन्य इंस्टाग्राम आईडी बनाकर मारपीट के वीडियो अपलोड करती थीं.. वीडियो में युवतियां 'Last Round Only 307' और 'ह्लठ्ठद्य4 307' जैसे कैप्शन लिखकर पुलिस को खुलेआम चुनौती देती दिखाई दे रही थीं. वीडियो में गाली-गलौज और अभद्र भाषा का उपयोग भी साफ सुना जा सकता है. यही नहीं, युवतियों के हाथ में सिगरेट भी देखी जा सकती है.ग्वारीघाट थाना प्रभारी सुभाषचंद्र बघेल ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरोह की तीन युवतियों को गिरफ्तार कर लिया गया है. इनमें कांचघर क्षेत्र की दो नाबालिग किशोरियां और एक युवती शामिल हैं. पूछताछ में सामने आया कि तीनों का कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है. बावजूद इसके उन्होंने सोशल मीडिया पर 'व्यू और फेम' बटोरने के लिए इस खतरनाक राह का चुनाव किया था. दो नाबालिगों को बाल सुधार गृह भेजा गया है जबकि एक युवती को जेल भेज दिया गया है.

सोशल मीडिया का गलत इस्तेमाल

पुलिस का कहना है कि यह पूरा खेल सोशल मीडिया की गलत प्रतिस्पर्धा ने पैदा किया है जिसमें युवा वर्ग प्रसिद्धि की लालसा में अपराध तक कर डालते हैं. यह चिंता का विषय है कि जिस शहर को संस्कारधानी कहा जाता है, वहां युवतियों द्वारा संगठित रूप से ऐसा अपराध करना सामाजिक मूल्यों में गिरावट का संकेत है.

कई पीड़ितों ने नहीं दी शिकायत

अधिकारियों का मानना है कि यह गिरोह सिर्फ तीन युवतियों तक सीमित न होकर और भी सदस्य शामिल है. जांच में यह भी संभावना जताई गई है कि कई पीड़ित डर के कारण अब तक सामने नहीं आ पाए हैं. पुलिस ने अपील की है कि यदि किसी और युवती के साथ भी ऐसी घटना हुई है तो वह आगे आकर शिकायत करे. वहीं, पुलिस अब गैंग के नेटवर्क और इंस्टाग्राम अकाउंट से जुड़े डिजिटल प्रमाण भी जुटा रही है.

दूसरा टेस्ट : मुथुसामी, यानसन की अच्छी बल्लेबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने बनाये 489 रन

–भारत ने बिना किसी नुकसान के 9 रन बनाये

गुवाहाटी (एजेंसी)। सेनुरन मुथुसामी के शतक और मार्को यानसन के अर्धशतक से दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 489 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 9 रन बना लिए थे। स्टंप के समय केएल राहुल 2 और यशस्वी जायसवाल 7 रन पर खेल रहे थे।

इससे पहले कुलदीप यादव ने यानसन 93 को आउट कर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी का 489 के स्कोर पर अंत कर दिया। कुलदीप ने 152वें ओवर की पहली गेंद पर यानसन को आउट कर दिन का अपना यह पहला विकेट लेकर मेहमान टीम की पारी 489 रन पर समेट दी। यानसन ने 91 गेंदों में सात छक्के मारे और छह चौके लगाते हुए 93 रनों की पारी खेली। वहीं कुलदीप ने चार विकेट लिए जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले।

मोहम्मद सिराज ने सेनुरन मुथुसामी को आउट किया। मुथुसामी ने 206 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए 109 रनों की पारी खेली। वहीं जसप्रीत बुमराह ने साइमन हार्मर को पांच रन पर आउट कर दिया। पहले सत्र में, सेनुरन मुथुसामी और काइल वेरेन की जोड़ी ने सातवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े। जडेजा ने काइल वेरेन को आउटकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। काइल वेरेन ने 122 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 45 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये माकर यानसन ने सेनुरन मुथुसामी के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। इस दौरान सेनुरन मुथुसामी ने अपना शतक और माकर यानसन ने तेज बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपना अर्धशतक लगाया।

भारतीय महिला टीम ने जीता दृष्टिबाधित टी20 क्रिकेट विश्व कप

कोलंबो (एजेंसी)। भारत ने टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप फाइनल में रविवार को यहां के पी सारा ओवल मैदान में नेपाल को 7 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट विश्व कप का यह पहला आयोजन है। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रनों पर रोक दिया और फिर महज 12 ओवरों में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत का इस मैच पर दबदबा इतना था कि नेपाल की टीम अपनी पारी में केवल एक चौका ही लगा सकी। फुला सरेन नाबाद 44 रनों की पारी के साथ भारत की सर्वोच्च स्कोरर रही। भारत ने इससे पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि नेपाल ने शनिवार को दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया था। सह-मेजबान श्रीलंका शुरुआती चरण के पांच मैचों में सिर्फ एक मैच (अमेरिका के खिलाफ) ही जीत सका।

पाकिस्तान की बी3 (आंशिक रूप से दृष्टिबाधित) खिलाड़ी मेहरीन अली छह टीमों के टूर्नामेंट में सबसे सफल बल्लेबाज रही। उन्होंने 600 से अधिक रन बनाए, जिसमें श्रीलंका के खिलाफ 78 गेंदों में खेली गई 230 रनों की पारी भी शामिल है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 133 रनों की पारी खेली थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित, राहुल कप्तानी संभालेंगे

–तिलक और ऋतुराज शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए रविवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को मिली है। वहीं नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन में अकड़न के कारण शामिल नहीं किये गये हैं। श्रेयस अय्यर भी फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर है।

टीम में तिलक वर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ को भी शामिल किया गया है। दक्षिया अफ्रीका-ए के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी के कारण ऋतुराज को टीम में जगह मिली है। वहीं तिलक को भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में शानदार बल्लेबाजी के कारण एकदिवसीय में जगह दी गयी है। ऋतुराज ने भारत के लिए 6 और तिलक ने 4 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं. ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत भी एकदिवसीय दल में शामिल हैं। 15 सदस्यीय टीम में

अनुभवी विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी रखा गया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, और अक्षर पटेल को टीम में जगह नहीं मिली है।

टीम इस प्रकार है –केएल राहुल (कप्तान/विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, ऋतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और ध्रुव जुरेल.

सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में होना है। दूसरा 3 दिसंबर को रायपुर में और तीसरा 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएग।

इंग्लैंड टीम आक्रामक रणनीति नहीं बदलेगी : मैकुलम

पर्थ (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली हार के बाद भी उनकी टीम अपनी आक्रामक रणनीति नहीं बदलेगी। पहले टेस्ट में इंग्लैंड को आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही कई पूर्व क्रिकेटरों ने टीम की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। इंग्लैंड की टीम पहले मैच में केवल दो दिनों में ही हार गयी। जिससे यह 1921 के बाद एशेज का सबसे छोटा टेस्ट बन गया। दूसरे दिन की शुरुआत में इंग्लैंड टीम अच्छी स्थिति में थी पर कुछ समय में ही मैच पलट गया। दूसरे दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9 विकेट पर 123 रन था, कप्तान बेन स्टोक्स की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया 132 रनों पर ही आउट हो

गयी। मेहमान टीम ने 40 रन की बढ़त ली, जिससे वह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अच्छी स्थिति में आ गयी थी। पर अपनी पहली टेस्ट जीत हासिल करने की स्थिति में आ गए।

इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की जिससे उन्हें 9 विकेट शेष रहते 105 रन की बढ़त मिल गई पर बाद में उसकी बल्लेबाजी ढ़ह गयी। टीम ने 18.2 ओवर के अंदर अपने बचे हुए सभी विकेट खो दिए और अच्छी शुरुआत के बाद केवल 99 रन ही बना पायी। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को केवल 205 रनों का लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए ट्रैविस हेड ने केवल 83 गेंदों पर ही 123 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी। पहला टेस्ट हारने के बाद मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि टीम की हार से वह निराश जरुर हैं पर इंग्लैंड पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और वह दूसरे ब्रिस्बेन टेस्ट पर ध्यान देगा। मैकुलम ने कहा, हम कुछ समय से चीजों पर बहुत ज्यादा प्रतिक्रिया देने से बचने का प्रयास कर रहे हैं। हम जानते हैं कि इससे दुख होगा और इससे केवल हमें ही नहीं, बल्कि हमारी टीम का समर्थन करने वाले सभी लोगों को परेशानी होगी। हमारे लिए, यह जरुरी है कि हम अपने आत्मविश्वास और अपने भाईचारे को बनाये रखें। हम जानते हैं कि जब हम अपना बेहतर प्रदर्शन देते हैं, तो हम एक बहुत अच्छी क्रिकेट टीम होते हैं। अब हमारे पास अगले 10 से 12 दिनों के लिए काफी समय है इससे हम यह तय सकें कि जब हम ब्रिस्बेन में जीत हासिल कर सके। मैकुलम ने कहा कि वे चार दिसंबर से गाबा में होने वाले अगले चार टेस्ट मैचों में अपनी आक्रामक रणनीति से पीछे नहीं हटेंगे।

हॉकी इंडिया ने किया बड़ा ऐलान, पुरुष जूनियर विश्व कप के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा की

मदुरै ।हॉकी इंडिया ने 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक यहां होने वाले पुरुष जूनियर विश्व कप के मैच देखने के लिए रविवार को मुफ्त टिकटों की घोषणा की। इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई में भी खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में कुल 24 टीमें भाग लेंगी, जिससे यह जूनियर विश्व कप के इतिहास का सबसे बड़ा टूर्नामेंट बन जाएगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'मुफ्त टिकट की पेशकश करके हमारा उद्देश्य तमिलनाडु और उसके बाहर के छात्रों, युवा खिलाड़ियों, परिवारों और हॉकी प्रेमियों के लिए दरवाजे खोलना है।' विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्चुअल फ्री टिकट टिकटजीनी वेबसाइट या हॉकी इंडिया ऐप से बुक किए जा सकते हैं।

ऋषभ को अंपायरों ने दी चेतावनी, फिर हुई गलती तो भारतीय टीम पर लगेगा जुर्माना

गुवाहटी (एजेंसी)। यहां जारी दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अंपायरों ने दूसरी बार भारतीय टीम के कप्तान ऋषभ पंत को चेतावनी दी है। ऐसे में अब अगर ऋषभ फिर से गलती करते हैं तो भारतीय टीम पर जुर्माना लगाया जाएगा। अंपायरों ने ओवरों के बीच तय समय से ज्यादा समय लेने के लिए कप्तान को चेताया है। धीमी ओवर गति के लिए भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे ऋषभ को ये चेतावनी दी है। ऋषभ को दूसरी चेतावनी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो ने 88वें ओवर के शुरू होने से पहले दी। इसका कारण ये है कि जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव के ओवर के बीच कप्तान ने फील्डिंग जमाने में अधिक समय लगा दिया था। ऐसे में अगर कप्तान फिर से टाइम खराब करते हुए पाये जाते हैं तो उन पर 5 रन का जुर्माना लगाया जा सकता है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के खाते में ये रन जुड़ जाएंगे। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 6 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाये थे। उसे शीर्ष बल्लेबाजों एडन मार्करम, रायन रिकल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और टेंबा बावुमा सभी ने अच्छी शुरुआत की हालांकि कोई वे बड़ी पारी नहीं खेल पाये।

हेड की पारी देखकर शास्त्री को याद आया 2023 एकदिवसीय विश्वकप

पर्थ ।भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने एशेज सीरीज के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी कर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाने वाले बल्लेबाज ट्रैविस हेड की जमकर प्रशंसा की है। इसी के साथ ही शास्त्री ने साल कप 2023 के एकदिवसीय विश्वकप फाइनल को भी याद किया जब हेड के कारण ही भारतीय टीम के हाथ से खिताब निकल गया था। शास्त्री ने कहा कि जैसा हेड ने भारत के खिलाफ किया था वैसा ही उसने अब इंग्लैंड से किया है। हेड ने एक ऐसी पारी पर्थ में खेली, जिसे इंग्लैंड की टीम कई साल तक भूल नहीं पायेगी। दूसरे ही दिन एक ही सत्र में हेड ने शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। शास्त्री ने सोशल मीडिया में लिखा, 'हेड दो साल पहले आपने मेरे देश को शांत करा दिया था और आज, आपने फिर से वही इंग्लैंड के खिलाफ खेल के सबसे बड़े प्रारुप में किया है। आक्राम अंदाज़ में, एक शानदार पारी खेली।' हेड को लेकर शास्त्री ने विश्व कप 2023 फाइनल में खेली गई पारी को भी याद किया , जब उन्होंने अपनी टीम को कठिन हालातों में से निकालकर जीत दिला दी थी। हेड की पारी के कारण ही लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर हार का सामना करना पड़ा था।

लक्ष्य ने जापान के तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन खिताब जीता

सिडनी (एजेंसी)। भारत के लक्ष्य सेन ने यहां खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट को जीत लिया है। लक्ष्य ने 475,000 लाख डॉलर की इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जापान के 26 वर्षीय युशी तनाका को फाइनल में 21-15, 21-11 से हराया। ये मुकाबला 38 मिनट ही चला। लक्ष्य ने तनाका को सीधे गेमों में हराकर पिछले कुछ समय से मिल रही असफलता को पीछे छोड़ दिया है। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद भी लक्ष्य पिछले कुछ समय में सफल नहीं रहे थे पर इस जीत से तय है कि उन्होंने एक बार फिर लय हासिल कर ली है।

लक्ष्य ने जापान के तनाका पर मिली जीत के बाद कानों में उंगलियां डालकर जश्न मनाया। इससें अंदाजा होता है कि ये खिताब उनके लिए कितना अहम है। इस

जीत के साथ लक्ष्य ने लगभग दो साल बाद सुपर 500 स्तर पर ट्रॉफी जीती है। इससे पहले उन्होंने 2024 में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल (सुपर 300) जीता था पर कनाडा ओपन के बाद से ही वह किसी बड़े टूर्नामेंट में शीर्ष पर नहीं पहुंच पाए थे।

इस सत्र में विश्व टूर जीतने वाले लक्ष्य सेन केवल दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपर सुपर 300 में अपना पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी इस साल कई फाइनल तक पहुंचे वहीं जबकि किदांबी श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे। ऐसे में लक्ष्य की यह जीत भारतीय बैडमिंटन में उर्जा का संचार करेगी।

फाइनल में लक्ष्य ने आक्रामक और संयमित खेल दिखाकर अपनी बढ़त बनाये रखी। 6-3 की शुरुआती बढ़त के बाद उन्होंने जापानी विरोधी की लगातार गलतियों का लाभ उठाया। इस दौरान दर्शकों ने भी उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने तनाका को रैलियों में बांधे रखा, जिससे विरोध खिलाड़ी का संभलने का अवसर ही नहीं मिला।

दूसरे गेम में लक्ष्य ने अपना स्तर और ऊपर उठाया। तेज़ रिएक्शन, धारदार ड्राइव से दबाव बनाये रखा।

वहीं जापनी खिलाड़ी गलतियों करते हुए संभल नहीं पाये।

मुशफिकुर रहीम का शतक, बांग्लादेश ने आयरलैंड को श्रृंखला में किया क्लीन स्वीप

मीरपुर (बांग्लादेश) ।मुशफिकुर रहीम ने अपने 100वें टेस्ट में शतक जड़ा जिससे बांग्लादेश ने आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 217 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। मुशफिकुर ने पहली पारी में 106 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में नाबाद 53 रन की पारी खेली जिससे उन्होंने मैच में कुल 159 रन बनाए जबकि लिटन दास ने 128 रन की शतकीय पारी खेली। इससे मेजबान टीम ने पहली पारी में 476 रन बनाए। आयरलैंड के ऑफ-स्पिनर एंडी मैकब्राइन ने 109 रन पर छह विकेट झटककर बांग्लादेश को 500 रन से पहले ही रोक दिया। लेकिन ताइजुल इस्लाम ने दोनों पारियों में 76 और 94 रन देकर चार चार विकेट झटके। इससे वह 250 टेस्ट विकेट तक पहुंचने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज बन गए। आयरलैंड की टीम पहली पारी में 265 रन पर सिमट गई। लेकिन बांग्लादेश ने फॉलो-ऑन नहीं दिया। दूसरी पारी में शादमान इस्लाम (78) और महमूदुल हसन जॉय (60) ने मिलकर 119 रन की भागीदारी निभाई। इसके बाद मोमिनुल हक ने 87 रन बनाए जिससे बांग्लादेश ने चार विकेट पर 297 रन पर पारी घोषित कर दी। अब आयरलैंड को जीत के लिए 509 रन का मुश्किल लक्ष्य मिला। आयरलैंड की जोड़ी हैरी टेक्टर (50) और कर्टिस कैंपर (नाबाद 71 रन) ने डटे रहकर मैच को पांचवें दिन तक पहुंचाया। लेकिन उसकी दूसरी पारी 291 रन पर खत्म हुई। बांग्लादेश ने पहला मैच पारी और 47 रन से जीता था। दोनों टीमें अब 29 नवंबर से चटगांव में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेंगी।

पिता को दिल का दौरा पड़ने से स्मृति मंधाना की शादी टली

इंदौर ।भारतीय महिला क्रिकेर स्मृति मंधाना के पिता को दिल का दौरा पड़ने से स्मृति और उनके मंगेतर पलाश मुच्छल की शादी टल गई है। सांगली में मंधाना के फॉर्म हाउस पर शादी समारोह चल रहा था। इसी बीच ही मंधाना के पिता श्रीनिवास मंधाना को दिल का दौरा पड़ गया जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनका ईलाज जारी है। वहीं मंधाना के बिजनेस मैनेजर तुहिन मिश्रा ने उनके पिता के हार्ट अटैक की पुष्टि की है। वहीं शुरुआत में कहा जा रहा था कि शादी में आए किसी मेहमान को दौरा पड़ा है पर बाद में पता चला कि मंधाना के पिता की ही तबियता खराब थी। तुहिन ने मंधाना के पिता की तबीयत को लेकर कहा, 'आज सुबह नाश्ता करते समय मंधाना के पिता की तबीयत खराब हो गई। हमने थोड़ी देर इंतजार किया, लेकिन जब लगा कि हालत बिगड़ती जा रही है तो लिए एम्बुलेंस बुलाई और उन्हें अस्पताल ले गए. अभी वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'स्मृति अपने पिता के बहुत करीब हैं। दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्होंने फैसला किया कि जब तक उनके पिता ठीक नहीं हो जाते तब तक यह शादी स्थगित रहेगी।'

गिल टी20आई सीरीज से हो सकते हैं बाहर, वनडे में इस खिलाड़ी को मिलेगी कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ी चिंता उभरकर सामने आई है, क्योंकि युवा स्टार बल्लेबाज़ शुभमन गिल के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज में खेल पाने की उम्मीद अब बेहद कम हो गई है। ईडन गार्डन्स टेस्ट के दौरान हुई गर्दन की गंभीर ऐंठन के बाद गिल को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था, जिसके बाद उनकी चोट पहले से अधिक गंभीर पाई गई। अब खबरें साफ इशारा कर रही हैं कि गिल दिसंबर की टी20आई सीरीज में भी वापसी नहीं कर पाएंगे और नई रिपोर्ट्स के मुताबिक वे अब अगले साल ही मैदान पर लौट सकते हैं।

गिल की गर्दन की चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर

कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान शुभमन गिल को अचानक गर्दन में तेज़ दर्द और अकड़न महसूस हुई, जिसके चलते उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया और बाद में अस्पताल में भर्ती किया गया। शुरुआती अंदाज़े में इसे मामूली ऐंठन माना जा रहा था, लेकिन स्कैन रिपोर्ट्स ने चोट को अधिक गंभीर बताया। इसी कारण गिल को टेस्ट टीम से औपचारिक रूप से रिलीज़ कर दिया गया, और अनुमान लगाया गया कि वे व्हाइट-बॉल सीरीज से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे। लेकिन ताज़ा रिपोर्ट्स के अनुसार, ऐसा होना अब मुश्किल है।

दक्षिण अफ्रीका टी20आई सीरीज में नहीं खेल पाएंगे गिल

द टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 9 दिसंबर से शुरू होने वाली टी20आई सीरीज में गिल का खेलना लगभग असंभव माना जा रहा है। गिल को लगातार इंजेक्शन लग रहे हैं, वे नियमित रूप से स्पाइनल कंसल्टेंट्स के संपर्क में हैं, चोट की गंभीरता को देखते हुए मेडिकल टीम और चयनकर्ता कोई जोखिम नहीं लेना चाहते, इसलिए, टीम मैनेजमेंट चाहता है कि गिल जल्दबाज़ी में वापसी न करें, ताकि लंबे समय तक चलने वाली चोट का खतरा न बढ़े। माना जा रहा है कि गिल अब अगले वर्ष ही मैदान पर लौटेंगे।

ODI सीरीज की कप्तानी को लेकर चयनकर्ताओं की चुनौती

गिल के बाहर होने से चयनकर्ताओं के सामने नई मुश्किल खड़ी हो गई है, साउथ अफ्रीका के खिलाफ ODI टीम का कप्तान कौन होगा? इसी बीच, श्रेयस अय्यर भी ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी स्प्लीन इंजरी से अभी पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। ऐसे में भारत को एक भरोसेमंद कप्तान की ज़रूरत है जो टीम को संभाल सके और गिल-अय्यर की गैर-मौजूदगी में स्थिरता ला सके।

केएल राहुल की कप्तान के रूप में वापसी लगभग तय

सूत्रों के अनुसार, केएल राहुल की ODI कप्तान के रूप में वापसी अब लगभग पक्की मानी जा रही है। भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका ODI सीरीज 30 नवंबर से शुरू होगी राहुल इससे पहले भी 12 ODI में टीम इंडिया की कप्तानी कर चुके हैं। उनका पहला कप्तानी असाइनमेंट जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

ही था। दिलचस्प बात यह है कि राहुल की पिछली ODI कप्तानी भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ थी, और अब दो साल बाद वे फिर उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ ही कप्तान की भूमिका में उतरने की तैयारी कर रहे हैं।

टीम इंडिया के लिए आगे की राह

गिल की चोट और प्रयोगात्मक कप्तानी से टीम की बल्लेबाज़ी बैलेंस पर असर पड़ सकता है। हालांकि, टीम मैनेजमेंट उम्मीद कर रहा है कि दिसंबर सीरीज तक नए चेहरे, अनुभवी खिलाड़ियों के साथ मिलकर संतुलित प्रदर्शन करें। टीम को अब गिल की फिटनेस से ज्यादा उनके दीर्घकालिक करियर को सुरक्षित रखना है, इसलिए यह ब्रेक भविष्य के लिए आवश्यक माना जा रहा है।

नम्बर 8 पर आए ईनान की शतकीय पारी, भारत ए अंडर-19 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल के करीब

बेंगलुरु ।आठवें क्रम पर बल्लेबाजी के लिए आए हरफनमौला मोहम्मद ईनान की नाबाद शतकीय पारी के दम पर भारत ए अंडर-19 ने रविवार को यहां भारत बी अंडर-19 को 26 रन से हराकर तीन देशों की श्रृंखला के फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। लेग स्पिन गेंदबाजी करने वाले केरल के इस युवा खिलाड़ी ने 74 गेंदों में 12 चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 105 रनों की पारी खेली। उनकी इस पारी से भारत ए अंडर-19 ने 18 ओवर में 68 रन पर पांच विकेट गंवाने के बावजूद के सात विकेट पर 267 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। ईनान ने छठे विकेट के लिए खिलान पटेल (37) के साथ 34 रन की साझेदारी करने के बाद अनमोलजीत सिंह (नाबाद 30) के साथ सातवें विकेट के लिए 135 रन की अटूट साझेदारी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत बी अंडर-19 की टीम 47.2 ओवर में 243 रन पर आउट हो गयी। आदित्य रावत (34 रन पर चार विकेट) और मोहम्मद मलिक (49 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने भारत बी की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। भारत बी के लिए विकेटकीपर हरवंश पंगालिया ने 113 गेंद में 99 रन की पारी खेली। उन्होंने जगनाथन हेमचूडशन (45) के साथ छठे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी की लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज अमव बग्गा ने भी 49 रन का योगदान दिया। टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार के साथ भारत बी की टीम फाइनल में पहुंचने की दौड़ से लगभग बाहर हो गयी है।

आगामी शो 'मिसेज देशपांडे' में दिलचस्प किरदार में नजर आएंगी माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित इन दिनों अपने आगामी शो 'मिसेज देशपांडे' को लेकर चर्चाओं में हैं। माधुरी इस शो में एक अलग और दिलचस्प किरदार में नजर आएंगी। शो से माधुरी का फर्स्ट लुक सामने आया है। इसके सामने आने के बाद फैंस इस शो के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं।

जारी हुए इस फर्स्ट लुक में माधुरी अपना मेकअप और गहने उतारती हुई दिखाई दे रही हैं। अगले ही फ्रेम में उनका एक कच्चा, अनफिल्टर्ड रूप सामने आ रहा है। अगले शॉट से संकेत मिलता है कि कुछ गंभीर हुआ है क्योंकि वह सलाखों के पीछे दिखाई दे रही हैं। हालांकि, अब तक मेकर्स ने शो के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया है। लेकिन पहला लुक माधुरी के प्रशंसकों को उत्साहित करने के लिए काफी है। इस फर्स्ट लुक को शेयर करते हुए हॉटस्टार ने कैप्शन में लिखा, 'एक ऐसा मोड़ जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी।'

अपने पहले लुक में ही माधुरी के अलग-अलग एक्सप्रेशन देखने को मिल रहे हैं। पहली झलक को देखकर ऐसी उम्मीद की जा रही है कि माधुरी इंटेंस किरदार में नजर आएंगी। बात करें शो की तो नागेश कुकुनूर द्वारा निर्देशित इस शो को अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने कुकुनूर मूवीज के सहयोग से निर्मित किया है। हालांकि, अभी तक शो की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

माधुरी दीक्षित हाल ही में कनाडा, टोरंटो, न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, ह्यूस्टन, शिकागो और बोस्टन सहित 6 शहरों में फैले एक वर्ल्ड टूर पर थीं। यहां कई जगह लेट होने की वजह से उन्हें ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था।

मस्ती 4 में साथ में काम करना सपने के सच होने जैसा

फिल्मी दुनिया में जब कोई नया कलाकार किसी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनता है, तो उसके लिए यह सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं होता, बल्कि एक बड़ा मौका होता है, अपने हुनर को दिखाने का, लोगों तक अपनी पहचान पहुंचाने का और उन सितारों के साथ काम करने का, जिन्हें वे सालों से पर्दे पर देखते आए हैं। कुछ ऐसा ही अनुभव एक्ट्रेस रुही सिंह का भी रहा, जिन्होंने आने वाली फिल्म मस्ती 4 में कई मशहूर अभिनेताओं के साथ काम किया है। यह फिल्म पहले से चर्चित मस्ती फ्रेंचाइजी का हिस्सा है, जिसकी वजह से लोगों में पहले ही काफी उत्साह है। रुही के लिए यह फिल्म सिर्फ एक कॉमेडी नहीं, बल्कि कुछ नया सीखने का मौका भी है। इंटरव्यू में रुही सिंह ने बताया कि मस्ती 4 की शूटिंग उनके लिए एक खास सफर था। फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड के जाने-माने नाम आफताब शिवदासानी, रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और अरशद वारसी जुड़े हुए हैं। उनके साथ स्क्रीन शेयर करना शानदार अनुभव रहा।

रुही सिंह ने कहा, हर अभिनेता अपनी एक अलग ऊर्जा लाता है, और यह फिल्म मेरे लिए सीखने का एक बेहतरीन मौका बनी। इस फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता और कलाकारों की टीम ने मुझे अधिक मेहनत करने की प्रेरणा दी। फिल्म में रुही की जोड़ी अभिनेता आफताब शिवदासानी के साथ है। आफताब के साथ काम करने को लेकर उन्होंने कहा, वह बहुत ही विनम्र और सादगी भरे इंसान हैं। मेरे परिवार के सभी सदस्य और दोस्त आफताब को पहले से पसंद करते आए हैं, इसलिए उनके साथ काम करने का मौका मिलना किसी सपने के सच होने जैसा है।

इसके बाद उन्होंने बाकी कलाकारों की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, रितेश देशमुख कमाल के अभिनेता हैं, जिनकी कॉमिक टाइमिंग और नेचुरल एक्टिंग सभी को प्रभावित करती है। विवेक ओबेरॉय के बारे में उन्होंने कहा कि स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी यादगार होती है और वे हर किरदार में गहराई जोड़ते हैं। इंटरव्यू के दौरान जब आईएएनएस ने उनसे पूछा कि इतने बड़े स्टारकास्ट वाली फिल्म में क्या उन्होंने अपने रोल को लेकर कभी चिंता की, इस पर रुही ने जवाब देते हुए कहा, मेरे लिए भूमिका छोटी या बड़ी होने का कोई मतलब नहीं है। अगर किरदार को ईमानदारी से निभाया जाए तो वह अपने आप दर्शकों पर प्रभाव छोड़ता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा इसलिए बनना चाहती थी क्योंकि यह एक बड़े स्तर की फिल्म है, जिसे देखने लाखों लोग आएंगे, और मैं चाहती थी कि उन दर्शकों के बीच मेरा चेहरा और नाम पहचाना जाए। उन्होंने बताया कि अपने रोल को लेकर वे पूरी तरह खुश हैं और उन्होंने उस पर बहुत मेहनत भी की है। मस्ती 4 में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय, आफताब शिवदासानी, तुषार कपूर, एलनाज नौरोजी, शाद रंधावा और अन्य कलाकार शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी ने किया है।

दीपिका को अपने फैसलों पर है पछतावा!

दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की सबसे कामयाब अभिनेत्रियों में शामिल हैं। अपने 18 साल के करियर में दीपिका पादुकोण ने अब तक कई कामयाब फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म ओम शांति ओम से की और वह पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898 ए.डी. में नजर आईं। हालांकि, उनकी कुछ फिल्में ऐसी भी रहीं, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं। हाल ही में दीपिका ने एक इंटरव्यू में माना कि कई बार उन्होंने गलत फैसले भी लिए हैं, जिसका उन्हें पछतावा है। बातचीत में दीपिका ने बताया कि वह फिल्म चुनते वक्त किन बातों का ध्यान देती हैं। दीपिका ने बताया सबसे बड़ी चीज प्रमाणिकता है। जो भी चीज सच्ची नहीं लगती, वह मुझे रास नहीं आती। कभी-कभी लोग बहुत सारा पैसा देते हैं और सोचते हैं कि इससे सब कुछ हो जाएगा लेकिन वह काफी नहीं होता। मुझे लोगों या संदेश पर यकीन है और मैं उस पर कायम रहूंगी। दीपिका ने माना कि वह अपने विचार को लेकर इतनी स्पष्ट नहीं थीं। उन्होंने कहा क्या मैं हमेशा से चीजों को लेकर इतनी स्पष्ट थी? शायद नहीं। हालांकि अब मैं उस स्पष्टता तक पहुंच गई हूं। क्या मैं कभी-कभी पीछे मुड़कर सोचती हूं कि मैं क्या सोच रही थी? जी हां मैं सोचती हूं। इससे मैं सीखती हूं। शायद आज से 10 साल बाद, मैं आज के कुछ फैसलों पर सवाल उठाऊंगी जो फैसले अभी मुझे सही लगते हैं। दीपिका की फिलहाल दो फिल्में पाइपलाइन में हैं। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म किंग में वह एक सहायक भूमिका में हैं। इसमें सुहाना खान, अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी जैसे कलाकार होंगे।

अली अब्बास जफर की फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे बनेंगे विलेन

फिल्म इंडस्ट्री में नए चेहरों का आना हमेशा से दर्शकों का उत्साह बढ़ाता है, खासकर तब जब उन्हें बड़े स्तर की फिल्मों में मौका मिल रहा हो। इस कड़ी में इन दिनों फिल्म निर्देशक अली अब्बास जफर की आगामी एक्शन-रोमांस ड्रामा फिल्म की चर्चा खूब हो रही है, क्योंकि इसमें शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे विलेन के तौर पर नजर आने वाले हैं। यह खबर सामने आते ही फिल्म को लेकर दर्शकों में दिलचस्पी और भी बढ़ गई है। इस फिल्म में सैयारा फेम अहान पांडे और मुंज्या फेम शरवरी वाघ हैं। इस फिल्म के बारे में आईएएनएस के एक करीबी सूत्र ने बताया, अली अब्बास जफर बड़े स्तर के एक्शन और भावनाओं से भरी कहानियां बनाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्मों सुल्तान और टाइगर जिंदा है ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा था। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस फिल्म में भी वह उसी दमदार निर्देशन का प्रदर्शन करेंगे।

अहान की गर्लफ्रेंड नहीं हैं अनीत

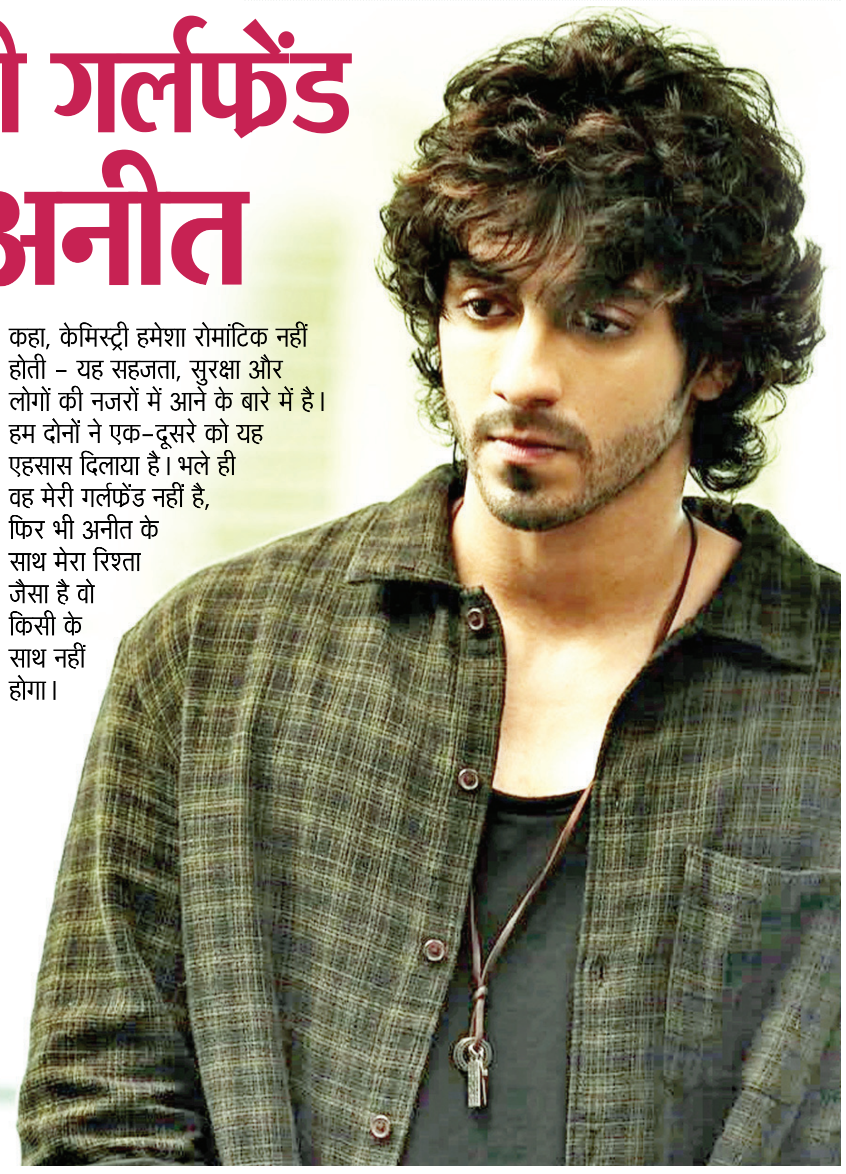

अहान पांडे और अनीत पड्डा को लेकर बातें चल रही हैं कि दोनों का रिश्ता रोमांटिक है और वे रिलेशनशिप में हैं लेकिन अहान पांडे ने अब इस बात को लेकर चुप्पी तोड़ी है और कहा कि अनीत उनकी गर्लफ्रेंड नहीं हैं। अहान ने सारी बातों से पर्दा हटा दिया है। अहान पांडे और अनीत पड्डा ने भले ही इसी साल बॉलीवुड में कदम रखा हो, लेकिन उनकी जोड़ी को लेकर जो चर्चा है, वह पुराने स्टार्स जैसी ही है। उनकी पहली फिल्म सैयारा ने तुरंत ही लोगों के दिलों में खास जगह बना लिया। उनके फैन एडिट रातोंरात वायरल हो गए, गपशप के पन्नों ने उन्हें इंडस्ट्री का अगला इट कपल घोषित कर दिया और सोशल मीडिया ने मानो उनके बीच रोमांस को जन्म दे दिया हो। इन अटकलों को और हवा तब मिली जब करण जौहर ने हिंट दिया कि ये दोनों नए कपल बन सकते हैं। लेकिन अहान पांडे ने अब सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है। हाल ही में त्र एक इंटरव्यू में, अहान पांडे ने रिश्ते पर सीधे तौर पर बात की। उन्होंने क्लियर किया कि उनके और अनीत के बीच का रिश्ता गहरा तो है, लेकिन यह रोमांटिक नहीं है। उन्होंने कई महीनों से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा, अनीत मेरी सबसे अच्छी दोस्त है। पूरा इंटरनेट सोचता है कि हम साथ हैं, लेकिन हम साथ नहीं हैं।

अहान और अनीत की केमेस्ट्री

उन्होंने बताया कि पर्दे पर उनके बीच जो सहजता है, वह रोमांस से नहीं, बल्कि इमोशनल सिक्योरिटी और आपसी समझ से आती है। उन्होंने कहा, केमिस्ट्री हमेशा रोमांटिक नहीं होती - यह सहजता, सुरक्षा और लोगों की नजरों में आने के बारे में है। हम दोनों ने एक-दूसरे को यह एहसास दिलाया है। भले ही वह मेरी गर्लफ्रेंड नहीं है, फिर भी अनीत के साथ मेरा रिश्ता जैसा है वो किसी के साथ नहीं होगा।

फिल्म एक टीम वर्क होता है और मैं इसका एक छोटा-सा हिस्सा हूं

दारा सिंह और मुमताज जैसे जाने-माने कलाकारों से ताल्लुक रखने वाले अभिनेता शाद रंधावा ने अपना रास्ता खुद अख्तियार किया। वो लम्हे से अपने करियर का आगाज करने वाले शाद के दो दशक के करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे, मगर इस साल उनके किस्मत का सितारा खूब चमका। सैयारा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म के बाद इन दिनों दीवानियत जैसी 100 करोड़ के क्लब में एंट्री ले चुकी फिल्मों में सावंत के रोल से लोकप्रिय हुए शाद अपने सफर की बात करते हैं।

शाद रंधावा फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे अपनी पृष्ठभूमि के बारे में बताते हैं, मैं 6-7 साल की उम्र का रहा होऊंगा और अभिनय में तभी से मेरी काफी रुचि थी। स्कूल के नाटकों में भाग लेता था। मेरी मम्मी भी एक जमाने में ऐक्ट्रेस थीं और पिता पहलवानी के साथ-साथ अभिनय भी किया करते थे। दारा सिंह मेरे अंकल और मुमताज मेरी मौसी हैं। जब मैंने अपने परिवार को अपने एक्टर बनने की ख्वाहिश बताई, तो सभी ने कहा कि ये आपकी अपनी जर्नी है। हम आपको भावनात्मक रूप से तो सपोर्ट करेंगे, मगर अपना काम आपको खुद ढूंढना होगा।

भट्ट साहब के ऑफिस के खूब चक्कर लगाता था

मेरे ताया (दारा सिंह) हों या मेरे पिता रंधावा, सभी बहुत विनम्र बैकग्राउंड से हैं अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, चाहे वो मेरी मम्मी (मल्लिका अस्करी) हों या मुमताज आंटी, सभी ने अपना रास्ता खुद बनाया, तो मैंने अभिनय में आने से पहले रोशन तनेजा के यहां एक्टिंग क्लासेज कीं। साथ-साथ में मैं नाटक तो करता ही रहता था। ये उन दिनों की बात है, जब मैं रोल पाने के लिए फिल्मी ऑफिसों के चक्कर लगाया करता था। एक जगह मुझे उम्मीद दिखी और वो थी भट्ट साहब (महेश भट्ट) का ऑफिस। लंबे स्ट्रगल के बाद एक दिन भट्ट साहब ने मुझे मोहित से मिलवाया। तब तक मोहित की जहर आ चुकी थी और कलयुग की शूटिंग कर रहे थे। उसी वक्त उन्होंने कहा कि वे मुझे अपनी अगली फिल्म में लेंगे। मगर उन्होंने ये भी कहा कि शाद नेगेटिव रोल है। उस वक्त तो मैं सिर्फ काम करना चाहता था, तो बस इस तरह वो लम्हे से मेरी जर्नी शुरू हुई। मेरे काम को सराहा गया और मुझे अपने रोल के लिए अवॉर्ड भी मिला।

रेस्टॉरेंट्स और डायमंड्स में किस्मत आजमाई

अच्छी शुरुआत के बावजूद शाद के करियर में शायद ने भी काफी उतार-चढ़ाव देखे। वे कहते हैं, कई बार रिजेक्ट भी हुआ, मगर परिवार और दोस्तों का सपोर्ट हमेशा रहा। अपने मुश्किल दौर का जीकर करते हुए वे कहते हैं, आशिकी 2 के बाद मैं लगातार काम पाने की कोशिश कर रहा था, मगर काम मिल नहीं रहा था, तब मैंने डायमंड्स के क्षेत्र में हाथ आजमाया। फिर मैंने रेस्टॉरेंट्स में भी किस्मत आजमाई। बाहर से भले लगे कि ये काफी चकाचौंध वाली लाइन है, मगर मेरे लिए ऐसा नहीं था।

इन दो निर्देशकों ने हमेशा काम दिया

शाद रंधावा की एक के बाद एक करके दोनों फिल्में, पहले सैयारा और अब हालिया दीवानियत ने बॉक्स ऑफिस पर हंगामा मचाया हुआ है। वे कहते हैं, मेरा मानना है कि फिल्म एक टीम वर्क होता है और मैं तो इसका एक छोटा-सा हिस्सा हूं। लेकिन मुझे बहुत अच्छा लगता है कि इन दोनों निर्देशकों ने मुझ पर हमेशा यकीन रखा। इन दोनों निर्देशकों ने मुझे हमेशा काम दिया। दीवानियत से पहले मैं मिलाप के साथ मरजांवा और सत्यमेव जयते 2 में काम कर चुका हूं। जहां तक मोहित की बात है, तो उसके साथ मैंने अपने करियर की शुरुआत वो लम्हे से की थी और उसके बाद मैं आवारापन, आशिकी 2, एक विलेन, मलंग, एक विलेन रिटर्न्स जैसी तमाम फिल्मों का हिस्सा रहा।

हर्षवर्धन राणे ने अपने हिस्से के डायलॉग मुझे दिए

हाल ही में दीवानियत में सावंत के रोल से फेमस हुए शाद फिल्म के नायक हर्षवर्धन राणे के साथ अपने अनुभव को बयान करते हुए कहते हैं, हर्ष के साथ काम करते हुए मैंने पाया कि उनमें काम करने की भूख और नियत दोनों ही जबरदस्त है। पूरी टीम ही इस जज्बे से जुड़ी रही। हर्ष पर मैं शूटिंग से पहले एक ही बार मिला था और जिस दिन मैं सेट पर मिला तो उन्होंने मुझसे साफ़ तौर पर कहा कि स्क्रिप्ट में सावंत के किरदार में उतना रस नहीं है, मगर भाई हम लोग इस किरदार और मेरे चरित्र विक्रम आदित्य की एक अलग ही केमेस्ट्री बनाएंगे। उन्होंने वो फिल्म में किया।

डिजिटल दौर में इस तरह बन सकते हैं स्मार्ट वर्कर

फ्री सॉफ्टवेयर और टूल्स की मदद से ऑफिस में न सिर्फ स्मार्ट तरीके से काम कर सकते हैं, बल्कि कीमती समय भी बचा सकते हैं। आज का डिजिटल दौर 'हार्ड वर्क' के बजाय 'स्मार्ट वर्क' का है। कुछ फ्री सॉफ्टवेयर और टूल्स की मदद से आप ऑफिस में न सिर्फ स्मार्ट तरीके से काम कर सकते हैं, बल्कि अपना कीमती समय भी बचा सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ सॉफ्टवेयर और टूल्स के बारे में।

पोर्टेबल ऐप्स

अगर आप ऑफिस में डेस्कटॉप का इस्तेमाल करते हैं, तो हो सकता है कि सिक्योरिटी सेटिंग्स की वजह से अपना कीमती समय बचाने के लिए एडिशनल सॉफ्टवेयर, एक्सटेंशन आदि को इंस्टॉल न कर पाएं। ऐसे में सबसे आसान तरीका है पोर्टेबल ऐप्स का इस्तेमाल। इसके लिए www.portableapps.com से इंस्टॉलर अपने यूएसबी फ्लैश ड्राइव में सेव कर सकते हैं। उसके बाद आप इस साइट पर उपलब्ध 300 से अधिक ऐप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। इन ऐप्स को इंस्टॉल करने की जरूरत नहीं पड़ती, बल्कि ये फ्लैश ड्राइव से ही रन करते हैं। आप इसे किसी भी कम्प्यूटर पर एक्सेस कर सकते हैं।

ऐप लॉन्चर्स

अगर आप अपने कम्प्यूटर (विंडोज, मैक या लिनक्स) पर तेज और स्मार्ट तरीके से काम करना चाहते हैं, तो लॉन्ची (www.launchy.net) की मदद ले सकते हैं। यह एक ओपन सोर्स कीस्ट्रोक लॉन्चर है। इसकी मदद से आप कुछ सेकंड में ही अपने प्रोग्राम्स को स्टार्ट कर सकते हैं। यह आपके सभी प्रोग्राम्स, फोल्डर्स और डॉक्यूमेंट्स का ऑटो इंडेक्स शो करता है, इसलिए आप बहुत ज्यादा सोचे बिना ही जान सकते हैं कि आपके प्रोग्राम्स, फोल्डर्स आदि कहां हैं। अगर आप इसका विकल्प चाहते हैं, तो रॉकेटडॉक (www.rocketdock.com) आजमाएं। इसमें आप अपने हिसाब से चीजों को कस्टमाइज कर सकते हैं।

स्पैम सॉल्यूशन

अगर आप लंबे समय से किसी ईमेल सर्विस का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो दिन-प्रतिदिन स्पैम की संख्या भी बढ़ती चली जाती है। स्पैम से छुटकारा पाने के लिए आप अनरोल (www.unroll.me) सर्विस का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपके इनबॉक्स को कुछ ही मिनिट में स्कैन कर देता है। इसके बाद आपको उन ईमेल सब्सक्रिप्शन को दिखाता है, जो आपको लगातार स्पैम भेजते हैं। आप इस सर्विस का इस्तेमाल स्पैम को तत्काल अनसब्सक्राइब करने के लिए कर सकते हैं।

स्मार्ट कीबोर्ड

स्मार्टफोन का इस्तेमल हम कम्युनिकेशन के साथ-साथ कई दूसरे छोटे-मोटे कामों के लिए भी करते हैं, जैसे किसी को ईमेल टाइप करके भेजना आदि। आप चाहें, तो कम्प्यूटर की तरह स्मार्टफोन पर भी तेजी से टाइप कर सकते हैं। एंड्रॉयड और आईओएस के लिए कुछ ऐसे ही थर्ड पार्टी ऐप्स उपलब्ध हैं, जिनकी मदद से आप न सिर्फ अपना कीमती समय बचा सकते हैं, बल्कि आपको बेहतर वर्ड प्रिडिक्शन, स्वाइपिंग टेक्स्ट और कस्टमाइजेबल शॉर्टकट्स की सुविधा भी मिलती है। स्विफ्टकी एंड्रॉयड और आईओएस के लिए उपयोगी कीबोर्ड ऐप है। आप ईमेल और सोशल मीडिया पर कैसे टाइप करते हैं, यह उसे जान लेता है, फिर आपको पर्सनलाइज्ड प्रिडिक्शन ऑफर करता है, जिससे आप तेजी से टाइप कर सकते हैं। इसकी खासियत यह है कि आप अपने हिसाब से इसे रीसाइज भी कर सकते हैं।

फास्ट टाइपिंग

आजकल अधिकतर काम कम्प्यूटर पर ही होते हैं। ऐसे में टाइपिंग की स्पीड अच्छी न हो, तो काम करने में काफी समय लग जाता है। अगर आप अपनी टाइपिंग स्पीड सुधारना चाहते हैं, या फिर टाइपिंग सीखना चाहते हैं, तो कीबर (www. keybr.com) की मदद ले सकते हैं। यह न सिर्फ आपकी टाइपिंग स्पीड को दिखाएगा, बल्कि टाइपिंग के दौरान आपने कितनी गलतियां कीं, उसके बारे में भी बताएगा। इसके अलावा, एक और वेबसाइट है www.typing-web .com जहां टाइपिंग सीखने के लेसंस दिए गए हैं। अगर आप सॉफ्टवेयर के साथ ज्यादा सहज महसूस करते हैं, तो www.nchsoftware.com साइट से कीब्लेज टाइपिंग ट्यूटर सॉफ्टवेयर की मदद ले सकते हैं। यह फ्री सॉफ्टवेयर विंडोज और मैक के लिए उपलब्ध है। यहां पर फिंगर गाइड दिया गया है, जो आपको बताता है कि किस अंगुली की इस्तेमाल किस की के लिए करना है। यहां आप अपनी टाइपिंग स्पीड और एक्यूरेसी की जांच कर सकते हैं।

ई-बिजनेस में बनाएं करियर

ये होनी चाहिए स्किल्स

ई-बिजनेस ने दुनियाभर के विक्रेताओं और ग्राहकों को एक-दूसरे के नजदीक ला दिया है। जानते हैं कैसे ई-बिजनेस में बढ़िया करियर बनाया जा सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक बिजनेस, जिसे ई-बिजनेस भी कहा जाता है, टेक्नोलॉजी के उपयोग से बिजनेस को बेहतर बनाता है। ई-बिजनेस का विकास काफी तेजी से हो रही है क्योंकि अब ज्यादातर बिजनेस गतिविधियां और लेनदेन इंटरनेट पर किए जाने लगे हैं। ऐसे में इन गतिविधियों के लिए क्वॉलिफाइड प्रोफेशनल्स की जरूरत है।

क्या है ई-बिजनेस?

आज के दौर में इंटरनेट ने उपभोक्ता और बिजनेस के बीच की दूरी को कम करके उनके बीच व्यवहार को आसान बना दिया है। ई-बिजनेस से खरीद-फरोख्त वैश्विक, प्रतिस्पर्धी और आसान बन गई है। एक बिजनेस अगर अपने उत्पादों को ऑनलाइन बेचता और खरीदता नहीं भी है लेकिन अपने बिजनेस से संबंधित गतिविधियां ऑनलाइन करता है, तो भी उसे ई-बिजनेस कहा जाएगा।

कैसी स्किल्स चाहिए?

आप इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में परफेक्ट होने चाहिए। वेबसाइट का लेआउट डिजाइन करने के लिए क्रिएटिविटी जरूरी होती है, इसलिए क्रिएटिव एस्पेक्ट भी वांछित है। ई-बिजनेस की रणनीति में परिवर्तन लाने या उसे रीवैल्यूएट करने के लिए दूसरों से परामर्श लेते रहें। मार्केट रिसर्च, ऑनलाइन एडवरटाइजिंग, ब्रांडिंग, मीडिया प्लानिंग में भी आपकी रुचि हो।

कौन-से कोर्स?

ई-बिजनेस में कई तरह के कोर्स उपलब्ध हैं और हर कोर्स अलग जरूरत पर फोकस करता है। ये कोर्स ऑनलाइन बिजनेस स्ट्रैटेजी, मार्केटिंग, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, ई-कॉमर्स मैनेजमेंट पर फोकस करते हैं। ये कोर्स ऑनलाइन भी उपलब्ध हैं। ई-बिजनेस का कोर्स करके उम्मीदवार को प्रोडक्ट मैनेजर की पोस्ट भी ऑफर की जाती है। हालांकि यह कंपनी के स्ट्रक्चर पर निर्भर करता है।

एलिजिबिलिटी

बैचलर्स डिग्री प्रोग्राम में एडमिशन लेने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार ने 12वीं 50 प्रतिशत अंकों के साथ पास की हो। कोर्स की अवधि तीन साल होगी। पोस्टग्रेजुएट कोर्स करने के लिए जरूरी है कि उम्मीदवार ने किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएशन किया हो। इस कोर्स की अवधि दो साल की होगी।

पे स्केल

शुरुआती स्तर पर सैलेरी पैकेज ढाई से तीन लाख रुपए प्रति वर्ष के बीच होता है। सैलेरी पैकेज इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप किस संस्थान में और किस पोजिशन पर काम कर रहे हैं।

नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदल सकती है म्यूजिक थेरेपी

आज की भागदौड़ भरी जिदंगी में लोगों को डिप्रेशन जैसी कई मानसिक समस्याओं से जूझना पड़ता है और म्यूजिक थेरेपी इन सबसे उबरने में मददगार साबित हो सकती है। भारत में म्यूजिक थेरेपी का प्रचलन बहुत ज्यादा तो नहीं है क्योंकि इस पर बहुत खर्च आता है लेकिन इसके असरदार परिणामों को देख अब यह भारत में भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही है। म्यूजिक थेरेपी का प्रभाव बहुत गहरा होता है। यह नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदल सकती है। अगर आपको संगीत से प्यार है और आपका बैकग्राउंड भी म्यूजिकल है तो आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। संगीत थेरेपी में विकारों को दूर करने के लिए इंसान के स्वभाव और समस्या के अनुसार संगीत तैयार करना होता है। इसके लिए आर्केस्ट्रा और अन्य कई इक्विप्मेंट्स का इस्तेमाल किया जाता है। जैसे-जैसे मरीज की हालत में सुधार आता है संगीत में उसके अनुसार बदलाव किया जाता है। इसके जरिए इलाज के लिए ऐसे संगीत का इस्तेमाल किया जाता है जिससे व्यक्ति को चैन मिल सके। इससे मरीज की निराशा, व्यवहार और भावनात्मक समस्याओं में कमी लाई जा सकती है। म्यूजिक थेरेपी को आजकल डॉक्टर भी बढ़ावा दे रहे हैं क्योंकि यह काम के बोझ के तले दबे लोगों के लिए काफी कारगर साबित हो रही है। यही कारण है कि इंजीनियर, आईटी प्रोफेशनल्स, कॉल सेंटरकर्मियों से लेकर मीडियाकर्मी तक इस थेरेपी का सहारा ले रहे हैं। जहां दवाएं काम नहीं करतीं, वहां संगीत अपना असर दिखा सकता है।

ये हैं कोर्स

हालांकि इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए कोई विशिष्ट योग्यता की आवश्यकता नहीं है लेकिन संगीत थेरेपी में कोई भी कोर्स करने के लिए बारहवीं उत्तीर्ण होना बुनियादी आवश्यकता है। इसके अलावा अगर आपने ये कोर्स किए हुए हों तो इस क्षेत्र में प्रवेश करना आपके लिए और आसान हो जाता है।

एडवांस्ड लेवल म्यूजिक थेरेपी कोर्स
सर्टिफिकेट इन म्यूजिक थेरेपी
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल म्यूजिक थेरेपी
प्रोफेशनल पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन म्यूजिक थेरेपी